जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

जालोर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

जालोर, शनिवार 8 नवम्बर, 2025

अशुद्ध के विरुद्ध आन्दोलन अशुद्ध के विरुद्ध

KEDIA™ Pavitra

राजस्थान का सबसे तीखा मिर्च पाउडर

50,000+ SHU (तीखापन)

लाल मिर्च पाउडर

- तीखेपन के लिए गुंटूर की तेजा मिर्च
- स्वाद के लिए नमकीन में डालने वाली लौंगी मिर्च
- लाल रंग के लिए कश्मीरी बेडगी मिर्च

250 g | MRP: ₹ 150

FIXED PRICE

ORDER NOW:

• शरबती सुपीरियर आटा	• शरबती गेहूँ	• जीरा	• काबुली चना	• मूंग दाल	• उड़द दाल (छिलका)	• काजू
• देशी चक्की आटा	• देशी गेहूँ	• सौंफ	• हरा मूंग	• मूंग दाल (छिलका)	• राजमा चित्रा	• पिस्ता
• सूजी	• लाकाडोंग हल्दी पाउडर	• चना दाल	• हरा मटर	• मोठ	• राजमा लाल	• किशमिश
• दलिया	• मिर्च पाउडर	• काला चना	• मसूर मलका	• अरहर/तूर दाल	• राजमा कश्मीरी	• अखरोट
• बेसन	• धनिया पाउडर	• हरा चना	• मसूर दाल	• उड़द दाल	• कैलिफोर्निया बादाम	• मामरा बादाम

COMING SOON: चावल । पोहा । कुकिंग ऑयल । खड़े मसाले । चाय

ORDER ON WEBSITE

ORDER ON WHATSAPP

ORDER ON APP

एक्सप्रेस डिलीवरी सिर्फ एक कॉल पर

1800 120 2727

T&C Apply.

नजदीकी रिटेल स्टोर पर उपलब्ध !

विचार बिन्दु

उत्साह से बढ़कर कोई दूसरा बल नहीं है, उत्साही मनुष्य के लिए संसार में कोई भी वस्तु दुर्लभ नहीं है। –वाल्मीकि

निर्यात में राजस्थान की लंबी छलांग

राजस्थान ने वर्ष 2024-25 में 16.09 प्रतिशत विकास दर के साथ निर्यात के क्षेत्र में भी लंबी छलांग लगाई है। 2023-24 में प्रदेश से 83704 करोड़ 24 लाख रुपए के उत्पादों का विदेशों में निर्यात हुआ था। इसकी तुलना में 2024-25 में प्रदेश से 97171 करोड़ 68 लाख रुपये के उत्पादों का विदेशों में निर्यात हुआ है। निर्यात क्षेत्र में सर्वाधिक 57.09 प्रतिशत की विकास दर जेम एवं ज्वैलरी क्षेत्र में रही है। इसके बाद इलेक्ट्रोनिक्स और कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर क्षेत्र में 25 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी रही है। इंजीनियरिंग सेक्टर में 19.63 प्रतिशत और एग्रो और फूड प्रोसेसिंग सेक्टर में 10.92 प्रतिशत की तो माइनिंग क्षेत्र में 10.45 प्रतिशत की विकास दर के साथ उल्लेखनीय निर्यात हुआ है। राजस्थान द्वारा 17 सेक्टरों के उत्पादों का विदेशों में निर्यात किया जाता है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व व मार्गदर्शन में निर्यात के क्षेत्र में यह बडी सफलता मानी जानी चाहिए। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उद्योग एवं वाणिज्यमंत्री कर्नल राज्यवर्द्धन सिंह के योजनाबद्ध प्रयासों का ही परिणाम रहा है कि राजस्थान ने निर्यात के क्षेत्र में नया इतिहास रचा है। केन्द्र सरकार द्वारा चालू वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही के जारी निर्यात आंकड़ें भी इस मायने में उत्साहित करने वाले हैं कि आलोच्य अवधि के गत वर्ष की तुलना में अप्रेल-जून 25 में भी 14.37 फीसदी विकास दर के साथ 25212 करोड़ से अधिक का निर्यात राजस्थान से हुआ है।

राजस्थान से टैक्सटाइल, एग्रो एवं फूड प्रोसेसिंग, जेम एवं ज्वैलरी, इंजीनियरिंग, फेरियस और नान फेरियस मेटल, डायमेंशनल स्टोनों में मार्बल, ग्रेनाइट और इनसे तैयार डेकोरेटिव उत्पाद, मिनरल फ्यूल्स आदि, इलेक्ट्रोनिक व कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर, वूल और वूलन उत्पाद, केमिकल और इसके सहउत्पाद, दवा एवं फार्मास्यूटिकल, प्लास्टिक और लिनोलियम्स, हैण्डीक्राफ्ट, लेदर एवं सहउत्पाद, रेडिमेड गारमेंट्स, कारपेट दरियां आदि व अन्य उत्पादों का प्रमुखता से निर्यात होता है। 2024-24 के दौरान जेम एवं ज्वैलरी के क्षेत्र में सर्वाधिक 57.9 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। इसी तरह से इलेक्ट्रोनिक और कम्प्यूटर साफ्टवेयर क्षेत्र में भी 25.21 फीसदी की अच्छी खासी विकास दर रही है। इंजीनियरिंग, एग्रो व फूड प्रोसेसिंग और माइनिंग सेक्टर में भी 10 प्रतिशत से अधिक की विकास दर के साथ निर्यात में बढ़ोतरी हुई है।

दरअसल राज्य सरकार की निर्यातोन्मुखी नीति और निर्यातकों को मार्गदर्शन, तकनीकी, आर्थिक और नीतिगत सहयोग का ही परिणाम रहा है कि राजस्थानी उत्पादों की विदेशों में मांग बढ़ी है तो निर्यातक भी प्रोत्साहित हुए हैं। राज्य सरकार ने कार्यभार संभालने के पहले साल में ही एक्सपोर्ट प्रमोशन पालिसी 2024, राजस्थान ओद्यौगिक प्रोत्साहन नीति रिप्स 2024, केन्द्र व राज्य सरकार की एक जिला एक उत्पाद नीति, एमएसएमई नीति 2024 से प्रदेश में निर्यात का माहौल बना है। इसके साथ ही सरकार द्वारा अपने कार्यकाल के पहले साल में ही राइजिंग राजस्थान ग्लोबल समिट की देश-विदेश में आक्रामक मार्केटिंग और फिर जयपुर में सफल आयोजन से भी निर्यात को पंख लगे हैं।

दरअसल राज्य सरकार की निर्यातोन्मुखी नीति और निर्यातकों को मार्गदर्शन, तकनीकी, आर्थिक और नीतिगत सहयोग का ही परिणाम रहा है कि राजस्थानी उत्पादों की विदेशों में मांग बढ़ी है तो निर्यातक भी प्रोत्साहित हुए हैं। राज्य सरकार ने कार्यभार संभालने के पहले साल में ही एक्सपोर्ट प्रमोशन पालिसी 2024, राजस्थान ओद्यौगिक प्रोत्साहन नीति रिप्स 2024, केन्द्र व राज्य सरकार की एक जिला एक उत्पाद नीति, एमएसएमई नीति 2024 से प्रदेश में निर्यात का माहौल बना है। इसके साथ ही सरकार द्वारा अपने कार्यकाल के पहले साल में ही राइजिंग राजस्थान ग्लोबल समिट की देश-विदेश में आक्रामक मार्केटिंग और फिर जयपुर में सफल आयोजन से भी निर्यात को पंख लगे हैं। निर्यात से बहुमुखी विकास की इबारत लिखी जाती है। एक तो विदेशों में प्रदेश की उत्पादों की मांग बढ़ती है, उत्पादों को विश्वव्यापी पहचान मिलती है वहीं स्थानीय स्तर पर औद्योगिक निवेश और औद्योगिक विकास, उत्पादन की गुणवत्ता के साथ ही युवा निर्यातकों को प्रोत्साहन मिलता है। स्थानीय स्तर पर कौशल विकास के साथ ही रोजगार के नए अवसर विकसित होते हैं। इन सबके साथ ही विदेशी पूंजी आती है।

अमेरिका की टैरिफ नीति और विदेशों में निर्यात की विपरीत परिस्थितियों के बावजूद राजस्थान के समग्र प्रयासों के सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो रहे हैं। राजस्थान सरकार अगले माह 10 दिसंबर को प्रवासी राजस्थान दिवस भी मनाने जा रही है। ऐसे में प्रवासी राजस्थानियों खासतौर से विदेशों में रह रहे राजस्थानी प्रवासियों के राजस्थान की धरा से जुड़ाव से निश्चित रुप से प्रदेश के युवा निर्यातकों, स्टार्टअप्स को संवाद और समन्वय का अवसर प्राप्त हो सकेगा अपितु युवा उद्यमियों को निर्यात में आने वाली व्यावहारिक समस्याओं, विदेशी धरती पर मांग और अंतरराष्ट्रीय मानकों से रुबरु होने का अवसर मिलेगा। इसके अलावा राजस्थान निर्यात संवर्द्धन परिषद को भी और अधिक एग्रेसिव रणनीति बनाते हुए युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए ओरयिंटेशन, अवेयरनेस, वर्कशॉप, सेमिनार आदि आदि कार्यक्रमों की सीरिज बनानी होगी ताकि निर्यात को और अधिक बढ़ावा दिया जा सके। युवा उद्यमियों के प्रोत्साहन से और अधिक बेहतर परिणाम प्राप्त हो सकेंगे।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

डेढ़ सौ वर्ष से झर रहा है समरसता और आत्मीयता का महाप्रपात

भारत के कण-कण और जन-जन को एक सूत्र में बांधता है ''वंदे मातरम्''

आकांक्षा पालावत

दिल को सुकून देने वाले और दिमाग को राष्ट्रीयता की तरंगों में नहला देने का सामर्थ्य रखने वाले गीत वन्दे मातरम... की उम्र भले ही आज 150 वर्ष की हो गई हो, पर इसकी धड़कन आज भी उतनी ही जीवंत रहकर हर किसी में स्पन्दन जगाने और तरंगायित करने में अहम् है। वंदे मातरम् केवल एक गीत नहीं, बल्कि वह अखूट अजस्त्र भावधारा है जो भारत के कण-कण और जन-जन को एक सूत्र में बाँधती है। यह सिर्फ एक विचार नहीं था, बल्कि उत्प्रेरक शब्दों की एक जबर्दस्त क्रांति थी, जिसने सोए हुए राष्ट्र को जाग्रत कर ऊर्जावान किया।

इस गीत के शिल्पकार बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय के जीवन और उनकी उस चेतना को पहचानना, दरअसल स्वयं भारत की आत्मा को पहचानने के समान है। उनके शब्दों ने जिस भावना को जन्म दिया, वह आज भी हर तिरंगे की लहर में, हर भारतीय के हृदय में और हर नई सुबह के संकल्प में स्पंदित होती है। सन 1875, भारतीय नवजागरण का वह काल, जब भारत माता अंग्रेज़ी शासन की बेड़ियों में जकड़ी थी। निराशा और पराधीनता के घनघोर अंधकार में एक दीपक प्रज्वलित हुआ, बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय के रूप में। उन्होंने शब्दों को साधना बनाया और अपनी लेखनी से भारत की मौन आत्मा को स्वर दिया। उनकी रचना वंदे मातरम् वह दिव्य जागरण मन्त्र बनी, जिसने गुलामी के युग में स्वाधीनता की लौ जलाई और आज भी राष्ट्र के हृदय में श्रद्धा, स्वाभिमान और ऊर्जा का स्त्रोत बनी हुई है।

वह कलम जो शासन की नहीं, युग की आवाज़ बनी : 26 जून 1838 को बंगाल के 24 परगना ज़िले के कांठलपाड़ा गाँव में जन्मे बंकिमचंद्र के पिता यदुभूषण चट्टोपाध्याय ब्रिटिश शासन में डिप्टी कलेक्टर थे। विलक्षण मेधा-प्रज्ञा सम्पन्न बालक बंकिम ने आरंभ से ही असाधारण प्रतिभा दिखाई। 1858 में उन्होंने कलकत्ता विश्वविद्यालय से बी.ए. की उपाधि प्राप्त की। यह वही कालखण्ड था जब 1857 का संग्राम अपने अंत की ओर था, पर भारत के मन में उसकी चिनगारी अभी दहक रही थी। अंग्रेज़ी शिक्षा के बावजूद उनका मन भारतीय संस्कृति और परंपराओं से अनुप्राणित था। सरकारी सेवा में रहते हुए भी उन्होंने लेखनी को समाज-जागरण का माध्यम बनाया, वह कलम जो शासन की नहीं, युगीन चेतना जगाने वाली आवाज़ बनी।

साहित्यिक साधना और देशज चेतना : बंकिमचंद्र ने साहित्य को केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि समाज-चेतना और लोक जागरण का साधन बनाया। उनकी 'दुर्गेशनंदिनी', 'कपालकुंडला', 'विशवृक्ष' और 'आनंदमठ' जैसी कृतियों ने नारी, संस्कृति और राष्ट्रीय अस्मिता को नया जीवन दिया।

उनका उपन्यास 'आनंदमठ' मात्र एक कथा नहीं था; वह एक घोष था, एक ऐसे भारत का स्वप्न, जो भय और दासता से मुक्त हो। इसी में उन्होंने वह गीत रचा-वंदे मातरम्, जो मातृभूमि की आराधना का प्रतीक बन गया और स्वतंत्रता संग्राम की आत्मा में समाहित हो गया।

वंदे मातरम् : एक गीत, एक आन्दोलन, एक आत्मा

संस्कृत-बांग्ला मिश्रित भाषा में रचित वंदे मातरम् पहली बार 1875 में 'बंगदर्शन' पत्रिका में प्रकाशित हुआ और बाद में 'आनंदमठ' में शामिल किया गया। वंदे मातरम्, शुभ्र ज्योत्स्ना पुलकित यामिनी3 इन शब्दों में भारतभूमि देवी बनकर अवतरित होती है, शस्य-श्यामला, सुवासिनी, करुणामयी, किंतु परतंत्र। यह गीत केवल श्रद्धा नहीं, जागरण की पुकार था। 1896 में जब यह गीत पहली बार गूँजा, तो पूरा देश भावविभोर हो उठा। धीरे-धीरे वंदे मातरम् स्वतंत्रता का उद्घोष बन गया। जेलों की कोठरियों से लेकर रणभूमि तक, यह गीत साहस, बलिदान और समर्पण का प्रतीक बन गया। अरविंद घोष, लाला लाजपत राय, बिपिनचंद्र पाल और बाल गंगाधर तिलक जैसे नेताओं ने इसे अपने जीवन का सूत्र बना लिया।

गीत का दर्शन : राष्ट्रवाद का आध्यात्मिक स्वर

वंदे मातरम् केवल भावनाओं की अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि गहन दर्शन का सूत्र है। यहाँ मातृभूमि भौगोलिक नहीं, बल्कि आध्यात्मिक सत्ता है, हमारी चेतना का केंद्र। बंकिमचंद्र ने दिखाया कि सच्चा राष्ट्रवाद बाहरी नहीं, भीतरी भावना है; यह केवल शासन की संरचना नहीं, बल्कि आत्मा का स्पंदन है।

उनका यह दृष्टिकोण भारतीय संस्कृति के उस मूल सिद्धांत से जुड़ता है जहाँ भक्ति और देशभक्ति एक ही धारा में बहती हैं। वंदे मातरम् ने भारत के राष्ट्रवाद को आध्यात्मिक आधार दिया, जहाँ सेवा ही साधना है और मातृभूमि की वंदना ही धर्म। आज, जब वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं, यह केवल एक गीत की स्मृति नहीं, बल्कि भारत की आत्मा के पुनर्जागरण का महोत्सव है। 21वीं सदी का भारत जब विकसित राष्ट्र बनने की ओर बहुत तेजी से अग्रसर है, जब विज्ञान, संस्कृति, तकनीक और आत्मनिर्भरता एक साथ आगे बढ़ रहे हैं, तब यह गीत हमें स्मरण कराता है कि आधुनिकता की दिशा तभी सार्थक है जब वह मातृभूमि के प्रति श्रद्धा से जुड़ी हो।

आज के भारत में वंदे मातरम् किसी अधिवेशन या समारोह तक सीमित नहीं। यह हर नागरिक की निष्ठा, परिश्रम और संकल्प का अदृश्य संगीत है। डिजिटल इंडिया से लेकर हर घर तिरंगा तक, चंद्रयान से लेकर गंगा पुनर्जागरण तक, हर सफलता के पीछे यही आत्मस्वर गूँजता है कि हम सब एक हैं, क्योंकि हमारी माँ एक है।

बंकिमचंद्र की विरासत और हमारा उत्तरदायित्व : बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय बुद्धि और भावना, शासन और साधना, कर्म और काव्य के अद्भुत संगम थे। उन्होंने साहित्य को लोकचेतना का दीप बनाया, जिसने आगे चलकर सत्याग्रह', भारत के स्वप्न और इंकलाब को आलोकित किया।

आज, 150 वर्षों बाद, उनका यह संदेश और भी गहरा प्रतीत होता है कि राष्ट्र की प्रगति केवल तकनीकी उपलब्धियों में नहीं, बल्कि उसके नागरिकों की आत्मा में निहित है। बंकिमचंद्र ने राष्ट्रचेतना और देशभक्ति को जो दीप जलाया था, वह आज भी हर भारतीय के भीतर उजाला करता है।

माँ की वंदना ही सच्ची स्वतंत्रता : बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय का जीवन और उनका गीत हमें यह सिखाते हैं कि शब्दों में युगों को जगाने की शक्ति होती है। 'वंदे मातरम्' उसी शब्द शक्ति का शाश्वत प्रमाण है। एक ऐसा गीत जो जाति, धर्म, सम्प्रदाय और तमाम संकीर्णताओं से ऊपर उठकर एकता सिखाता है, सामाजिक समरसता का संदेश देता है, जो सीमाएँ नहीं, संवेदनाएँ जोड़ता है। आज जब भारत चरम आत्मविश्वास और सुदृढ़ संकल्पों को लेकर नए युग में प्रवेश कर चुका है, तब यह गीत हमें स्मरण कराता है कि माँ की वंदना ही सच्ची स्वतंत्रता है।

आज वन्दे मातरम् भारतीय आत्मा का मूल महामंत्र बनकर विश्वगुरु के विराट स्वरूप का बोध कराता प्रतीत होने के साथ ही स्वर्णिम वैश्विक प्रतिष्ठा का संकेत दे रहा है।

–आकांक्षा पालावत,
(सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी, जोधपुर)

एल्गोरिथम की तानाशाही: हमारी डिजिटल स्वतंत्रता पर मंडराता खतरा

सुरेंद्रसिंह शेखावत

आज के दौर में, जब हम खुद को सूचना के एक विशाल सागर में तैरता हुआ पाते हैं, तो एक अदृश्य शक्ति है जो हमारी यात्रा को नियंत्रित करती है, वह एल्गोरिथम है। ये गणितीय कोड, जो बड़ी टेक कंपनियों के सर्वरों में समाए हुए हैं, अब केवल जटिल गणनाएँ नहीं करते; वे चुपचाप हमारे जीवन के हर पहलू पर एक तानाशाही थोप रहे हैं। यह ''एल्गोरिथम की तानाशाही'' हमारे लोकतंत्र, हमारी व्यक्तिगत पसंद और हमारी सामूहिक चेतना के लिए एक गंभीर खतरा है।

एल्गोरिथम की तानाशाही का मूल उसके अदृश्य नियंत्रण में निहित है। सोशल मीडिया फ़ीड में अगली पोस्ट, सर्च इंजन में पहला परिणाम या ओटीटी प्लेटफॉर्म पर अगली फिल्म का सुझाव यह जो हम देखते है वह सब किसी निष्पक्ष चयन पर आधारित नहीं है। यह सब एक अत्यधिक निजीकृत और जटिल गणना का परिणाम है।

इन प्रणालियों का प्राथमिक उद्देश्य उपयोगकर्ता को संतुष्ट करना नहीं, बल्कि उसे प्लेटफॉर्म पर अधिकतम समय तक जोड़े रखना है, ताकि डेटा और विज्ञापन राजस्व को बढ़ाया जा सके। इस प्रक्रिया में, एल्गोरिथम हमें हमारे ही विचारों, पूर्वाठाहों और रुचियों के घेरे में कैद कर देता है, जिसे फ़िल्टर बबल कहा जाता है। हम केवल वही सामग्री देखते हैं जो इस तंत्र को लगता है कि हमें पसंद आएगी जबकि विपरीत विचार या नई जानकारी जानबूझकर या अनजाने में हमसे दूर रखी जाती है। जिसका परिणाम यह होता है कि हमारी दुनिया संकीर्ण हो जाती है। हम उन लोगों और विचारों के प्रति असहिष्णु हो जाते हैं जो हमारे बबल से बाहर है। यह सामाजिक ध्रुवीकरण और वैचारिक विभाजन को बढ़ावा देता है, जिससे एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए आवश्यक खुली बहस की गुंजाइश नहीं बचती और वास्तविक जानकारी हमारे तक नहीं पहुंच पाती। एल्गोरिथम की तानाशाही का सबसे खतरनाक प्रभाव लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं पर पड़ता है। राजनीतिक रूप से संवेदनशील जानकारी या भ्रामक समाचार को वायरल करने की एल्गोरिथम की क्षमता ने आधुनिक चुनाव और जनमत को एक खिलौना बना दिया है।

एल्गोरिथम अक्सर गुस्सा, भय और विभाजन पैदा करने वाली सामठी को प्राथमिकता देते हैं, क्योंकि ऐसी सामग्री पर क्लिक और शेयर सबसे ज़्यादा होते हैं। इस तरह, अतिवादी या कट्टरपंथी विचारों को मुख्यधारा में लाकर, यह तंत्र जाने-अनजाने में लोकतंत्र की नींव को कमजोर कर रहे हैं। मतदाता अब तथ्यों के आधार पर निर्णय नहीं लेते, बल्कि उन भावनाओं के आधार पर लेते हैं जिन्हें एक अदृश्य कोड द्वारा कुशलता से हेरफेर किया गया है। इसके अलावा एल्गोरिथम सरकारों और एजेंसियों के लिए बड़े पैमाने पर निगरानी का एक शक्तिशाली उपकरण बन गया है। हमारे हर क्लिक, हर लाइक और हर खरीदारी को रिकॉर्ड करके, यह तंत्र हमारे व्यवहार, आदतों और कमजोरियों का एक विस्तृत प्रोफाइल बनाते हैं। यह डेटा न केवल विज्ञापन के लिए उपयोग होता है, बल्कि राजनीतिक रूप से संवेदनशील उद्देश्यों के लिए भी उपयोग किया जा सकता है, जिससे नागरिकों की व्यक्तिगत स्वतंत्रता और निजता खतरे में पड़ जाती है।

एल्गोरिथम की तानाशाही सिर्फ हमारी सूचना तक ही सीमित नहीं है, यह श्रम बाज़ार और सामाजिक न्याय को भी प्रभावित कर रही है। गिग इकोनॉमी में, ड्राइवरों और डिलीवरीबॉय को नियंत्रित करने वाले एल्गोरिथम अक्सर अपारदर्शी होते हैं, जिससे श्रमिकों को उनके काम की शर्तों, पारिश्रमिक और मूल्यांकन के बारे में कम या कोई जानकारी नहीं होती। यह एक नया डिजिटल लेबर फ़्यूडल सिस्टम है जहाँ मानव कर्मचारी एक कोड के अधीन हो जाते हैं।

इससे भी गंभीर बात यह है कि एल्गोरिथम, विशेष रूप से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में उपयोग किए जाने वाले, अक्सर अपने प्रशिक्षण डेटा में निहित मानवीय पूर्वाग्रहों को दोहराते हैं। यदि किसी एल्गोरिथम को ऐतिहासिक रूप से एक विशिष्ट लिंग या जाति के लोगों पर लागू किया गया है, तो वह उन पूर्वाग्रहों को सीख लेगा और नौकरी के आवेदनों को छाँटने, ऋण स्वीकृत करने या यहाँ तक कि आपराधिक न्याय प्रणाली में फैसले सुनाने में भी उन्हें दोहराएगा। इस प्रकार, एल्गोरिथम, जिसके निष्पक्ष होने की उम्मीद थी, सामाजिक असमानताओं को और भी गहरा कर देता है।

एल्गोरिथम की तानाशाही कोई विज्ञान-कल्पना की अवधारणा नहीं है, यह हमारी वर्तमान वास्तविकता है। इससे लड़ने के लिए हमें तीन मोर्चों पर काम करने की आवश्यकता है। पहला मोर्चा है जागरूकता का, एक नागरिक के रूप में हमें यह समझना होगा कि हम ऑनलाइन केवल सामग्री के उपभोक्ता नहीं हैं, बल्कि सिस्टम के उत्पाद हैं। हमें हर ऑनलाइन जानकारी को संदेह की दृष्टि से देखते हुए उसका सत्यापन करना होगा और सक्रिय रूप से विविध स्त्रोतों की तलाश करनी होगी। दूसरा मोर्चा विनियमन का है, सरकारों को इन एल्गोरिथम को नियंत्रित करने वाली बड़ी तकनीकी कंपनियों पर पारदर्शिता और जवाबदेही लागू करने के लिए सख्त कानून बनाने होंगे। हमें यह जानने का अधिकार है कि कौन सा कोड हमारे सामाजिक और राजनीतिक जीवन को प्रभावित कर रहा है। डेटा निजता कानून को मजबूत करने और व्यक्तिगत डेटा के व्यावसायिक उपयोग को नियंत्रित करने की आवश्यकता है। तीसरा मोर्चा है एल्गोरिथम का ऑडिट, तकनीकी ऑडिटिंग संस्थाओं का निर्माण किया जाना चाहिए जो यह जाँच सकें कि ए आई और एल्गोरिथम भेदभावपूर्ण या नुकसानदेह पूर्वाठाहों के बिना काम कर रहे हैं। एल्गोरिथम एक उपकरण हैं, और किसी भी उपकरण की तरह, उनका उपयोग अच्छाई या बुराई के लिए किया जा सकता है। वर्तमान में, वे चुपचाप कुछ शक्तिशाली निगमों के एजेंडे को आगे बढ़ा रहे हैं, जो हमारी सामूहिक स्वतंत्रता के लिए खतरा है। अगर हम अपनी डिजिटल नियति को कोड के हाथों में जाने से रोकना चाहते हैं, तो अब समय आ गया है कि हम अपनी डिजिटल नागरिकता को गंभीरता से लें और इस अदृश्य तानाशाही को चुनौती दें। हमारी स्वतंत्रता, अंततः हमारी जागरूकता और एक्शन पर निर्भर करती है।

-सुरेंद्रसिंह शेखावत,
बीकानेर, (लेखक राजनीतिक कार्यकर्ता और स्वतंत्र टिप्पणीकार है)

राशिफल शनिवार 8 नवम्बर, 2025

पंडित अनिल शर्मा

मार्गशीर्ष मास, कृष्ण पक्ष, तृतीया तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2082, मृगशिरा नक्षत्र रात्रि 10:02 तक, शिव योग सायं 6:32 तक, विष्टि करण प्रातः 7:33 तक, चन्द्रमा आज दिन 11:14 से मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-तुला, चन्द्रमा-वृष, मंगल-वृश्चिक, बुध-वृश्चिक, गुरू-कर्क, शुक्र-तुला, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज भद्रा प्रातः 7:33 तक है। आज चतुर्थी तिथि का क्षय हुआ है। आज सौभाग्य सुंदरी व्रत, चतुर्थी व्रत है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः शुभ 8:06 से 9:28 तक, चर 12:11 से 1:32 तक, लाभ-अमृत 1:32 से 4:15 तक।

राहूकालः 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 6:45, सूर्यास्त 5:36 तक

मेष
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा।

धनु
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे।

मकर
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मिथुन
आर्थिक/वित्तीय मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। धन हानि का भय है। दिन के मध्यान्ह पश्चात व्यावसायिक आर्थिक मामलों में प्रगति होगी।

तुला
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। आज शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक सफलता से मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आय में वृद्धि होगी। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है।

कर्क
संभावित धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार होगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात व्यक्तिगत परेशानियों के कारण मन में असंतोष बना रहेगा।

वृश्चिक
अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। दिन के मध्यान्ह पश्चात अष्टम चन्द्र शुभ नहीं है। व्यावसायिक खर्चों में वृद्धि होगी। व्यक्तिगत परेशानियों के कारण मानसिक तनाव रहेगा।

मीन
परिवार में शुभ-मांगलिक संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकत है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान के ऊर्जा क्षेत्र में बढ़ते कदम

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट नवीनीकरण बिजली उत्पादन लक्ष्य में बड़ी भूमिका निभा रहा है राजस्थान

- **सौर शक्ति से आत्मनिर्भरता की राह पर राजस्थान**
- **प्रदेश में आगामी वर्ष तक 11 हजार मेगावाट से अधिक क्षमता के सौर प्रोजेक्ट होंगे स्थापित**

राजस्थान ऊर्जा के क्षेत्र में एक नए स्वर्णिम अध्याय की ओर अग्रसर है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वर्ष 2030 तक देश में 500 गीगावाट नवीनीकरण बिजली उत्पादन के लक्ष्य को प्राप्त करने में राजस्थान को बहुत बड़ी भूमिका निभानी है। इसी को दृष्टिगत रखते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य में सोलर और विंड एनर्जी उत्पादन में बढ़ोतरी को औद्योगिक विकास से सीधा लिंक किया है। कम और प्रतिस्पर्धी कीमत पर बिजली उपलब्धता से उद्योग सेक्टर को बड़ा बूस्ट मिलेगा। मुख्यमंत्री की इसी दूरदृष्टि और ठोस नीति के परिणामस्वरूप आगामी वर्ष तक प्रदेश में 11 हजार मेगावाट से अधिक क्षमता के सौर ऊर्जा प्रोजेक्ट स्थापित किए जाएंगे। इस महत्वाकांक्षी योजना से न केवल राज्य की बिजली जरूरतें पूरी होंगी बल्कि राजस्थान देश के सौर ऊर्जा हब के रूप में अपनी स्थिति और सशक्त करेगा।

भविष्य की दिशा : हर घर और खेत तक ऊर्जा

राज्य में डिस्कॉम्स द्वारा भविष्य को ध्यान में रखते हुए कई महत्त्वपूर्ण कार्य योजनाएं लागू की जा रही हैं। प्रधानमंत्री कुसुम योजना के तहत अगले वर्ष तक 11 हजार मेगावाट क्षमता की सौर परियोजनाओं की स्थापना की जाएगी। इन परियोजनाओं से किसानों को दिन के समय में बिजली की सुविधा सुनिश्चित होगी और कृषि क्षेत्र में उत्पादकता बढ़ेगी। आर.डी.एस.एस. योजना के अंतर्गत प्रदेश में विद्युत वितरण तंत्र को और अधिक सशक्त बनाने का कार्य किया जा रहा है। इसके तहत 33 केवी के 63 नए सब-स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। साथ ही 33 केवी स्तर के 317 फीडरों और 11 केवी स्तर के 3744 फीडरों का विभाजन किया जाएगा। 11 केवी के 1300 कृषि एवं गैर-कृषि फीडरों का पृथक्करण और 27,963 किलोमीटर लंबी एलटी केबल बिछाने का कार्य भी किया जाएगा। इसके अतिरिक्त जिन 33/11 केवी सबस्टेशनों पर कुसुम योजना के घटक 'ए' एवं 'सी' के अंतर्गत संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं, वहां स्थापित संयंत्र की क्षमता के आधार पर प्राथमिकता से नए कृषि कनेक्शन जारी किए जाएंगे। सरकार का लक्ष्य है कि वर्ष 2027 तक राज्य के सभी जिलों में दिन के समय किसानों को बिजली उपलब्ध कराई जा सके।

बिजली वितरण का मजबूत तंत्र :- राज्य सरकार के वर्तमान कार्यकाल में विद्युत वितरण निगमों ने उल्लेखनीय उपलब्धियां दर्ज की हैं। राजस्थान में तीनों डिस्कॉम्स जयपुर, जोधपुर और अजमेर ने संयुक्त रूप से विद्युत वितरण व्यवस्था को तकनीकी रूप से सुदृढ़ बनाने की दिशा में ठोस कदम बढ़ाए हैं।

अब तक राज्य की सर्वकालिक अधिकतम विद्युत मांग 19,165 मेगावाट दर्ज की गई, जिसे बिना किसी विद्युत कटौती के पूरा किया गया। यह उपलब्धि राजस्थान को ऊर्जा प्रबंधन के क्षेत्र में अग्रणी राज्य के रूप में स्थापित करती है। तीनों डिस्कॉम्स में यूनिफाइड ऑनलाइन बिलिंग सिस्टम लागू किया गया है, जिससे उपभोक्ताओं को पारदर्शी और एकीकृत सेवाएं मिल रही हैं। सरकार के इस कार्यकाल में सितम्बर माह तक 8,76,036 घरेलू विद्युत कनेक्शन और 1 नवम्बर 2025 तक 1,83,570 कृषि कनेक्शन जारी किए जा चुके हैं। इसी अवधि में 33 केवी के 327 सब-स्टेशन स्थापित किए गए हैं, जिससे ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में आपूर्ति की गुणवत्ता बेहतर हुई है। राजस्थान में सौर ऊर्जा उत्पादन को गति देने के लिए पीएम-कुसुम योजना के अंतर्गत अब तक 2077 मेगावाट की क्षमता की 914 सौर परियोजनाएँ स्थापित की जा चुकी हैं। इनसे लगभग 1,35,000 किसान लाभान्वित हो रहे हैं। प्रधानमंत्री मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत अक्टूबर माह तक 95,727 रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं, जिनसे 392 मेगावाट सौर ऊर्जा क्षमता का उत्पादन हो रहा है।

राजस्थान का ऊर्जा तंत्र अब केवल वितरण तक सीमित नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। सौर ऊर्जा उत्पादन, वितरण तंत्र का आधुनिकीकरण और किसानों के हित में योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से प्रदेश आने वाले वर्षों में स्वच्छ, सतत और सशक्त ऊर्जा राज्य के रूप में उभरेगा।

आशीष जैन, सहायक निदेशक (जनसम्पर्क)।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 20 संख्याः 211 प्रभात जालोर, शनिवार, 8 नवम्बर, 2025 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

'उन्नीस सौ सैंतीस में राष्ट्रीय गान के चार छंद हटवाकर पं. नेहरू ने देश के विभाजन का बीज बोया था'

प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रीय गान वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगाँठ पर आयोजित समारोह में सार्वजनिक मंच से पं. नेहरू पर यह आरोप लगाया

- मोदी ने इस अवसर पर राष्ट्रीय गान के छंदों को पढ़कर सुनाया और कहा, कांग्रेस ने केवल प्रथम दो छंदों को स्वीकार करके राष्ट्रीय गान का स्वरूप दिया और चार छंद इतिहास में दफन हो गए।
- इस संदर्भ में भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सी.आर. केशवन ने 1937 का वह पत्र भी पेश किया जो नेहरू ने सुभाष चन्द्र बोस को लिखा था।
- उस पत्र में नेहरू जी ने लिखा था कि बाकी छंदों से मुसलमानों को आपत्ति हो सकती है।
- जैसा कि विदित ही है, चार छंदों में देश को दुर्गा, लक्ष्मी व सरस्वती का स्वरूप बताया गया है।
- केशवन के अनुसार, नेहरू जी के विचार एक ऐतिहासिक भूल थी, क्योंकि इससे देशभक्ति पूर्ण गान का राष्ट्रीय प्रतीक कमज़ोर हुआ।
- यहाँ यह भी उल्लेखनीय है कि अब तक के बिहार के चुनाव प्रचार में भाजपा ने हिन्दुत्व को केवल पृष्ठभूमि में ही रखा था। पर, दूसरे चरण में सीमांचल जिलों में मतदान होगा, जो मुस्लिम प्रभाव की सीटें हैं। सवाल यह उठ रहा है कि क्या सीमांचल क्षेत्र में मतदान से पूर्व वंदे मातरम् को विवाद के रूप में प्रस्तुत करके भाजपा अपना हिंदू वोट बैंक पक्का कर रही है।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 नवम्बर। बिहार में दूसरे चरण के मतदान से पहले, जिसमें मुस्लिम बहुल सीमांचल जिले शामिल हैं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ''वंदे मातरम्'' विवाद को दोबारा छेड़ दिया है। उन्होंने 1937 में इस गीत से कुछ महत्वपूर्ण स्टैन्ज़ा हटाने के लिये, कांग्रेस, और विशेष रूप से पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू, की कड़ी आलोचना की है।

योगी आदित्यनाथ और गिरिराज सिंह जैसे कुछ नेताओं की इक्का-दुक्का टिप्पणियों को छोड़ दें, तो इस बार के बिहार चुनाव में भाजपा ने हिंदुत्व का मुद्दा नहीं उठाया है। चुनाव में बेरोजगारी, पलायन और विकास की कमी जैसे मुद्दे छाए रहे हैं। लेकिन मोदी ने वंदे मातरम् के मुद्दे को उठाकर हिंदू वोट बैंक को एकजुट करने की कोशिश की है।

राष्ट्रीय गीत की 150वीं वर्षगांठ के वर्षभर चलने वाले उत्सव का उद्घाटन करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने गीत के अहम पदों को हटाकर विभाजन के बीज बोए थे। इस अवसर पर, उन्होंने पूरे गीत का पाठ भी किया।

छह पदों के इस गीत ने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान जनता को एकजुट करने में बड़ी भूमिका निभाई थी। लेकिन इसके केवल पहले दो पदों को ही राष्ट्रीय गीत के रूप में स्वीकार किया गया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पूर्व विधायक मलिंगा के खिलाफ सुनवाई जयपुर में ही होगी

- सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान हाई कोर्ट के केस जयपुर ट्रॉंसफर करने के निर्णय को बरकरार रखा।

जयपुर, 7 नवंबर। सुप्रीम कोर्ट ने बिजली कंपनी के एईएन से मारपीट के मामले में पूर्व विधायक गिर्राज सिंह मलिंगा के खिलाफ धौलपुर की अदालत में चल रही सुनवाई को जयपुर की एससी, एसटी कोर्ट में ट्रांसफर करने के राजस्थान हाईकोर्ट के आदेश में दखल से इनकार कर दिया है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में दायर अपील को भी खारिज कर दिया है। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश गिर्राज सिंह मलिंगा की अपील को खारिज करते हुए दिए। अपील में राजस्थान हाईकोर्ट के गत जुलाई माह के आदेश को चुनौती दी गई थी।

अपील में कहा गया कि हाईकोर्ट की एकलपीठ ने केस को गलत तरीके से दूसरे जिले में ट्रांसफर किया है। इसके अलावा शिकायतकर्ता के परिजन वकील हैं और जयपुर में प्रैक्टिस करते हैं। ऐसे में वे सुनवाई में व्यवधान डालते हैं। इसलिए मामले को वापस धौलपुर या भरतपुर कोर्ट में शिफ्ट किया जाए। पीड़ित हर्षाधिपति की ओर से कहा गया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'छठ पूजा के अवसर पर घर लौटे बिहारी चुनाव का अबूझ रहस्यमय पहलू हैं'

ये प्रवासी बिहारी मतदान तक वापस नहीं लौटे और उन्होंने जमकर वोटिंग की, ऐसा प्रशांत किशोर का मानना है

- प्रशांत किशोर का यह भी कहना है कि मतदान प्रतिशत में जो ऐतिहासिक वृद्धि हुई है, उसका कारण भी इन्हीं प्रवासियों का वोट है।
- प्रशांत किशोर का यह भी दावा है कि उनकी जन सुराज पार्टी ने इन प्रवासी बिहारियों की सोच पर बहुत प्रभाव डाला है।
- जैसा कि इन बिहारी प्रवासियों के विभिन्न ओपिनियन पोल सर्वे से स्पष्ट नज़र आया।
- प्रशांत किशोर ने यह भी पुरजोर ढंग से कहा कि बिहारियों में परिवर्तन की भारी और गहरी चाहत है और वे गत तीस साल से राजनीतिक दलदल में फंस गए थे और निकलने क लिए छटपटा रहे थे।
- अब उनकी पार्टी एक राजनीति विकल्प के रूप में सामने आई है और बिहारियों में आशा की किरण जगी है। यह भी अभूतपूर्व मतदान का एक कारण है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 नवम्बर। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने शुक्रवार को कहा कि छठ पर्व के लिए बिहार लौटे वे प्रवासी, जो अब तक अपने काम की जगहों पर वापस नहीं गए हैं, विधानसभा चुनावों में ''एक्स फैक्टर'' साबित हो सकते हैं।

पूर्व राजनीतिक रणनीतिकार, जिनकी नई पार्टी को, विभिन्न सर्वेक्षणों और जनमत संग्रहों के अनुसार, ''प्रवासियों'' के बीच काफी समर्थन मिल रहा है, ने यह दावा पहले चरण के मतदान के बाद किया, जिसमें रिकॉर्ड 64.66 प्रतिशत मतदान हुआ।

किशोर ने कहा, ''स्वतंत्रता के बाद से अब तक का सबसे अधिक मतदान यही साबित करता है कि बिहार में बदलाव की बहुत ही जबरदस्त इच्छा है। यहाँ के लोग लगभग 30 साल से एक राजनीतिक जड़ता में फंसे हुए हैं।''

उन्होंने कहा कि अब लोगों को एक नई उम्मीद की झलक दिख रही है, क्योंकि उनकी एक साल पुरानी पार्टी एक व्यवहारिक और मजबूत विकल्प के रूप में उभरी है।

साल 2005 से सत्ता में रहे एनडीए की आलोचना करते हुए जन सुराज पार्टी के संस्थापक ने कहा, ''इन लोगों को लगा था कि वे महिलाओं को कुछ खैरात और रियायतें देकर चुनाव जीत सकते हैं। हाँ, महिलाएं बड़ी संख्या में वोट देने आईं, लेकिन इस चुनाव में असली ''एक्स फैक्टर'' प्रवासी ही हैं।''

चीन के युद्ध पोतों की संख्या अमेरिकी नौसैनिक पोतों से 20 प्रतिशत ज्यादा हो चुकी है

और हाल ही में चीन ने अपने नवीनतम एयरक्राफ्ट कैरियर ''फुजियान'' को नौसेना में शामिल किया, जो तकनीकी दृष्टि से भी कमज़ोर नहीं है और उसके नौसैनिक जहाज अमेरिका के नौसैनिक जहाजों से आगे निकल रहे हैं

- यह स्थिति अमेरिका के लिए चुनौतीपूर्ण तो है ही, पर, भारत के लिए भी चिंता का विषय है।
- चीन के नौसैनिक जहाज हिंद महासागर में आए दिन अतिक्रमण और घुसपैठ करते रहे हैं और कभी भी आमने-सामने की स्थिति बन सकती है।
- वैसे भी चीन साउथ चाइना सी को अपना प्ले ग्राउण्ड मानता रहा है।
- फिलीपींस, इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और वियतनाम, चीन की इस दादागिरी से काफी त्रसित हैं। पर, विरोध करने की स्थिति में नहीं हैं, लगभग ऐसी ही स्थिति भारत की हिंद महासागर के संदर्भ में है।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 नवम्बर। चीन ने इस सप्ताह अपने नवीनतम विमानवाहक पोत ''फुजियान'' को नौसेना में शामिल कर लिया, जिससे यह बात एक बार फिर साबित हो गई है कि जहाजों की संख्या के लिहाज़ से चीन अब दुनिया की सबसे बड़ी समुद्री नौसेना है।

फुजियान विमानवाहक पोत आकार और क्षमता दोनों में अमेरिकी नौसेना के सबसे बड़े पोतों के बराबर है। इसे पूरी तरह चीन में ही एक घरेलू शिपयार्ड में तैयार किया गया है। इसमें एक विशेष विमान लिफ्ट प्रणाली (एयरक्राफ्ट लिफ्ट सिस्टम) लगाई गई है, जो इसके विमानों को हथियारों और ईंधन के अधिक भार के साथ आसानी से उड़ान भरने में सक्षम बनाती है।

''इलेक्ट्रोमैग्नेटिक कैटापल्ट'' नामक यह विशेष विमान

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजकॉम्प में करोड़ों के फर्जीवाड़े पर हाई कोर्ट ने जवाब मांगा

- अदालत ने कार्मिक सचिव, आईटी सचिव तथा एसीबी डीजी से जवाब तलब किया है।

जयपुर, 7 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने राजकॉम्प के लीगल मेट्रोलॉजी एवं ईपीडीएस प्रोजेक्ट में करोड़ों रुपए के फर्जीवाड़े के मामले में कार्मिक सचिव, आईटी सचिव और एसीबी डीजी से जवाब मांगा है। जस्टिस आनंद शर्मा की एकलपीठ ने यह आदेश पब्लिक अगेंस्ट करप्शन की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता पीसी भंडारी ने अदालत को बताया कि राजकॉम्प के लीगल मेट्रोलॉजी एंड ईपीडीएस प्रोजेक्ट में दो लोगों को साल 2020 तक करीब तीन लाख रुपए प्रतिमाह के आधार पर नियुक्त किया गया। जिसे बार-बार कांट छांट कर 2022 तक बढ़ा या गया। इसी तरह ईपीडीएस प्रोजेक्ट में पोस मशीन की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अधिकतर देश के इकॉनमिस्ट एसबीआई के अध्यक्ष शेट्टी के आंकलन से सहमत हैं

शेट्टी का मानना है कि आंकड़ों की दृष्टि से भारत की जीडीपी आदि का मापदंड कुछ ज्यादा ही आशाजनक तस्वीर पेश करते हैं

- इन अर्थशास्त्रियों के अनुसार, भारत की इकॉनमी की हालत ठीक तो है, पर, सिस्टम में काफी आंतरिक कमज़ोरियाँ भी हैं, जिनसे सावधान रहना जरूरी है।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 नवंबर। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) की दूसरी तिमाही के नतीजों की घोषणा के बाद बोलते हुए चेयरमैन सी.एस. शेट्टी ने भारत की अर्थव्यवस्था के भविष्य को लेकर सतर्क आशावाद जताया। उन्होंने एक ऐसे देश की तस्वीर पेश की, जो वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भी लचीला और मजबूत बना हुआ है। लेकिन इस आत्मविश्वास के पीछे एक जटिल सच्चाई भी छिपी है, जो यह संकेत देती है कि भारत की वृद्धि भले ही मजबूत दिख रही हो, पर वह अभी पूरी तरह सुरक्षित नहीं है।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के अनुसार, वर्ष 2025 में ग्लोबल जीडीपी वृद्धि लगभग 3.2 प्रतिशत रहने का अनुमान है। इसके मुकाबले, भारत की जीडीपी के वित्त वर्ष 2025-26 में 6.8 प्रतिशत और 2026-27 में 6.6 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है, जिससे भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा। शेट्टी ने इसका श्रेय मजबूत निवेश, ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सुधार और बढ़ती खपत को दिया। आंकड़े उत्साहजनक हैं, लेकिन कुछ विश्लेषक चेतावनी देते हैं कि इनके पीछे कई गहरी कमजोरियां छिपी हैं, जैसे कि ऋण और जमा राशि की वृद्धि में बढ़ता अंतर, लगातार बनी हुई महंगाई और अलग-अलग क्षेत्रों में असमान सुधार।

शेट्टी ने बताया कि अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों में ऋण वृद्धि 11.5 प्रतिशत है, जबकि जमा वृद्धि केवल 9.5 प्रतिशत पर अटकी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि अगले वित्त वर्ष में दोनों 11 से 12 प्रतिशत के आसपास स्थिर हो जाएंगे। हालांकि, यह आशावाद अतिशयोक्तिपूर्ण हो सकता है। लेकिन अर्थशास्त्री आगाह करते हैं कि जमा वृद्धि में धीमी वृद्धि परिवारों की कमजोर वित्तीय स्थिति और घटती बचत को दिखाती है, क्योंकि बढ़ती महंगाई से लोगों की वास्तविक आय घट रही है। अगर यह स्थिति जारी रही, तो बैंकों के लिए कर्ज देने की क्षमता सीमित हो जाएगी, जिससे उन्हें थोक उधारी या ऊंची ब्याज दरों पर निर्भर होना पड़ेगा, जो उनके मुनाफे पर दबाव डालेगा।

नोमुरा की मुख्य अर्थशास्त्री सोनल वर्मा के अनुसार, ''लोग अब अपनी बचत का इस्तेमाल रोजमर्रा की खपत के लिए करने लगे हैं। यह दीर्घकालिक वृद्धि का टिकाऊ आधार नहीं है।''

इसके अलावा, घरेलू मांग भले ही कागज़ों पर मजबूत दिख रही हो, पर उसका बड़ा हिस्सा अमीर तबके की खपत से आ रहा है। शहरी इलाकों में गाड़ियों, मकानों और उपभोक्ता वस्तुओं की खरीद बढ़ी है, लेकिन ग्रामीण खपत, जो असली आर्थिक सुधार का पैमाना मानी जाती है, अब भी कमजोर है। अनियमित मानसून, ठहरी हुई ग्रामीण मजदूरी और कृषि आय में कमी ने ग्रामीण मांग को दबा दिया है। इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च के मुख्य अर्थशास्त्री देवेंद्र पंत ने कहा, ''ग्रामीण क्षेत्रों में सुधार की बात शायद अभी जल्दबाजी होगी। हम कुछ क्षेत्रों में सुधार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शराबी डम्पर चालक की पैरवी से वकीलों का इन्कार

- शराब के नशे में धुत्त डम्पर चालक ने 14 लोगों को कुचल दिया था।

जयपुर, 7 नवंबर। हरमाड़ा थाना इलाके में शराब के नशे में धुत्त होकर 14 लोगों को मौत के घाट उतारने वाले डंपर चालक कल्याण मीणा को चौमूं के अपर सिविल न्यायाधीश एवं महानगर मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया। जहां से न्यायालय ने उसे 15 दिन की न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। इस भीषण हादसे को देखते हुए वकीलों ने डंपर चालक कल्याण मीणा की पैरवी करने से इंकार कर दिया। न्यायालय ने आरोपी कल्याण मीणा को पेश करने के साथ ही पुलिस को इस मामले में गंभीर धाराओं के तहत अनुसंधान करने के आदेश दिए। कोर्ट की कार्यवाही के दौरान सरकार की ओर से अभियोजन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

फीफा ट्रंप को शांति पुरुस्कार देने की तैयारी में है

फीफा के अध्यक्ष जियानी इन्फैंटीनो, ट्रंप के नज़दीकी समर्थक हैं और 2026 में फीफा कप के आयोजन के लिए अमेरिका की निविदा के प्रबल समर्थक हैं

- अतः इन्फैंटिनो द्वारा पाँच दिसम्बर को वॉशिंगटन में निविदाओं पर अंतिम निर्णय लिया जायेगा।
- इन्फैंटिनो इस मौके को ट्रंप को उपकारित करने का अच्छा अवसर मानते हैं। फीफा पीस प्राइस दे कर।
- ट्रंप को भी इस ''सम्मान'' से राजनीतिक लाभ मिलने की अपेक्षा है, क्योंकि वॉशिंगटन के कैनेडी सैंटर में ट्रंप को इस सम्मान से नवाजा जा सकता है।
- पर, अहं सवाल यह है कि फीफा शांति पुरुस्कार की नोबेल पीस प्राइस से तुलना होगी ही और फीफा सम्मान बहुत फीका नज़र आयेगा, नोबल पीस प्राइस के समक्ष।
- नोबल पीस प्राइस 1895 से दिया जा रहा है और वह राजनीति से अपने आप को अछूता रखता है। दूसरी ओर फीफा विवादित स्पॉन्सरशिप व कॉमर्शियल राईट्स से सदा से ग्रसित रहा है।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 नवम्बर। जब इस हफ्ते फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फैंटिनो से पूछा गया कि क्या डॉनल्ड ट्रम्प को नया फीफा शांति पुरस्कार मिलेगा, तो उन्होंने मुस्कराते हुए कहा, 5 दिसंबर को आप देख लेंगे। इस एक वाक्य ने वाशिंगटन डी.सी. में होने वाले विश्व कप ड्रॉ से पहले तरह-तरह के कयासों का तूफान खड़ा कर दिया है, जहां यह पहला पुरस्कार दिया जाएगा।

इसके बाद जो सवाल उठता है, वह यह है कि नोबल शांति पुरस्कार की तुलना में फीफा शांति पुरस्कार की अहमियत क्या होगी।

नोबेल शांति पुरस्कार, जिसे 1895 में अल्फ्रेड नोबेल ने स्थापित किया था, लंबे समय से दुनिया के नैतिक दिशासूचक के रूप में जाना जाता है। नॉर्वेजियन संसद के अधीन एक स्वतंत्र समिति द्वारा संचालित इस पुरस्कार ने नेल्सन मंडेला और मलाला यूसुफ़ज़ई से लेकर संयुक्त राष्ट्र के विश्व खाद्य कार्यक्रम तक, कई बार, इतिहास को आकार दिया है। भले ही यह कभी-कभी विवादास्पद रहा हो, जैसे बराक ओबामा को 2009 में या 1994 में यासिर अराफात और राबिन को दिये गये पुरस्कार, लेकिन नोबेल पुरस्कार की साख इसकी स्वतंत्रता और नैतिक उद्देश्य से उपजी है।

इसके विपरीत, फीफा का नया शांति पुरस्कार एक ऐसे खेल संगठन की पहल है, जो अपनी अंतरात्मा की आवाज से ज्यादा अरबों डॉलर की स्पॉन्सरशिप और भ्रष्टाचार घोटालों के लिये जाना जाता है। ''फुटबॉल यूनाइट्स द वर्ल्ड'' नामक यह पुरस्कार ''शांति के लिए असाधारण कार्यों'' का सम्मान करने का दावा करता है। लेकिन इसमें न तो नामांकन की कोई स्पष्ट प्रक्रिया है, न ही जूरी की जानकारी सार्वजनिक की गई है, इसलिए इसकी विश्वसनीयता पूरी तरह फीफा के शब्दों पर टिकी है।

अगर यह पुरस्कार ट्रम्प को दिया गया, तो इसे एक राजनीति नाटक के रुप में देखा जाएगा। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प, इन्फेंटिनो के घनिष्ठ सहयोगी रहे हैं और 2026 विश्व कप की संयुक्त मेज़बानी (अमेरिका, कैनडा और मेक्सिको) के प्रबल समर्थक भी रहे हैं। ऐसे में ''शांति'' के नाम पर दिया गया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आरएएस का बंद लिफाफा खोल परिणाम जारी करें

- अपीलीय अधिकरण ने कहा कि ऐसा प्रमोशन एसीबी कोर्ट के फैसले के अधीन रहेगा।

जयपुर, 7 नवंबर। राजस्थान सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण ने राज्य सरकार को आदेश दिए हैं कि वह आरएएस हायर सुपर टाइम स्केल में साल 2021-2022 की रिक्ति के विरुद्ध राजस्व मंडल के पूर्व सदस्य भंवरलाल मेहरडा की पदोन्नति के परिणाम का बंद लिफाफा खोलकर परिणाम जारी करे। यदि वह योग्य पाया जाता है तो उसे उस तिथि से पदोन्नत किया जाए, जिस तिथि से उसके जूनियर अफसरों को प्रमोशन मिला है। अधिकरण ने स्पष्ट किया है कि यह पदोन्नति एसीबी कोर्ट में लंबित प्रकरण के फैसले के अधीन रहेगी। अधिकरण ने यह आदेश भंवरलाल मेहरडा की अपील पर सुनवाई करते हुए दिए।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सार-समाचार

नीलकंठ महादेव मंदिर में कथा हुई

भीनमाल, (निसं)। जालोर जिले की ऐतिहासिक नगरी भीनमाल में आदर्श विद्या मंदिर के तत्वावधान में नीलकंठ महादेव मंदिर में पांच दिवसीय राम कथा की शुक्रवार को हजारों श्रद्धालुओं की जन भेदनी के बीच पूर्णाहुति हुई। पांचवें दिन की समर्थ शिशु राम कथा में व्यास पीठ से बोलते हुए कहा कि बुद्धि की शिक्षा अर्थात लौकिक शिक्षा से पहले मन की शिक्षा देनी चाहिए और मन की शिक्षा की दृष्टि केवल भारतीय मनीषा में ही है, हमारे दर्शन में है, संस्कृति में है। मन का अंग्रेजी में तो कोई पर्यायवाची भी नहीं है। बुद्धि की शिक्षा तो केवल जीवन जीने के लिए हो सकती है, जीवन को सार्थक करने के लिए नहीं। उन्होंने कहा कि अपनी संतानों को मन बडा करने की हमेशा शिक्षा देना चाहिए। मन छोटा होगा तो जीवन कुरुक्षेत्र बन जायेगा और मन बडा होगा तो राम की अयोध्या बन जाएगा। उन्होंने माताओं को सीख दी कि अपनी संतानों को थाली में भले ही मिङ्गाई, नमकीन या घी नहीं परोस पाए लेकिन अपने बालकों के मन में अमृत जरूर परोसना। जहर घोलने से बचना और बचाना। यह कार्य बुद्धि की शिक्षा नहीं कर सकती। कथा में भीनमाल विधायक डॉ समरजीत सिंह, रानीवाडा के पूर्व विधायक नारायणसिंह देवल , भाजपा जिला अध्यक्ष जसराज राजपुरोहित, भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष श्रवण सिंह बोरली, नारिंगराम पटेल, जयरूप राम माली, डिस्कॉम के अभियंता भरत देवडा, एडवोकेट सत्यनारायण विश्नोई , केराराम चौधरी आदि ने महाआरती में भाग लिया और व्यास पीठ से आशीर्वाद प्राप्त किया। कथा पूर्णाहुति के अवसर पर आदर्श विद्या मंदिर की ओर से प्रांतीय संरक्षक डॉ श्रवण कुमार मोदी, संयोजक भंवर कानूनगो, जिला व्यवस्थापक जानकी प्रसाद गुप्ता तथा विद्या मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने कथावाचक श्याम मनावत, हुकमीचंद, राम बाबू राव, अंकित भावसार, गोविंद राव, प्रांत शिशु वाटिका प्रमुख राज कुमार, एवं कथा सहयोगियों का सम्मान किया। संचालन हनुमान प्रसाद दवे ने किया।

मोपेड व पांच जगहों से बाइक चुराई

जोधपुर, (कासं)। शहर में सक्रिय वाहन चोरों ने अलग अलग स्थानों से मोपेड और पांच स्थानों से बाइक को चुराया। संबंधित थानों में मालिक की तरफ से केस दर्ज कराए गए। सरदारपुरा पुलिस ने बताया कि पाश्र्वनाथ सिटी, सांगरिया पाल बाइपास रोड निवासी जयप्रकाश हरवानी ने रिपोर्ट दी कि 6 नवंबर की दोपहर के समय वह तारघर आया था, जहां पर खड़ी की उसकी स्कूटी को अज्ञात वाहन चोर चुराकर ले गया। इसी तरह सरदारपुरा थाने में दी रिपोर्ट में प्रतापनगर पोस्ट ऑफिस के सामने रहने वाले ओमप्रकाश माहेश्वरी ने पुलिस को बताया कि 5 नवंबर की शाम के समय वह सहकारी बाजार आया था। जहां से उसकी बाइक चोरी हो गई। इधर महामंदिर थाने में दी रिपोर्ट में खेड़ापा के सेवकीकलां हाल बासनी लाछा निवासी सुंदरराम मेघवाल ने पुलिस को बताया कि 5 नवंबर को वह पावटा बी रोड पर आया हुआ था जहां से उसकी बाइक चोरी हो गई। जबकि बासनी पुलिस ने बताया कि पशु चिकित्सालय के सामने मगरा पूंजला निवासी प्रधुमन माली 6 नवंबर की सुबह वह एम्स अस्पताल आया था, जहां पर गेट नम्बर 3 के बाहर से उसकी बाइक चोरी हो गई। एयरपोर्ट थाने में दी रिपोर्ट में शंखेश्वर नगर उचियारड़ा निवासी दौलतराम पुत्र गंगाराम जाट ने पुलिस को बताया कि फिटकासनी पुल के पास किराणा की दुकान के बाहर रखी उसकी बाइक को अज्ञात वाहन चोर चुराकर ले गया। इधर कुड़ी भगतासनी हाऊसिंग बोर्ड निवासी लक्ष्मण सिंह रावत की बाइक उसके घर से बाहर से चोरी हो गई। इस बारे में कुड़ी थाने में रिपोर्ट दी।

गुजरात के मुख्यमंत्री पटेल का स्वागत

रेवदर,(निसं)। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के आबूरोड आगमन पर शुक्रवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। भाजपा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष विजय गोठवाल ने बताया कि आज गुजरात के मुख्यमंत्री का भाजपा कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने हैलीपैड पर स्वागत एवं सत्कार किया। इस दौरान पूर्व विधायक जगसीराम जी कोली,जिला उपाध्यक्ष प्रकाश रावल,मंडल अध्यक्ष मनीष सिंघल,जिला मीडिया प्रभारी गणपत सिंह,पूर्व मण्डल अध्यक्ष मनीष परसाई,युवा मोर्चा अध्यक्ष दिपेश अग्रवाल,मंडल उपाध्यक्ष प्रेम सिंह,मुकेश मोदी,पार्षद एवम पूर्व महामंत्री राधेश्याम शाक्य,मंडल मंत्री देवेंद्र निगम,सुमन कोली,ओबीसी जिला मंत्री दुर्गेश राव आदि उपस्थित रहे। पूर्व मण्डल अध्यक्ष मनीष परसाई ने बताया कि मुख्यमंत्री जी अंबाजी पहुंचने पर गुजरात के प्रसिद्ध मंदिर मा अम्बे के दरबार में पूजा-अर्चना करेंगे और देवी के दर्शन के पश्चात दोपहर 1.30 बजे वापस मानपुर हवाई पट्टी पर लौटेंगे। इसके बाद वे अहमदाबाद के लिए प्रस्थान करेंगे। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल शुक्रवार को अंबाजी से 'जनजातीय गौरव यात्रा' का शुभारंभ करेंगे। 7 से 13 नवंबर तक अंबाजी से एकता नगर तथा उमरगाम से एकता नगर रूट पर यात्रा भ्रमण करेगी। 14 आदिजाति जिलों सहित राज्यभर में जन जागृति तथा आदिजाति गौरव के संदेश के साथ जनजातीय गौरव यात्रा का आयोजन किया जा रहा है।

फ्री में झूले नहीं खिलाने पर मारपीट

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकट अरना झरना स्थल पर रहे मेले में कुछ लोगों को फ्री में झूले नहीं खिलाने की बात पर विवाद हो गया। बदमाशों ने झूला संचालक भाईयों से मारपीट की जिससे वे चोटिल हो गए। आरोपियों ने उन्हें जान की धमकी भी दी। इस बारे में राजीव गांधी नगर थाने में नामजद रिपोर्ट दी गई है। राजीव गांधी नगर थाने में मोकलावास निवासी कमलेश पुरी ने रिपोर्ट दी। इसमें पुलिस को बताया कि अरना झरना में इन दिनों मेले का आयोजन चल रहा है। वह और उसका भाई यहां पर झूले लगाकर बैठे है। 6 नवंबर की सुबह के समय चन्द्रप्रकाश, विनोद जोशी, विनोद मेघवाल, वीजू, खुशाल, भागीरथ, मनोज, दीपक जोशी, अनिल आदि आए। इन लोगों ने फ्री में झूले खिलाने की बात कही। मना किए जाने पर इन लोगों ने मारपीट करनी शुरू कर दी। एक बार मामला शांत होने के बाद यह फिर लाठी, सरिया आदि लेकर वहां पहुंचे। जहां फिर से मारपीट करते हुए हमला किया। बीच बचाव में आया उसका भाई विशाल जख्मी हो गया। पीड़ित का कहना है कि उसके पास में कलेक्शन के कुछ रूपए बैग में थे जोकि आरोपी छीन कर ले गए। राजीव गांधी नगर पुलिस ने नामजद आरोपियों की अब तलाश आरंभ की है।

मेंटिनेंस के चलते दो दिन बिजली बंद

जालोर, (का.सं.)। 132 केवी जीएसएस जालोर पर जंपरिंग और मेंटिनेंस कार्य किए जाने के कारण शनिवार व रविवार (8 और 9 नवम्बर 2025) को सुबह8:30 बजे से 11:00 बजे तक132 केवी सब स्टेशन से निकलने वाली सभी 33 केवी लाइनों कीविद्युत सप्लाई बंद रहेगी। इस दौरान33/11 केवी सब स्टेशन जालोर शहर, सूरजपोल, नर्मदा, रिको द्वितीय चरण, रिको तृतीय चरण, लेटा गोदन, बादनवाड़ी और देवावासकी सप्लाई बाधित रहेगी। साथ ही इन सब स्टेशनों से जुड़ी कॉलोनियां व ग्राम -तासखाना बावड़ी, धवला रोड, भीनमाल बाईपास, सूरजपोल, ऊपर कोटा, प्रताप चौक, सामतीपुरा रोड, बड़ी पोल, शिवाजी नगर, पुलिस लाइन, हॉस्पिटल रोड, हरदेव जोशी सर्किल, बिशनगढ़ रोड, केशवना रोड, गाड़ीजी, रिको एरिया, गोदन, देवावास, बादनवाड़ी, कानीवाड़ा, ऊन, बोकड़ाआदि क्षेत्रों में भी बिजली आपूर्ति ठप रहेगी। विद्युत विभाग ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे आवश्यक कार्य पहले ही निपटा लें और निर्धारित समय के दौरान सहयोग बनाए रखें।

ट्रक पलटा, मुर्गियों की दबने से मौत

जोधपुर, (कासं)। आऊ कस्बे के नागौर चौराहे पर शुक्रवार सुबह करीब सात बजे एक बेकाबू ट्रक ने सडक़ किनारे खड़े एक वाहन को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद मुर्गियों से भरा ट्रक पलट गया, जिससे सैकड़ों मुर्गियां दबकर मर गईं। ट्रक नागौर की ओर से फलोदी जा रहा था। ट्रक में कुल तीन लोग सवार थे। वहीं, सडक़ किनारे खड़ा वाहन, जिसमें दो लोग सवार थे, उसके चालक चाय पीने के लिए रुके थे। टक्कर इतनी भीषण थी कि सडक़ किनारे खड़ा वाहन एक दुकान से टकराकर रुका। हादसे में दोनों वाहन बुरी तरह क्षितठास्त हो गए। ट्रक पलटने से उसमें भरी सैकड़ों मुर्गियां मौके पर ही दम तोड़ गईं। हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जमा हो गई।

शव हिन्दू सेवा मंडल को सौंपा

जोधपुर, (कासं)। शहर के सरदारपुरा थानान्तर्गत तारघर के निकट पंद्रह दिन पहले अज्ञात का शव मिला था। उसकी पहचान नहीं होने पर पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाने के बाद हिन्दू सेवा मंडल को सुपुर्द किया। सरदारपुरा पुलिस ने पुलिस को बताया कि गत 23 अक्टूबर की रात्रि के समय तारघर के पास एक अज्ञात व्यक्ति की लाश पड़ी मिलने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और बाद मौका कार्रवाई उसको एमजीएच लेकर गई। बाद में शव को एमजीएच मोर्चरी रखवाया गया। अब तक उसकी पहचान नहीं हो पाई। अब शव को कार्रवाई उपरांत हिन्दू सेवा मंडल के सुपुर्द किया गया।

युवा लौह पुरूष की तरह मजबूत बने व उनसे प्रेरणा लें : कुमावत

पाली में कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने सरदार पटेल की 150 वीं जयंती पर आयोजित एकता मार्च पदयात्रा में शिरकत की। फोटो-राष्ट्रदूत

पाली, (नि.सं.)। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार जिला प्रशासन व मेरा युवा भारत पाली द्वारा सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर एकता मार्च पदयात्रा का आयोजन स्वामी विवेकानंद सर्कल से किया गया। कार्यक्रम का आगाज अतिथियों द्वारा सरदार पटेल को पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया।

मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री, जोराराम कुमावत ने युवाओं को लौह पुरूष की तरह मजबूत बनकर विकसित व आत्मनिर्भर भारत बनाने में योगदान का आहवान किया।

उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने भारत को मजबूती से एक किया और और भारत की एकता व अखंडता में उनका अहम योगदान है जिससे प्रेरणा लेकर हमें राष्ट्रीय एकता में अपना योगदान दे सकते है। कुमावत ने इस अवसर पर युवाओं को आत्मनिर्भर भारत की शपथ दिलाई। पदयात्रा को मंत्री कुमावत, जिला कलक्टर एल. एन. मंत्री, जिला पुलिस अधीक्षक आदर्श सिद्धू, प्रधान पाली मोहनी देवी पटेल, पूर्व नगर परिषद सभापति महेन्द्र बोहरा, सुनिल भण्डारी ने हरी झंडी दिखाकर स्वामी विवेकानंद सर्कल से रवाना किया।

रैली अहिंसा सर्कल, सूरजपोल, शिवाजी सर्कल होते हुए बांगड़ महाविधालय में समाप्त हुई।

रैली के दौरान युवाओं ने विभिन्न राज्यों की वेषभूषा में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर अनेकता में एकता का संदेष दिया। युवतियों ने आत्मरक्षा का प्रदर्शन कर महिला सशक्तिकरण का भी संदेश दिया। रैली में एनएसएस, भारत स्काउट व गाइड, आईटीआई, मेरा युवा भारत, एनसीसी, शिक्षा व उच्च शिक्षा विभाग के युवाओं व आमजन उपस्थित रहे। रैली के दौरान तिरंगे व तक्तियों से सरदार पटेल के कार्यों से आमजन में एकता व अखण्डता का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में पूर्व विधायक ज्ञानचंद पारख ने युवाओं को संबोधित किया। एनसीसी, एनएसएस, शिक्षा विभाग व मेरा युवा भारत के युवाओं ने राष्ट्रभक्ति के गीतों पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। युवाओं को अति. जिला कलक्टर ओमप्रभा ने नषामुक्त भारत की शपथ दिलाई व पुरस्कार वितरण भी किया। पूरे जिले में युवा पटेल को जाने कार्यक्रम के तहत आयोजित निबंध प्रतियोगिता के जिला स्तरीय विजेताओं को भी अतिथियों ने पुरस्कृत किया।

इस अवसर पर देवीलाल, डी आर चौधरी, भंवरलाल सैणचा, कन्हैया लाल ओझा, जिला शिक्षा अधिकारी राहुल राजपुरोहित, जिला खेल अधिकारी लहरी दास वैष्णव, एनएसएस जिला समन्वयक डॉ महेन्द्र कुमार, बांगड़ कॉलेज प्राचार्य डॉ महेन्द्र सिंह, एनसीसी प्रभारी प्रो. रामेष्वर चौधरी, जिला युवा अधिकारी आदि उपस्थित रहे। मंच संचालन एनसीसी प्रभारी सत्यनारायण राजपुरोहित व धन्यावद मेरा युवा भारत के भंवरसिंह राजपुरोहित द्वारा किया गया।

मंत्री जोराराम कुमावत शनिवार को सुमेरपुर दौरे पर रहेंगे। निर्धारित कार्यक्रमानुसार कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत प्रातः 09.30 बजे उप जिला अस्पताल सुमेरपुर में आयोजित आरएमआरएस बैठक में भाग लेंगे। वे प्रातः11.30 बजे कोलीवाड़ा में स्थानीय कार्यक्रम में भाग लेंगे। वे इसी दिन दोपहर 1.30 बजे कोसेलाव में अटल पथ का शिलान्यास कार्यक्रम में शामिल होंगे तथा दोपहर 3 बजे खिंदारा में सड़क के शिलान्यास व पशु चिकित्सा उपकेन्द्र के उद्घाटन में भाग लेंगे। वे सायं 7 बजे सुमेरपुर से बाड़मेर के लिए प्रस्थान कर जाएंगे।

रायपुरिया में महिला-पुरुष हॉकी प्रतियोगिता हुई

जालोर के पास राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। हॉकी जालोर के तत्वावधान मे शुक्रवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रायपुरिया के मेजर ध्यानचंद हॉकी स्टेडियम में महिला एवं पुरुष वर्ग की सीनियर हॉकी प्रतियोगिता आयोजित हुई।

हॉकी जालोर के सचिव मदन सिंह राठौड ने बताया कि भारतीय हॉकी के गौरवशाली सौ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य पर 7 नवम्बर को हॉकी के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि जालोर डिस्ट्रिक्ट ओलम्पिक एसोसिएशन के सैक्रेटरी जनरल लाल सिंह सांखला कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवानिवृत्त जिला शिक्षा अधिकारी प्रभुदान राव विशिष्ट अतिथि प्रधानाचार्य रणजीत सिंह चौहान, राजेंद्र सिंह, रमेशकुमार विक्रम कुमार अमीन खान वीसा राम सुथार उदयवीर के सानिध्य मे प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। खेल मैदान पर स्कूल के सैकडों बालक बालिकाओ ग्रामीणों विधालय स्टाफ की उपस्थिति में हॉकी प्रतियोगिता के उद्घाटन के अंतर्गत पहला हॉकी मैच महिला वर्ग के अंतर्गत वीरबाला कालीबाई वर्सेज झांसी की रानी के मध्य रोमांचकारी मैच आयोजित हुआ। हाफ टाइम तक दोनों टीमें बराबर रही सेकंड हाफ में वीरबाला कालीबाई ने एक गोल कर झांसी की रानी को हराया। पुरुष वर्ग में सियाना हॉकी क्लब तथा रायपुरिया हॉकी क्लब के बीच मुकाबला खेला गया। जिसमें जिसमे रामपुरिया हॉकी क्लब ने हाफ टाइम तक 2-0 की बढत बनाई और हाफ टाइम के बाद एक और गोल कर सियाना हॉकी क्लब को 3-0 गोल से हराकर फाइनल मैच जीता। मैच में निर्णायक की भूमिका का निर्वहन हिदा राम राणा एवं दुर्गा चौहान द्वारा किया गया।

मुख्य अतिथि लाल सिंह सांखला ने कार्यक्रम के समापन समारोह में खिलाड़ियों को अपने उदबोधन में कहा कि आज का दिन हमारे लिए बहुत खास है, क्योंकि हम भारतीय हॉकी की सौ वर्ष की गौरवगाथा का जश्न मनाने जा रहे हैं। यह जश्न हमारे लिए एक सदी की उत्कृष्टता का प्रतीक है, और हमें गर्व है कि हम इस आयोजन का हिस्सा हैं। प्रभुदान राव ने बताया की आज का दिन स्वर्णिम यादगार है आज भारतीय हॉकी के सौ वर्ष तथा वंदे मातरम् राष्ट्र गीत को 150 वर्ष पूर्ण होने पर बधाई दी अंत में विधालय के प्रधानाचार्य रणजीत सिंह चौहान ने सभी का आभार प्रकट करते हुए कार्यक्रम समाप्त करने की घोषणा की।

रायपुर में सांसद खेल महोत्सव

रेवदर, निसं)। निकटवर्ती ग्राम पंचायत रायपुर की ओर से रा उ मा वि रायपुर खेल मैदान में दो दिवसीय पंचायत स्तरीय सांसद खेल महोत्सव कार्यक्रम का समापन समारोह हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जालोर सिरोही सांसद लुबा राम चौधरी विशेष आतिथ्य सासद खेल महोत्सव जिला सयोजक गणपत सिंह राठौड भाजपा महीला मोर्चा जिलाध्यक्ष, रायपुर सरपंच छगन लाल कोली, उपसरपंच वह किसान नेता सुजान सिंह वडवज जिला परिषद् सदस्य प्रतिनिधि खंगार सिंह देवडा,रायपुर ठाकुर परबत सिंह देवडा, सहकारी समिति उपाध्याय पृथ्वीसिह झालमपुरा पूर्व मण्डल अध्यक्ष रमेश चन्द्र, पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि चेनाराम मेघवाल, वरिष्ठ भाजपा नेता वरमाण सरपंच वगता रामअमराराम मणडार मण्डल अध्यक्ष अमराराम उपाध्यक्ष भाजपा मण्डार पारस जोशी आदि विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि लुंबा राम चौधरी ने बालिका शिक्षा एवं खेलों में बढावा देने पर जोर दिया। उपसरपंच रायपुर सुजान सिंह देवडा वडवज ने खेल भावना के साथ खेलने पर जोर दिया तथा फिट इंडिया कार्यक्रम का महत्व बताया तथा विद्यालय के जर्जर भवन की ओर सांसद का ध्यान आकर्षित किया। सांसद खेल महोत्सव जिला संयोजक महामंत्री भाजपा सिरोही गणपत सिंह राठौड ने फिट इंडिया कार्यकम पर विस्तार से बताया। पीईईओ रायपुर सीताराम गूजर ने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथियों तथा मंचासीन गणमान्यों का आभार जताया एवं खिलाडियो को जीवन में खेलों का महत्व बताया।

जुझार बावसी के पालिये पर गूंजे भजन

रानीवाड़ा। के पास जलारामधाम में भजन संध्या आयोजित हुई। फोटो-राष्ट्रदूत

रानीवाड़ा, (नि.सं.)। रानीवाड़ा। के निकटवर्ती जलारामधाम में जुझार बावसी के पालिए पर कल देर रात भव्य भक्तिसंध्या का आयोजन किया गया, जो सुबह ब्रह्ममुहूर्त तक चला। इस पावन कार्यक्रम ने पूरे क्षेत्र में भक्ति और आस्था का ऐसा माहौल बना दिया कि सैकड़ों श्रद्धालु पूरी रात भजन कीर्तन में लीन रहे। प्रसिद्ध भजन कलाकार टीना चौहान और रमेश प्रजापत ने अपनी मधुर गायकी और कला का ऐसा जादू बिखेरा कि श्रोता मंत्रमुग्ध हो गए।

रात्रि 9 बजे शुरू हुए इस भजन कार्यक्रम में टीना चौहान और रमेश प्रजापत ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दीं। कलाकारों ने मुख्य रूप से माजीसा जसोल, जुझारजी और सवाईसिंह के भजनों को प्राथमिकता दी। विशेष रूप से जुझार जी घोड़े चढ़े ने वेगा पधारो, थारो मेलो जोवे वाट जुझारो धोणी, गुरु बिन घोर अंधेरा और तेरस री है रात माजीसा आज थाने आनो है जैसे लोकप्रिय भजनों पर श्रोताओं ने खूब तालियां बजाईं और भाव-विभोर होकर नृत्य भी किया।

भजन सम्राट रमेश प्रजापत ने जब भजनों पर ओजस्वी नृत्य प्रस्तुत किया, तो पूरी सभा झूम उठी। कई श्रोता भी भक्ति भाव में नाचने लग गए। टीना चौहान की सुमधुर आवाज और रमेश प्रजापत की जोशीली प्रस्तुति ने कार्यक्रम को अविस्मरणीय बना दिया।

भक्ति संध्या से पूर्व शाम को जुझार सरदारसिंह के पालिए पर नागसिंह परिवार की ओर से पंडित शातिलाल महाराज के सान्निध्य में विधिवत हवन-यज्ञ का आयोजन किया गया। इस दौरान अदाणी और सोनावत परिवार ने श्रद्धापूर्वक आहुतियां दी।

अगले दिन सुबह, भक्ति की अलख जगाने वाले इस कार्यक्रम का समापन ब्रह्ममुहूर्त में हुआ। जुझारजी के पालिया स्थान पर विधिवत पंड़ितों के मंत्रोच्चार के बीच मीर मिरासियों के विशेष राग और ढ़ोल नगाड़ों की गूंज के साथ भव्य ध्वजारोहण करवाया गया। इसके पश्चात मूर्ति पूजन और महाआरती के साथ सभी भक्तों को प्रसादी वितरण किया गया।

पूरे कार्यक्रम का आयोजन सवाईसिंह जसोल व बाड़मेर भाडका काकोसा देव के भक्त सुरेश जैन, सूरत की निश्रा में किया गया। आयोजन समिति ने बताया कि क्षेत्र के आराध्य देव के प्रति भक्तों की अटूट आस्था को देखते हुए हर वर्ष इस कार्यक्रम को और भव्य रूप दिया जाएगा।

इस अवसर पर जब्बरसिंह सूरत, ग्राम सेवा सहकारी समिति के अध्यक्ष गुमानसिंह राव, डॉ. भाणाराम बोहरा, अंबालाल चितारा, कानसिंह बगसडी, देवीसिंह बुराल, भैरसिंह बोरली, रूपसिंह चौहान, गिरीश श्रीमाली, रमेशसिंह सांचौर, शेरसिंह बोरली, प्रतापसिंह मोरवाड़ा, प्रेमसिंह कैलाशनगर, हर्षवर्धनसिंह, दीपसिंह, देवीसिंह, फौजसिंह डाभी, सज्जनसिंह, रविन्द्रसिंह उमट, भंवरसिंह धानोल, वंसत महाराज, पाताराम प्रजापत, विक्रमसिंह अदाणी, शैतानसिंह अदाणी, आर्किटेक्ट चंदनसिंह, राहुल वैष्णव, जसराज सुथार, कृष्ण देवासी, महेन्द्र देवासी, सहित बड़ी संख्या में लोगों और क्षेत्रीय भक्तों ने शरीक होकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

सार-समाचार

वाचनालय अध्ययन सुविधा शुरू

भीनमाल, (निसं)। राजस्थान सरकार की बजट घोषणा के तहत प्रदेश के युवाओं को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राजकीय महाविद्यालय भीनमाल में शुक्रवार को वाचनालय अध्ययन सुविधा का शुभारंभ किया गया। इस सुविधा के माध्यम से महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के साथ-साथ स्थानीय अन्य विद्यार्थी भी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए वाचनालय का उपयोग कर सकेंगे। महाविद्यालय प्रशासन ने बताया कि महाविद्यालय के अलावा बाहरी विद्यार्थी मात्र एक हजार रुपये कोष मनी जमा कराकर इस वाचनालय सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। वाचनालय का समय प्रातः 8 बजे से सायं 6 बजे तक रहेगा, ताकि विद्यार्थी पूरे दिन शांत और अध्ययनशील वातावरण में अपनी तैयारी कर सकें। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य धर्मपाल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वाचनालय शिक्षा का प्रमुख आधार है, जो आत्म-अध्ययन और ज्ञानवृद्धि की दिशा में विद्यार्थियों को नई ऊर्जा प्रदान करता है। उन्होंने विद्यार्थियों से इस सुविधा का अधिकतम उपयोग करने और अध्ययन संस्कृति को मजबूत करने का आव्हान किया। कार्यक्रम के दौरान वाचनालय प्रभारी रामाराम ने विद्यार्थियों को वाचनालय के उपयोग, अनुशासन एवं संसाधनों के सदुपयोग के संबंध में मार्गदर्शन दिया। उन्होंने बताया कि यह पहल ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी और उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने हेतु सशक्त बनाएगी। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापकगण, विद्यार्थी एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

कृषक संगोष्ठी आयोजित

जालोर, (कासं)। भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जन्म जयंती के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे जनजातीय गौरव वर्ष के अंतर्गत 1 से 15 नवम्बर तक जिलेभर में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रमों की श्रृंखला में शुक्रवार को कृषक संगोष्ठी का आयोजन कर भगवान बिरसा मुण्डा की जीवनी पर प्रकाश डाला गया। भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जन्म जयंती के उपलक्ष्य में जिले में कृषक संगोष्ठी का आयोजन कर कृषकों को भगवान बिरसा मुंडा के जीवन, उनके संघर्ष, जल-जंगल-जमीन की रक्षा के लिए किए गए आंदोलन तथा आदिवासी अस्मिता के पुनर्जागरण आदि के बारे में अवगत करवाया गया तथा विभागीय योजनाओं व गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई। संगोष्ठी में कृषकों को विभागीय योजनाओं यथा-राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन, परम्परागत कृषि विकास योजना, आरकेवीवाई सिंचित क्षेत्र विकास, नेशनल मिशन ऑन ऐडिबल ऑयल, तारबंदी, फॉर्म पौण्ड, कृषि यंत्र, सिंचाई पाईपलाईन, गोवर्धन जैविक उर्वरक योजना, भूमिहीन कृषि श्रमिक सम्बल मिशन, बैलों से खेती, बायोएजेन्ट, बायोपेस्टीसाईड अनुदानित दर पर वितरण आदि की जानकारी दी गई। इन आयोजित गोष्ठियों में उपस्थित कृषकों को धरती माता बचाओ अभियान की शपथ भी दिलाई गई साथ ही .षकों को .षि विभाग की अनुदान योजनाओं के आनलाईन आवेदन की अंतिम तिथि 31 दिसम्बर तक बढ़ाये जाने के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। जनजातीय गौरव वर्ष के तहत 8 नवम्बर को जिले में जिले में राजीविका के माध्यम से वनधन केन्द्रों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे तथा स्वयं सहायता समूहों का गठन किया जायेगा।

शहीद स्मारक तक यूनिटी मार्च होगा

जालोर, (कासं)। राष्ट्र के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में युवाओं में राष्ट्रीय एकता, अखंडता एवं जनभागीदारी की भावना को प्रोत्साहित करने तथा सरदार पटेल के योगदान और उनके राष्ट्रवादी विचारों को आत्मसात् करने के लिए माय भारत जालोर, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 8 नवंबर को प्रातः 8:30 बजे भगतसिंह स्टेडियम से सरदार/150यूनिटी मार्च का आयोजन किया जायेगा। जिसमें मुख्य अतिथि सांसद लुंबाराम चौधरी होंगे तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में राजस्थान विधानसभा के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, जसराज राजपुरोहित सहित जनप्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे। माय भारत युवा केन्द्र के युवा समन्वयक हेमन्त मथुरिया ने बताया कि भगतसिंह स्टेडियम परिसर में शनिवार को प्रातः 8.30 बजे आयोजित यूनिटी मार्च कार्यक्रम के दौरान अतिथि उद्बोधन, लोक नृत्य, यूथ आइकॉन सम्मान सहित विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की जायेगी तथा यूनिटी मार्च को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया जायेगा। यूनिटी मार्च भगतसिंह स्टेडियम से प्रारंभ होकर सूरजपोल चौराहा-अस्पताल चौराहा-कलेक्ट्रेट-शिवाजी नगर चौराहा होते हुए शहीद स्मारक पर समापन होगी। कार्यक्रम में विद्यालय एवं महाविद्यालयों के विद्यार्थी वस्वयंसेवक, एनएसएस, एनसीसी, माय भारत तथा विभिन्न युवा एवं सामाजिक संगठनों व एनजीओ के प्रतिनिधि सहभागिता करेंगे।

बूथ लेवल एजेन्टस को प्रशिक्षण दिया

जालोर, (कासं)। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम-2026 के तहत शुक्रवार को सांचौर एवं चितलवाना में बूथ लेवल एजेन्ट्स का प्रशिक्षण सत्र सम्पन्न हुआ। बूथ लेवल एजेन्ट्स के लिए आयोजित किए गए प्रशिक्षण में उन्हें एसआईआर की प्रक्रिया के बारे में गहन प्रशिक्षण दिया गया साथ ही मास्टर ट्रेनर्स द्वारा ऑनलाइन व ऑफलाइन गणना प्रपत्र भरने संबंधित विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में भारतीय जनता पार्टी, आईएनसी सहित राजनैतिक पार्टियों द्वारा नियुक्त पॉलिटिकल एजेन्ट के साथ विस्तार से चर्चा करते उनकी शंकाओं का समाधान किया गया। इस अवसर पर सांचौर उपखण्ड अधिकारी प्रमोद कुमार, चितलवाना उपखण्ड अधिकारी देशलाराम परिहार, तहसीलदार प्रवीण चौधरी, नायब तहसीलदार रविंद्र प्रताप सिंह सहित निर्वाचन से जुड़े अधिकारी-कार्मिक उपस्थित रहे।

लैब शुरू करने से पहले सामग्री जब्त

रेवदर, (निसं)। राजेश मीना, महानिरीक्षक पुलिस जोधपुर रेंज जोधपुर के द्वारा अवैध मादक पदार्थों के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत डॉ. प्यारे लाल शिवरान, जिला पुलिस अधीक्षक सिरोही के निर्देशानुसार किशोर सिंह अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सिरोही के सुपरविजन में मनोज कुमार गुप्ता वृताधिकारी वृत रेवदर नेतृत्व में टीम का गठन कर सीताराम निरीक्षक पुलिस थानाधिकारी रेवदर मय टीम ने मजबुत मुखबीर तन्त्र से सरहद दांतराई में एक कृषि कुए पर अवैध मादक पदार्थ रूष्ठ का निर्माण कर नशे के कारोबार को शुरू करने से पूर्व एकत्रित की गई। सामग्री व लैब के उपकरणों को जब्त करने में सफलता हासिल की है। सम्पूर्ण कार्यवाही में शिवनारायण इंटेलीजेन्स ऑफिसर एनसीबी जोधपुर मय् टीम एवं अजय सोनी, डिप्टी डायरेक्टर गांधीनगर गुजरात सेन्टर फॉर एक्सीलेन्स मय टीम का विशेष सहयोग रहा।

रोटरी क्लब का शपथ ग्रहण समारोह हुआ

पाली, (नि.सं.)। रोटरी क्लब पाली के नवीन कार्यकारिणी 2025- 26 का शपथ ग्रहण कार्यक्रम गुरुवार को आयोजित हुआ, जिसके मुख्य अतिथि जॉन गवर्नर प्रेक्षा मेहता और जॉन गवर्नर राजेंद्र सुराणा ने नए अध्यक्ष पद के लिए दिनेश चंद्र मेहता, और सचिव पद के लिए वर्धमान भंडारी को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष ताराचंद खंडेलवाल ने रोटरी क्लब के कार्यों का विश्लेषण किया। इस अवसर क्लब के वरिष्ठ सदस्य राजू भाई मेड़तिया, प्रवीण कोठारी ,डॉक्टर दिनेश दिनकर, अर्जुन मेहता, मगराज सखलेचा मूलचंद सखलेचा सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम में रेलवे की बेंच की घोषणा करने वाले सुनील गुप्ता, धनराज करगवाल, मेहता परिवार का बहुमान किया गया। कार्यक्रम का संचालन गौतम चंद कवाड, पारस भाटी अंजाना ने किया। इससे पूर्व सुबह जॉन अध्यक्ष प्रेक्षा मेहता के पहुंचने पर बैंड बाजा से स्वागत किया। रोटरी क्लब के प्रोजेक्ट रेलवे स्टेशन न्यू बस स्टैंड पर एक हाल बनाने की घोषणा, आदि जगह का अवलोकन किया।

सीसीटीवी कैमरे की दुकान में चोरी

जोधपुर, (कासं)। शहर के पाल रोड स्थित एक निजी अस्पताल के सामने चोरों ने सीसीटीवी कैमरों की दुकान में गुजरी रात सैंध लगाकर वहां से उपकरण और अन्य सामान चोरी कर ले गए। दुकानदार की तरफ से देवनगर थाने में इस बाबत रिपोर्ट दी गई है। देवनगर पुलिस के अनुसार मिल्क मैन कॉलोनी, गली नम्बर 10 निवासी सूरज पंवार ने रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि उसकी पाल रोड स्थित एक निजी अस्पताल के सामने सीसीटीवी कैमरों की दुकान आई है। 5 नवंबर की रात को वह दुकान मंगल कर घर गया था। 6 की सुबह लौटा तो दुकान के शटर के ताले टूटे मिले। चोरों ने दुकान में प्रवेश कर वहां से पूजा की अलमारी में रखी चांदी की मूर्ति, नकदी और कीमती सामान चुराकर ले गए। पुलिस अब आस पास लगे सीसीटीवी फुटेज से चोरों की पहचान के साथ तलाश में जुटी है।

भगवान बिरसा मुण्डा के योगदान को आमजन तक पहुंचाना हमारा दायित्व : भजनलाल

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बिरसा मुण्डा की 150वीं जयंती पर डूंगरपुर में प्रस्तावित राज्यस्तरीय समारोह की तैयारियों की समीक्षा की

उदयपुर/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भगवान बिरसा मुण्डा ने 19वीं शताब्दी के अंत में अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध संघर्ष कर आजादी के आंदोलन को मजबूत आधार दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी सोच

■ **15 नवंबर (जनजातीय गौरव दिवस) मात्र एक तिथि नहीं, बल्कि जनजाति गौरव और संघर्ष की अमर स्मृति है : भजनलाल शर्मा**

से देशभर में जनजातीय गौरव से जुड़े विविध आयोजन हो रहे हैं। 15 नवंबर (जनजातीय गौरव दिवस) मात्र एक तिथि नहीं, बल्कि जनजाति गौरव और संघर्ष की अमर स्मृति है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शुक्रवार को उदयपुर में शोभागपुरा स्थित एक होटल में बिरसा मुण्डा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य पर हो रहे आयोजनों को लेकर बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने आगामी 15 नवंबर को डूंगरपुर में प्रस्तावित राज्यस्तरीय समारोह की समीक्षा करते हुए कहा कि राज्य स्तरीय कार्यक्रम में जनभागीदारी को प्राथमिकता दी जाए और विद्यालयों, महाविद्यालयों, सामाजिक संगठनों को सक्रिय रूप से जोड़ा जाए। साथ ही, छात्र-छात्राओं को बिरसा मुण्डा के जीवन, संघर्ष और बलिदान के बारे में व्यापक जानकारी दी जाए।

बैठक में मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंचना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने जनजातीय क्षेत्र में सरकार की उपलब्धियां बताते हुए कहा कि जनजाति आवासीय विद्यालयों में मेस भत्ता तथा मां-बाड़ी कार्यकर्ताओं के मानदेय में की गई वृद्धि राज्य सरकार की संवेदनशील नीतियों का प्रतिबिंब है। हमारी सरकार ने जनजाति क्षेत्र के उत्थान के लिए अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए है। बैठक में जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने कहा कि बिरसा मुण्डा कुछ और समय जीवित रहते तो अंग्रेजों को बहुत पहले ही देश छोड़ना पड़ता। स्वतंत्रता की लड़ाई में 170 से अधिक जनजाति नायकों ने अपने प्राणों की आहुति दी। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को इन नायकों की गौरव गाथा से रूबरू कराने की आवश्यकता है। इसी क्रम में वर्ष 2021 से जनजाति गौरव दिवस मनाने की शुरूआत की गई तथा इस वर्ष जनजातीय गौरव वर्ष मनाया जा रहा है। उन्होंने 15 नवंबर के प्रस्तावित कार्यक्रम को भव्य और सफल बनाने की अपील की। राजस्व मंत्री हेमंत मीणा ने कहा कि अधिक से अधिक पात्र लोग सरकार की योजनाओं का लाभ लें और समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाएं पहुँचाने और उनका उत्थान करने में सहयोग करें।

सांसद डॉ. मन्नालाल रावत ने कहा कि बिरसा मुण्डा ऐसे जननायक है, जिन्हें आमजन ने भगवान का दर्जा दिया। आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान जिन नायकों को याद किया गया, उनमें एक भगवान बिरसा मुण्डा भी हैं। उन्होंने जनजातीय गौरव वर्ष पखवाड़े के तहत प्रदेशभर में आयोजित हो रहे कार्यक्रमों पर चर्चा की तथा राज्य स्तरीय समारोह को सफल बनाने के लिए की जा रही तैयारियों को भी रेखांकित किया। इस अवसर पर विधायक ताराचंद जैन, फूलसिंह मीणा, जिला प्रमुख ममता कुंवर सहित उदयपुर, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, राजसमंद, चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़ आदि जिलों के जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

उदयपुर में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का स्वागत किया गया।

25 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (निसं)। सदर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बीज कारोबारी रवि गुप्ता पर फिरौती के लिए रेकी कर फायरिंग करने की प्लानिंग करने के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने वारदात को अंजाम देने के लिए गैंगस्टर्स को पैसे उपलब्ध कराए थे। पकड़ा गया आरोपी 25 हजार का इनामी बदमाश है। आरोपी की पहचान गुरविंद्र सिंह (21) निवासी रावला (श्रीगंगानगर) के रूप में हुई है। 19 जुलाई को कारोबारी पर फिरौती के लिए फायरिंग की प्लानिंग बनाने वाले आरोपियों को पैसे उपलब्ध करवाए थे। इससे पहले पांच आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल पुलिस पकड़े गए आरोपी से पूछताछ कर रही है। जानकारी के अनुसार 19 जुलाई को सदर पुलिस और डीएसटी प्रथम ने आरोपियों को नेशनल हाइवे नाइयांवाली में आनंद पीजी में छिपे हुए को पकड़ा था। आरोपियों ने पीजी की तीसरी मंजिल के कमरों से सीढियों पर भागने की कोशिश की और गिर जाने से गंभीर रूप से चोटिल हो गए थे। जिसके बाद उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। पुलिस ने आरोपियों के पास से टर्की निर्मित मॉडर्न जिगाना पिस्टल व 14 कारतूस बरामद किए थे। आरोपी बीज कारोबारी पर हमला करने वाले थे, इससे पहले ही पुलिस ने आरोपियों को पकड़ लिया था।

■ **गैंगस्टर्स को पैसे उपलब्ध कराता था बदमाश, बीज कारोबारी पर करने वाले थे फायरिंग**

युवक ने आत्महत्या की

उदयपुर, (निसं)। शहर के सुखेर थाना क्षेत्र में विषाक्त वस्तु सेवन कर युवक ने आत्महत्या कर ली। अदनोल नाथद्वारा हाल शोभागपुरा निवासी रणजीत सिंह (40) पुत्र उदयसिंह चौहान की विषाक्त वस्तु सेवन करने से होने से मौत हो गई। दिमागी हालत ठीक नहीं होने से विषाक्त वस्तु का सेवन कर लिया था।

OFFICE MUNICIPAL COUNCIL CHOMU (JAIPUR)
Tel-01423-220036 e-mail:chomu.jaipur@yahoo.com
Sr. No. : NPC/2025/2262 Date : 03.11.2025
Notice Inviting Bid
Bids for "NALA CONSTRUCTION REPAIR WORK FORM BHANDE TO BUS STAND RINGUS ROAD NALA IN NAGAR PARISHAD CHOMU" are invited interested bidders upto 06.00 PM on 03.11.2025 Dated. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://sppp.raj.nic.in, https://eproc.rajasthan.gov.in) of the state. The Bid Value are 49.99 Lacs.
NIB CODE : DLB2526A7667 & UBN NO. : DLB2526WSOB23199
Raj.Samwad/C/25/13325 COMMISSIONER

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PHED PROJ. DIVISION KARAULI HQ TODABHIM
(email :- eecsnpkaroli@gmail.com)
Sr.No.: 5896-5904 Date: 30/10/2025
NOTICE INVITING BID
Bid for Construction & Commissioning of 32 Nos. 125mm dia Hand Pump at Various Village under PHED Project Division Karauli HQ Todabhim is invited. Important Dates and particular of the Bid may be seen on the procurement portal sppp.raj.nic.in or eproc.rajasthan.gov.in
NIBCODE:- PHE2526A3929

SN	NIT NO.	UBN NO
1	80/2025-26	PHE2526WSOB08051

Executive Engineer
Public Health Engineering Department
Proj. Division Karauli HQ Todabhim
DIPR/C/16163/2025

राजस्थान आवासन मण्डल
क्रमांक :- 552 दिनांक :- 05/11/2025
निविदा सूचना संख्या 06/2025-26
1. पंचशील, नाका मदार और दौराई अजमेर में नालियों, सीवर लाइन, चैंबर, मैनहोल, सड़क बर्म, खुले स्थान की सफाई और सभी घरों (डोर टू डोर कलेक्शन सहित) और सड़कों से कचरा/कचरा एकत्र करना। 2. अजमेर मंडल में दिशा और स्थान पहचान साइन बोर्ड की आपूर्ति और स्थापना हेतु इच्छुक निविदादाताओं से दिनांक 08.11.2025 से 17.11.2025 सायं 6.00 बजे तक ऑनलाईन / ऑफलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा की अन्य शर्तें वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in & https://rhb.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।
यू.बी.एन. नं.:- RHB2526WSOB00261 & RHB2526WSOB00262
राज.संवाद/सी/25/13416 उप आवासन आयुक्त, वृत्त द्वितीय, जयपुर

कार्यालय नगर विकास न्यास, अलवर (राज.)
क्रमांक :- लेखा/2025/9562 दिनांक :- 31/10/2025
NOTICE INVITING NIT – 29/2025-26
Construction of C.C road and WBM, park development and other Development work etc. 05-11-25 to 17-11-25 3.00 PM. Technical bid open 18-11-25 4.00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state and www.uitalwar.in the approximate Value of the procurement is Rs. 649.00 lakhs.
UBN No. : UAL2526WSOB00318 To UAL2526WSOB00330
Raj.Samwad/C/25/13374 Executive Engineer UIT Alwar

जंगलों से पेड़ उखाड़ने का प्रयास, चार जेसीबी जब्त

मसूदा, (निसं)। मसूदा उपखंड क्षेत्र के खरवा वन विभाग के जंगलों से बड़ी मात्रा में पेड़ उखाड़ने के प्रयासों को ग्रामीणों की सजगता से विफल कर दिया। पेड़ उखाडने के कार्य में लगी चार जेसीबी मशीनों को जब्त कर लिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार निकटवर्ती लीडी तथा लामाना के जंगलों में चार जेसीबी मशीन एक साथ पहुंची तथा जंगल में विलायती बबूल को उखाड़ने का काम शुरू कर दिया। ग्रामीणों को जेसीबी द्वारा पेड़ों को उखाड़ने का पता चला तो उन्होंने वन विभाग द्वारा विलायती बबूल उखाड़ने का कार्य ठेके पर देने की सोचा लेकिन जेसीबी संचालकों की कार्य प्रणाली पर संदेह होने पर उन्होंने वन विभाग को सूचना दी। क्षेत्रीय वन अधिकारी ओमप्रकाश मौके पर पहुंचे और उन्होंने जेसीबी संचालकों से पेड़ उखाड़ने की अनुमति के संबंध में पूछताछ की तो पता चला कि बिना अनुमति अवैध रूप से पेड़ उखड़े जा रहे थे। अधिकारियों ने कार्रवाई करते हुए चारों जेसीबी मशीन को अपने कब्जे में लेकर जप्त कर लिया तथा जेसीबी मशीनों को वन विभाग की खरवा नर्सरी में लाकर खड़ा करवा दिया। बाद में जेसीबी ऑपरेटरों द्वारा आधार कार्ड तथा आवश्यक दस्तावेज जमा करवाने पर जमानत पर छोड़ दिया, जबकि मशीनों को जब्त करके मामले की जानकारी नसीराबाद कोर्ट में दे दी।

ओमप्रकाश, क्षेत्रीय वन अधिकारी का कहना है कि ग्रामीणों द्वारा जंगल में पेड़ उखाड़ने की सूचना पर मौके पर पहुंचकर जानकारी ली तो पता चला कि बिना वैध अनुमति के अवैध रूप से पेड़ उखाड़े जा रहे है। कार्रवाई करते हुए चार जेसीबी मशीन जब्त कर ली गई।

सड़क हादसे में दो बारातियों की मौत, छह घायल, हिसार रेफर

हादसे में स्कॉर्पियो गाड़ी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई।

सड़क हादसे में हुये घायलों को पुलिस ने अस्पताल पहुंचाया।

सादुलपुर, (निसं)। राजगढ़ थाने के गांव राघा छोटी के पास गुरूवार व शुक्रवार की रात्रि को गांव कासनी से हमीरवास बारात में जा रहे बारातियों की स्कॉर्पियो गाड़ी को तेज गति व लापरवाही से चलाकर चालक द्वारा पलटाने के कारण दो जनों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि छह जने घायल हो गये, जिन्हें पहले राजगढ़ के सरकारी अस्पताल व एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद हिसार रेफर कर दिया।

स्कॉर्पियो गाड़ी के पलटने के सूचना पर एएसपी किशोरीलाल, राजेश कुमार सिहाग सीआई राजगढ़ व महेन्द्र कुमार हेड कास्टेबल मौके पर पहुंचे तथा घटना का जायजा लिया। वहीं शुक्रवार को मामला दर्ज होने के बाद प्रकरण का अनुसंधान अधिकारी रामावतार मीणा एसआई व महेन्द्र कुमार हैड कानि ने मृतकों का पोस्टमार्टम करवाकर शव उनके परिजनों को सौंप दिया है।

■ **बारातियों की स्कॉर्पियो गाड़ी को तेज गति व लापरवाही से चलाकर चालक द्वारा पलटाने से हादसा हुआ, वाहन चालक प्रवीण के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कारवाई की मांग की**

राजगढ़ थानाधिकारी राजेश कुमार सिहाग ने बताया कि सतवीर पुत्र रेखाराम जाट निवासी गागडवास पुलिस थाना राजगढ़ जिला चूरू ने मामला दर्ज करवाया है कि छह अक्टूबर को उसके परिवार के सदस्य कासनी से हमीरवास शादी में जा रहे थे, जो वाहन स्कॉर्पियो में सवार थे, जिसको प्रवीण पुत्र जयसिंह निवासी गागडवास चला रहा था। उक्त वाहन में चालक के अलावा कृष्ण पुत्र पृथ्वीसिंह जाट निवासी गागडवास, सोमवीर पुत्र रामकिशन जाट निवासी बिडोला (हरियाणा) तथा सुरेन्द्र पुत्र मस्तान सिंह, अनुराग पुत्र सुखलाल, सुमित पुत्र विनोद, रवि पुत्र दलवीर गाड़ी में सवार थे। आरोप है कि वाहन चालक प्रवीण ने उक्त वाहन को बहल से राजगढ़ सड़क मार्ग पर रात्रि नौ बजे राघा छोटी गांव में गऊशाला के पास तेजगति व लापरवाही से चलाकर पलटी मरवा दी, जिसमे सभी के चोटें आई, जिसमें कृष्ण पुत्र पृथ्वीसिंह जाट निवासी गागडवास व सोमवीर पुत्र रामकिशन जाट निवासी बिडोला (हरियाणा) की मौत हो गई तथा अन्य को हिसार के अस्पतालों में रैफर करने पर भर्ती करवा रखा है। वहीं रिपोर्ट में बताया है कि वाहन चालक प्रवीण के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कारवाई की जावे। राजगढ़ थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है तथा प्रकरण का अनुसंधान रामावतार उनि. के सुपर्द की गई है। शुक्रवार दोपहर को मृतकों का पोस्टमार्टम करवाकर शव उनके परिजनों को सौंप दिया है।

कार्यालय नगर परिषद सुजानगढ़ (चूरू) राजस्थान
E-mail id:- nps222419@gmail.com Phone no. 01568-222419
क्रमांक :–न.प.सु/विकास शाखा/2025/7540 दिनांक :– 31.10.2025
:-ई-निविदा सूचना-2025-26:-
नगर परिषद सुजानगढ़ द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यों के लिये उपयुक्त सक्षम श्रेणी के राज्य सरकार के विभागों में प्रजीकृत ठेकेदारों/फर्मों से निविदा दिनांक 17.11.2025 तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रपत्रों को वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कि जा सकता है एवं निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.sppp.raj.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है। निविदा का बीड कमांक (DLB2526WSOB23154) है। कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगर परिषद सुजानगढ के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकती है।
राज.संवाद/सी/25/13323 आयुक्त नगर परिषद सुजानगढ

राजस्थान धरोहर प्राधिकरण
भू-तल, पर्यटन भवन, संजय मार्ग (विधायकपुरी थाने के सामने), खासा कोठी, जयपुर-302001,
Tel:-0141-2615648/40, E-Mail : rhppa.jaipur@gmail.com
ई-निविदा सूचना संख्या 24/2025-26
निम्नलिखित कार्यो के लिए अनुभवी कंसलटेंट फर्मों से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया हेतु ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

क्र. सं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रु.)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	Consultancy Services for- Preparation of Detailed Project Report for development works, beautification and develop public facilities at Meera Bai Mandir, Merta, Nagaur Rajasthan. UBN is: HPP2526SLOB00031	20.00 Lakh	3 Months

निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाइट http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है। इच्छुक निविदादाताओं को अपने डिजीटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाइट http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर करवाना आवश्यक है।
राज.संवाद/सी/25/13354 मुख्य कार्यकारी अधिकारी

युवक की मौत

उदयपुर, (निसं)। शहर के सुखेर थाना क्षैत्र भुवाणा की पहाड़ियों में युवक की अकाल मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार रजेश्वर कॉलोनी जोडाजी बावजी भुवाणा निवासी सन्नी पुत्र मुकेश नायक की अकाल मौत हो गई। सन्नी गत दिनों से कलडवास स्थित दूध की कंपनी में काम करता था एवं गुरूवार को वह घर आया था। जहां सांय मित्रों के साथ जाने एवं दो तीन घंटे में लौटने की बात परिजनों को कहते हुए घर से निकला था। रात में वह घर नहीं लौटा दूसरे दिन मकान के पिछे स्थित पहाड़ियों में वह मृत हालत में पड़ा मिला। जिसके शरीर पर नशे के दौरान गिरने से खरोच के निशान पाए गए हैं। सुखेर थानाधिकारी रविन्द्र चारण, एएसआई महिपालसिंह मय जाप्ता ने मौके पर पहुंच मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंपा।

Rajasthan Water Grid Corporation Limited
(Formerly known as "Eastern Rajasthan Canal Project Corporation Limited")
Sinchai Bhawan, JLN Marg, Jaipur 302017, Tel: 0141-2700669 Email: ceercpc@gmail.com
No. :- 5198 Date :- 31/10/2025
NIB No – RWGCL/ 41 /2025-26
Managing Director, RWGCL invites bid for the following works from interested bidders upto 29.10.2025 (06.00 PM). Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://sppp.rajasthan.gov.in/sppp/ and http://eproc.rajasthan.gov.in) of the state. UBN : ERP2526SLOB00049, 50, 51
1. Hiring of Consultancy Services for obtaining wildlife clearance from Ministry of Environment, Forest & climate change (MOEF&CC) for the work of Construction of the feeder from Khura Chainpura to Jaisamand Dam Alwar amounting Rs 15.65 Lacs.
2. Hiring of Consultancy Services for obtaining forest clearance from Ministry of Environment, Forest & climate change (MOEF&CC) for the work of Construction of the feeder from Isarda to Khura Chainpura to Bund Baretha dam Bharatpur amounting Rs 14.03 Lacs.
3. Hiring of Consultancy Services for obtaining wildlife clearance from Ministry of Environment, Forest & climate change (MOEF&CC) for the work of Construction of the feeder system from isarda dam to ramgarh Dam including all component amounting Rs 6.81 Lacs.
Raj.Samwad/C/25/13348 MD cum Chief Engineer RWGCL, Jaipur Rajasthan

स्कॉर्पिओ गाड़ी में आग लगी, बाल-बाल बची सात जिंदगियां

नवलगढ़, (निसं)। उपखंड के देलसर-कुमावास रोड पर शुक्रवार को एक स्कॉर्पिओ गाड़ी अचानक आग से भभक उठी, जिससे ना केवल गाड़ी, बल्कि गाड़ी में रखा करीब 12 लाख रूपए का सामान भी जलकर राख हो गया। इस आग की चपेट में आए एक युवक व दो बच्चों को इलाज के लिए दूसरी गाड़ियों से झुंझुनूं ले जाया गया।

जानकारी के मुताबिक डाबड़ी बलौदा निवासी नदीम की भांजी का निकाह शुक्रवार को भोड़की गांव में था, जिसमें भात भरने के लिए नदीम अपने दोस्त विजेंद्र की स्कॉर्पिओ गाड़ी सहित अन्य गाड़ियों के साथ डाबड़ी बलौदा से रवाना हुआ। देलसर से निकलने के बाद जब कुमावास पहुंचा तो अचानक गाड़ी के बोनट में एक चिंगारी उठी और पलक झपकते ही गाड़ी के पीछे आग लग गई। गाड़ी की पीछे की सीट पर नदीम का दोस्त अजय के अलावा नदीम की 12 साल की बेटी आलिया तथा 13 साल की बेटी आरजू बैठी थी, जो आग की चपेट में आ गए। हालांकि गाड़ी के शीशे खुले हुए थे। इसलिए आग लगने के साथ जैसे ही गाड़ी लॉक हुई। गाड़ी चला रहे नदीम और उसके भाई अनवर पहले खुद, बाद में सभी को एक-एक कर सभी को विंडो से बाहर निकाला। इतने ही मौके पर ग्रामीण जमा हो गए। जिन्होंने पानी से आग पर काबू पाने की कोशिश की, लेकिन उससे पहले गाड़ी में रखी नगदी, जेवरात और अन्य सामान जलकर राख हो गया। नदीम की बेटी आलिया और आरजू के अलावा दोस्त अजय हल्के से झुलस गए। जिन्हें झुंझुनूं अस्पताल ले जाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। गाड़ी में इनके अलावा नदीम के भाई अनवर की 15 साल की बेटी तमन्ना और दूसरे भाई सद्दाम का तीन साल का बेटा अदनान भी था, जो सकुशल है। आग लगने के वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हुए हैं, जिनमें धूं-धूं कर जलती हुई स्कॉर्पिओ गाड़ी दिखाई दे रही है।

■ **आग लगने से गाड़ी के दरवाजे हुए लॉक, विंडों से सभी के सभी बाहर निकले**

■ **गाड़ी में रखा करीब 12 लाख रूपए का सामान भी जलकर राख हो गया**

आग लगने से स्कॉर्पिओ गाड़ी धूं-धूं कर जल गई।

दुकान में चोरी करने वाले दो गिरफ्तार : उदयपुर शहर के अंबामाता थाना क्षैत्र जाड़ा गणेशजी चौक में स्थित दुकान से चोर नकदी चुरा ले गए। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार जेठियों की बाड़ी निवासी ललित जैन पुत्र रूपलाल जैन की जाड़ा गणेशजी चौक में शुभम स्टूडियों नाम से दुकान है। शुक्रवार दोपहर में वह शटर आधा डालकर घर खाना खाने गया था। इस दौरान आए अज्ञात चोर खुला शटर देख दुकान में घुस कर कांउटर में रखी 70 हजार रूपये नकदी चुरा ले गए। मामले में प्रकरण दर्ज होने पर अम्बामाता थानाधिकारी मुकेश सोनी के नेतृत्व में अनुसंधान अधिकारी एएसआई अशोक शर्मा ने आरोपी प्रहलाद पुत्र रामचन्द्र जाट तथा विशाल जायसवाल पुत्र जगदीश को गिरफ्तार किया। आरोपी नशा करने के आदी है।

स्कूल में घुसकर प्रिंसिपल के गले से चेन तोड़ फरार हुए बदमाश

अजमेर, (निसं)। शहर में चेन स्नैचर के हौसले लगातार बढ़ते दिख रहे हैं। शुक्रवार को बदमाशों ने सरकारी स्कूल के अंदर घुसकर प्रिंसिपल की सोने की चेन ही झपट ली। यह वारदात दौराई स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में हुई। घटना के बाद स्कूल स्टाफ में डर और गुस्से का माहौल है। यह वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश में जुटी है।

रामगंज थाना पुलिस के अनुसार धोलाभाटा निवासी पीड़िता नूतन लुहाड़िया सरकारी स्कूल दौराई में प्रिंसिपल हैं। स्कूल की चारदीवारी पर रंग-रोगन का काम चल रहा था। इसी का निरीक्षण करने वह गेट के बाहर पहुंची थीं। तभी अचानक दो युवक हेलमेट पहनकर बाइक से स्कूल के गेट में सीधे अंदर घुस आए। दोनों युवकों ने पहले दुकान का पता पूछने का नाटक किया। प्रिंसिपल जैसे ही अंदर की तरफ बढ़ी, युवकों में से एक ने उनके गले पर झपट्टा मारा और सोने की चेन तोड़कर बाइक पर सवार होकर फरार हो गए। चेन करीब 15 ग्राम की बताई जा रही है।

■ **पुलिस सीसीटीवी कैमरे के आधार पर बदमाशों की तलाश में जुटी**

वारदात के बाद स्टाफ और छात्र सहमे नजर आए। इस दौरान स्कूल के बाहर और आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों में ये दोनों युवक बाइक पर जाते हुए कैद हो गए। पुलिस फुटेज खंगाल रही है। प्रारंभिक जानकारी में सामने आया है कि दोनों बदमाशों का हुलिया उन आरोपियों से मिलता जुलता है, जिन्होंने कुछ दिन पहले किशनगढ़ में भी चेन स्नैचिंग की वारदात की थी। रामगंज थाना पुलिस सीसीटीवी कैमरों, मोबाइल लोकेशन और संदिग्ध दोपहिया की जानकारी के आधार पर बदमाशों की तलाश कर रही है। पुलिस ने इलाके में नाकाबंदी कर तलाश शुरू कर दी है।

उदयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान
No. :- F-2(01)Acct/Contract/2025-26/183 - 185 Date :- 30/10/2025
ई-निविदा सूचना संख्या : 52/2025-26
उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यो मय डिफेक्ट लाईबिलिटी अवधि के लिये जो कि निविदा प्रपत्र में अंकित है के लिये उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

निविदा कार्यो की कुल लागत	रूपये 378.17 लाख (10 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड/अपलोड करने की अवधि	31.10.2025 को प्रातः 10.00 बजे से 17.11.2025 को सांयः 6.00 बजे तक
Online EMD, Tender Fee & Processing Fee जमा कराने की तिथी	31.10.2025 को प्रातः 10.00 बजे से 17.11.2025 को सांयः 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथी	18.11.2025 को प्रातः 11:00 बजे

विस्तृत विवरण वेबसाईट urban.rajasthan.gov.in/uitudaipur, www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
UBN No. : ITU2526WSOB00312 To ITU2526WSOB00321
राज.संवाद/सी/25/13254 अधिशाषी अभियन्ता - चतुर्थ उदयपुर विकास प्राधिकरण

बस में महिला के जेवर चोरी

उदयपुर, (निसं)। बस में सवार महिला के जेवरात चोरी होने पर पीड़िता ने हाथीपोल पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। पीड़िता सुशीलाल पत्नी गौरव शर्मा निवासी कविता बडगांव ने दर्ज प्रकरण में बताया कि 4 नवंबर शाम घर लाने के लिए मैं मावली से बस में बैठकर रवाना हुई। जहां से चेतक मोहता पार्क पर उतरी। इस दौरान देखा तो बैग से जेवरात गायब थे। सोने का हार, चूड़ियां, रखड़ी सहित करीब 8 तोला सोने के जेवर एवं चांदी का कंदोरा, अंगूठी, बिछियां गायब थी। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन लि.
रजि. कार्यालयः डी-ब्लॉक, स्वास्थ्य भवन, तिलक मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर, फोन नः 0141-2228060-61, फैक्स नः 0141-2228065, ई-मेल : edf-rmsc-rj@nic.in, CIN: U24232RJ2011SGC035067, Website : rmsc.health.rajasthan.gov.in
क्रमांक :- एफ.3( )/आरएमएससी/भण्डार/पैकर्स/2025-26/1209 दिनांक :- 29/10/2025
अल्पकालीन ई-निविदा सूचना 05/2025
जॉब आधारित पैकर्स/हेल्पर्स सेवा कार्य हेतु ई-निविदा सूचना वित्तीय वर्ष 2025-26 एवं 2026-27 के 12 माह की अवधि के लिए
निगम द्वारा 12 माह हेतु जॉब आधारित पैकर्स/हेल्पर्स सेवा कार्य की दर संविदा हेतु प्रतिष्ठित एवं अनुभवी सेवा प्रदात्ता संस्थाओं/फर्मो से ई-निविदाएँ निम्न विवरणानुसार आमंत्रित की जाती है:-

क्र. सं.	विवरण	अनु. राशि (₹ लाखों में)	बोली प्रतिभूति (bid security) (₹ लाखों में)	ई-निविदा शुल्क (₹)	RISL प्रोसेसिंग फीस (₹)	ई-निविदा प्रपत्र विक्रय की प्रारम्भ तिथि एवं समय	प्री-बिड मीटिंग की तिथि व समय	ई-निविदा प्रपत्र विक्रय की अंतिम तिथि एवं समय	ई-निविदा प्रपत्र प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय	ई-निविदा प्रपत्र (तकनीकी बिड) खोलने की तिथि एवं समय
1.	जॉब आधारित पैकर्स/हेल्पस सेवा कार्य	519.00	10.38	2360.00 (2000+18% GST)	2950.00 (2000+18% GST)	29.10.2025 05.00 PM बजे	03.11.2025 3.30 बजे	10.11.2025 06.00 PM बजे तक	11.11.2025 03.00 PM तक	11.11.2025 05.00 PM तक

ई-निविदा प्रपत्र वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है एवं वेबसाईट www.dipronline.org, sppp.rajasthan.gov.in एवं rmsc.health.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। ई-निविदा ऑनलाईन इलेक्ट्रोनिक्स फोरमेट में वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर ही प्रस्तुत की जाएगी। (UBN No-MSC2526SLRC00043) ई-निविदा प्रपत्र शुल्क राशि Rs.2360-00 (2000+18%GST), RISL प्रोसेसिंग फीस राशि Rs. 2950.00 (2000+18%GST) व बोली प्रतिभूति राशि Rs. 10.38 लाख के अलग-अलग डी.डी./बी.सी. दिनांक 11.11.2025 समय दोपहर 3.00 बजे तक निगम कार्यालय में जमा करवाना आवश्यक है।
राज.संवाद/सी/25/13350 कार्यकारी निदेशक (वित्त), आरएमएससी

सार-समाचार

बाबा रामदेव के जीवन पर कथा आज से

पोकरण, (निसं)। बाबा रामदेव सेवा समिति, रामदेवरा के तत्वावधान में सामाजिक समरसता के प्रणेता लोकदेवता बाबा रामदेव की जीवनलीला पर आधारित भव्य संगीतमय कथा का आयोजन आगामी 8 नवंबर से 17 नवंबर तक गांधीनगर (गुजरात) में किया जा रहा है। कथा आयोजन की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। कथा स्थल पर भक्तों के बैठने के लिए विशाल डोम तैयार किया गया है, वहीं बुजुर्ग भक्तों के लिए कुर्सियों की विशेष व्यवस्था की गई है। कथा का शुभारंभ शनिवार को विधिवत पूजा-अर्चना के साथ किया जाएगा। आयोजन के अंतिम दिन 17 नवंबर को प्रात:काल रामदेव महायज्ञ का आयोजन भी किया जाएगा। रामदेव भक्त संगम गुजरात के अध्यक्ष प्रकाश कुमार एम. बारोट ने बताया कि कथा प्रवचन स्वामी मूल योगिराज महाराज तथा साध्वी शशि गौतम द्वारा प्रस्तुत किए जाएंगे। कथा का समय दोपहर 1 बजे से शाम 4 बजे तक तथा संतवाणी रात्रि 8 से 10 बजे तक निर्धारित किया गया है। इस भव्य आयोजन में रामदेवरा से बापू आनंद सिंह तंवर की विशेष उपस्थिति रहेगी। समिति के सचिव खेतमल शर्मा, महेंद्र कुमार मारू, महंत मुन्नूदास महाराज, महंतश्री नारायणदास रांधेजा, हर्षद भाई चराडा, हितेंद्र कुमार रखियाल तथा स्थानीय संपर्ककर्ता धर्मेंद्र भाई पटेल (एलेक्सोन) सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने कई दिनों की अथक मेहनत से तैयारियों को अंतिम रूप दिया है। यह आयोजन भक्तों के लिए एक आध्यात्मिक उत्सव का अवसर लेकर आया है, जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल होकर कथा का श्रवण करेंगे। कथा प्रवक्ता स्वामी मूल योगिराज महाराज और साध्वी शशि गौतम के गांधीनगर पहुंचने पर समिति अध्यक्ष आनंद सिंह तंवर, धर्मेंद्र भाई पटेल, प्रकाश बारोट, खेतमल शर्मा सहित अन्य पदाधिकारियों ने उनका माल्यार्पण कर स्वागत किया।

अपात्र स्वेच्छा से नाम हटा सकेंगे 31 तक

जालोर, (कासं)। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के निर्देशानुसार राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के अन्तर्गत चयनित सक्षम व्यक्तियों की ओर से स्वेच्छा से नाम पृथक करवाने के लिए गिव अप अभियान 31 दिसम्बर तक चलाया जा रहा है। जिला रसद अधिकारी आलोक झरवाल ने खाद्य एवं नागरिक विभाग द्वारा चलाए जा रहे गिव अप अभियान के अंतर्गत जिले के प्रवर्तन अधिकारी व निरीक्षकों तथा उचित मूल्य दुकानदारों को अपने-अपने क्षेत्र के राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना में जुड़े अपात्र लाभार्थियों को स्वेच्छा से खाद्य सुरक्षा योजना से हटने के लिए प्रेरित करने के निर्देश देते हुए कहा कि कोई भी अपात्र लाभार्थी इस अभियान में खाद्य सुरक्षा योजना से स्वेच्छा से हटने से वंचित न रहें। उन्होंने समस्त उचित मूल्य दुकानदारों को निर्देशित किया कि यदि उनके द्वारा इस संबंध में कार्यवाही स्थिति शून्य पाई गई तो उनके विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। पात्र और वंचित लोग ही खाद्य सुरक्षा से जुड़े, यह सुनिश्चित करना प्रवर्तन एजेंसी का दायित्व है। एजेंसी पात्रता का सत्यापन जांच डोर-टू-डोर करने के साथ नए जुड़े लाभार्थियों की पात्रता की नियमित मॉनिटरिंग करेंगी। दुकानदार अपात्र लोगों की सूची बनाकर सार्वजनिक स्थानों, पंचायत समितियों, नगर पालिकाओं, कलेक्ट्रेट, रसद कार्यालय में चस्पा की जाएगी, उन्हें नोटिस दिए जाएंगे और गेहूँ वसूली की विधिक कार्रवाई शुरू की जाएगी। अपात्रों को चिन्हित करने की प्रक्रिया निरन्तर जारी है। 31 दिसम्बर तक स्वेच्छा से गिव-अप ही करने वाले अपात्र लाभार्थियों से 1 जनवरी, 2026 से 30 रूपये 57 पैसे प्रति किलोग्राम गेहूँ की दर से वसूली की जायेगी। गिव अप अभियान में जिले के अब तक 10860 राशनकार्ड धारकों द्वारा स्वेच्छा से खाद्य सुरक्षा छोड़ी गई है।

जनजातीय गौरव दिवस मनाया

पाली, (नि.सं.)। जिले के पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय जोजावर पाली में जनजातीय गौरव दिवस धूमधाम से मनाया गया। भारत सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देश अनुसार विद्यालय में कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस में जननायक भगवान बिरसा मुण्डा की 150 वीं जयन्ती के अवसर पर 1 नवम्बर से 15 नवम्बर तक जनजातीय पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। प्रतिदिन इससे सम्बन्धित कार्यक्रमों का आयोजन विद्यालय के बहुउदेशीय कक्ष में किए जा रहे है जिसमें पोस्टर बनाना, भाषण प्रतियोगिता, आदिवासी नृत्य आदि शामिल हैं। इस अवसर पर बिरसा मुण्डा के जीवन से सम्बन्धित प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया। विद्यालय के प्राचार्य डी.सी. गुप्ता ने भगवान बिरसा मुण्डा के जीवन से सीख लेने की प्रेरणा प्रदान की तथा कहा कि आज के युग में युवाओं को नि:स्वार्थ भाव से राष्ट्र व समाज की उन्नित में योगदान देना चाहिए। कार्यकम प्रभारी मोनिका चलाना इतिहास शिक्षिका ने स्पष्ट किया कि उन्होनें भारतीय आजादी के लिए दिए योगदान को भुलाया नहीं जा सकता है हम सभी को उनके पदचिन्हों पर चलकर आगे बढ़ने की आवश्यकता है। विद्यालय के भूगोल शिक्षक उमाकान्त पारीक ने भगवान बिरसा मुण्डा के जीवन पर पूर्ण प्रकाश डाला एवंम राष्ट्रगीत की रचना एवं उसके महत्व के विषय में बताते हुए सभी छात्र-छात्राओं को सीख लेने की प्रेरणा दी। दिल्ली से प्रसारित कार्यक्रम को बच्चों को दिखाया गया जिसमें प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी के उद्बोधन को छात्र-छात्राओं ने सुना एवं देखा राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने पर उसके वर्तमान में महत्व एवं उसकी सार्थकता को समझा। कार्यक्रम की सम्पूर्ण योजना मोनिका चलाना, उमाकान्त पारीक एवं लक्ष्मण शर्मा ने तैयार की समस्त कार्यक्रम का संचालन विधि शर्मा संगीत शिक्षिका ने किया।

गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम का निरीक्षण

पाली,(नि.सं.)। निर्वाचन आयोग जिला निर्वाचन अधिकारी एलएनमंत्री के निर्देशानुसार जिले में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत इसके तहत बीएलओ घर घर जाकर जिले में विधानसभाओं में ईफ फार्म का वितरण कर रहे है। शुक्रवार को सोजत उपखण्ड क्षेत्र के बागावास व धाकडी का निरीक्षण कर बूथ लेवल अधिकारी को आवश्यक निर्देश दिए। उपखण्ड अधिकारी व निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी मांसिगाराम जांगिड़ ने बताया कि सोजत क्षेत्र में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। जिसे लेकर शुक्रवार को बुथ संख्या 215 बागावास, बुथ संख्या 204 व 205 धाकड़ी का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मतदाता सूची में गहन निरीक्षण कार्य के लिए ईएफफॉर्म, एंट्री, जानकारी देना, फॉर्म संग्रहण, मैपिंग आदि कार्यों की जानकारी ली तथा संबंधित बीएलओ को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही संबंधित बीएलओ को निर्देशित किया कि वे घर-घर जाकर मतदाताओं का डेटा संकलन, परिगणना प्रपत्रों की पूर्ति एवं मैपिंग कार्य को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करें ताकि अभियान का लक्ष्य समय पर हासिल किया जा सके। इस दौरान बुथ लेवल अधिकारी अभिषेक गुप्ता व महेन्द्र आसेरी उपस्थित रहे।

हादसे में घायल महिला का निधन

जोधपुर, (कासं)। बनाड़ स्थित थबूकड़ा गांव की सरहद में 24 अक्टूबर को सड़क हादसे में आरएसी के रिटायर्ड एक हैड कांस्टेबल की दर्दनाक मौत के बाद अस्पताल में भर्ती उनकी पत्नी की अब मौत हो गई। उनके पुत्र की तरफ से अज्ञात कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कराया गया है। पुलिस की तरफ से जांच की जा रही है। बनाड़ थाने के हैडकांस्टेबल श्यामलाल ने बताया कि भोपालगढ़ के बिराणी निवासी राणाराम विश्रोई आरएसी के हैडकांस्टेबल पद से सेवानिवृत हुए थे। 24 अक्टूबर को वे अपनी पत्नी के साथ गांव से थबूकडा की तरफ बाइक पर निकल रहे थे। तब रास्ते में किसी कार चालक ने चपेट में ले लिया था। हादसे में राणाराम विश्रोई की उसी दिन मौत हो गई थी। उनकी पत्नी हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गई। जिनका एमडीएम अस्पताल में उपचार चल रहा था, अब उनकी भी मौत हो गई। हैडकांस्टेबल श्यामलाल ने बताया कि मृतक के पुत्र राकेश विश्रोई ने अज्ञात कार चालक के खिलाफ रिपोर्ट दी है।

परिगणना प्रपत्र से संबंधित जानकारी दी

जालोर, (कासं)। जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम-2026 (एसआईआर) के अंतर्गत बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर परिगणना प्रपत्र वितरण व संग्रहण करने का कार्य प्रारंभ किया गया है जो 4 दिसम्बर तक चलेगा। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. प्रदीप के. गावंडे ने गुरुवार सायंकाल जिले के आहोर क्षेत्र के सांकरणा में पहुँच मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम-2026 को लेकर बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर मतदाताओं से किया जा रहे संपर्क एवं इनुमेरेशन फॉर्म वितरण व संग्रहण कार्य का अवलोकन किया तथा समुचित दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर उन्होंने मतदाताओं से तथा स्थानीय नागरिकों से एसआईआर को लेकर चर्चा की तथा एसआईआर के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने मतदाताओं व उपस्थित जनों से एसआईआर को लेकर बीएलओ से जानकारी प्राप्त करने, परिगणना प्रपत्र भर व नवीन फोटो चस्पा कर जमा करवाने तथा बीएलओ का सहयोग करने एवं एसआईआर के दौरान अधिकतम भागीदारी निभाने की अपील की। इस अवसर पर आहोर उपखण्ड अधिकारी रोहित चौहान व आहोर तहसीलदार लधाराम पंवार उपस्थित रहे।

कृषि भूमि पर अवैध कॉलोनी व अतिक्रमण हटेंगे : राजावत

बाड़मेर, (नि.सं.)। नगर विकास न्यास बाड़मेर के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि भूमि पर बसी अवैध कॉलोनियों एवं अतिक्रमणों को 13 नवंबर से हटाने की कार्यवाही की जाएगी। इसके लिए अतिक्रमियों को सार्वजनिक सूचना के जरिए अतिक्रमण हटाने के लिए कहा गया है। ऐसा नहीं करने पर यूआईटी की ओर से कार्यवाही करते हुए अतिक्रमण हटाए जाएंगे।

नगर विकास न्यास के सचिव श्रवणसिंह राजावत ने बताया कि सामान्य तौर पर ऐसी शिकायतें प्राप्त हो रही है कि कृषि भूमि का बिना विधिक रूप से भू-उपयोग परिवर्तन, संपरिवर्तन कराए गैर कृषि उपयोग किया जा रहा है। साथ ही आवासीय कॉलोनी काट कर भूखंडों का विक्रय किया जा रहा है जो कि विधि विरूद्ध है। उन्होंने बताया कि नगर विकास न्यास, बाड़मेर के क्षेत्राधिकार के ग्राम बाड़मेर शहर, बीदासर, बाड़मेर आगोर, बाड़मेर मगरा, लालाणियो की ढ़ाणी, उदय नगर, उतरलाई, चकलाणी, बेरीवाला गांव, कुड़ला, जालीपा, हापो की ढ़ाणी, गेंहू, सोमाणियो की ढ़ाणी, लंगेरा, डीगड़ा, बाड़मेर गादान, सांसियो का तला, आदर्श महाबार, महाबार, शिवकर अजब नगर, बाड़मेर आदर्श आगोर आदि में बिना संपरिवर्तन (राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क के अधीन कृषि भूमि से गैर कृषिक प्रयोजनार्थ) अवैध रूप से आवासीय कॉलोनी बसाने के साथ अन्य प्रकार से अवैध निर्माण कार्य करवाए गए है। उन्होंने बताया कि इन इलाकों में आवासीय कॉलोनी, रहवासी मकान, कंपनियों, संस्थाओं, वाणिज्यिक (ग्राम आबादी को छोड़कर) आदि प्रयोजनार्थ जो भी बाड़मेर मास्टर प्लान के विरूद्ध एवं बिना संपरिवर्तन तथा राजकीय भूमि पर किए गए अतिक्रमण पर अतिक्रमियों पर राजस्थान भू राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क, राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 राजस्थान नगर सुधार प्रन्यास अधिनियम, 1959 के तहत कार्यवाही तत्काल अमल में लाई जाएगी। नगर विकास न्यास सचिव राजावत ने बताया कि बाड़मेर शहर में यातायात को सुगम एवं सुव्यवस्थित करने के उद्देश्य से सड़कों का वर्गीकरण क्रमश: राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्ग, बाईपास 200 फीट (60 मीटर), प्रमुख सड़कें 120 फीट (36 मीटर), उप प्रमुख सड़के 100 फीट (30 मीटर), मुख्य सड़के 80 फीट (24मीटर) एवं अन्य मार्ग 60 फीट (18 मीटर) चौड़ी प्रस्तावित है। इसके अनुसार राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्ग, प्रमुख बाईपास मार्ग के दोनों ओर सड़क के मध्य से मार्गाधिकार की दूरी रखते हुए, सर्विस रोड़ रखी जानी है। उन्होंने बताया कि इस सर्विस रोड़ के बाहर की तरफ दोनों ओर विद्युतीकरण एवं हरियाली के लिए 5-10 मीटर अथवा मार्गाधिकार की समुचित चौड़ाई के अनुपात में अतिरिक्त क्षेत्र छोड़ा जाना है। नगरीयकरण योग्य क्षेत्र के बाहर सभी बाईपास, राजमार्गों, बाह्य मार्गों के सहारे सभी विकासकर्ताओं की ओर से इन मार्गों के मार्गाधिकार के पश्चात् 100 फीट चौड़ी पट्टी सघन वृक्षारोपण के लिए छोड़नी होगी तथा इस पट्टी के बाद समस्त अनुज्ञेय विकास कार्य सक्षम प्राधिकारी की ओर से जारी स्वीकृति के पश्चात् ही किए जा सकेंगे। उन्होंने बताया कि बाड़मेर-जैसलमेर रोड़, बाड़मेर-जोधपुर रोड़, बाड़मेर-सांचोर रोड़, बाड़मेर-गडरारोड़ रोड़, बाड़मेर-महाबार-सफेद आकड़ा रोड़, बाड़मेर रिंग रोड, बाड़मेर-गेंहू रोड, बाड़मेर-हापो की ढाणी, बाड़मेर-सिणधरी रोड़, बाड़मेर -उत्तरलाई रोड़ राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्ग, बाईपास, प्रमुख सड़कों एवं अन्य मार्ग पर किए गए अवैध निर्माण, अतिक्रमणों को 13 नवंबर से हटाने की कार्यवाही प्रारंभ की जाएगी। उन्होंने बताया कि उत्तरलाई एवं चकलाणी, लालाणियों की ढाणी एवं उदय नगर, बाड़मेर मगरा एवं बीदासर, हापों की ढाणी एवं जालीपा, अजबनगर एवं शिवकर, बेरीवाला गांव एवं कुड़ला, गेहूं एवं सोमाणियों की ढाणी, डिगड़ा एवं लंगेरा, सांसियों का तला एवं बाड़मेर गादान, बाड़मेर आदर्श आगोर एवं बाड़मेर आगोर, महाबार एवं आदर्श महाबार, बाड़मेर शहर में अवैध रूप से काटी जा रही कॉलोनी जो कि बाड़मेर मास्टर प्लान 2031 के विरूद्ध एवं बिना संपरिवर्तन के विकसित की गई अथवा की जा रही है, उसके विरूद्ध कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। यूआईटी सचिव राजावत ने बताया कि अंतिम सूचना, नोटिस के जरिए सर्व-साधारण को सूचित किया गया है कि वर्तमान में राज्य में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के उद्देश्य से मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में 03 नवंबर 2025 को आयोजित की गई बैठक में दिए गए निर्देशों के क्रम में तथा राजस्थान नगर सुधार प्रन्यास अधिनियम, 1959 के प्रावधानों के अनुसार न्यास क्षेत्राधिकार में अनाधिकृत कब्जा, बाधा हटाते हुए प्रन्यास को अनुपालना की लिखित सूचना प्रेषित करें। यदि इस सूचना की पालना करने में कोई आपत्ति अथवा कोई न्यायालय आदेश प्रभावी हो तो इसी अवधि में 12 नवंबर को प्रात: 11:30 बजे तक प्रन्यास कार्यालय में सही तथ्य मय दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। अन्यथा इस अवधि के उपरांत निर्धारित प्रावधानों के अन्तर्गत संबंधित के विरूद्ध प्रकरण दर्ज किया जाएगा। इस अवधि के पश्चात प्राप्त आपत्तियां विचारणीय नहीं होंगी तथा निर्धारित प्रावधानों के अंतर्गत संबंधित के विरुद्ध विधिक कार्यवाही की जाएगी।

एम.डी.एम. अस्पताल में हेलिकॉप्टर उतारने की कवायद शुरू

जोधपुर, (कासं)। मथुरादास माथुर (एमडीएम) हॉस्पिटल में गंभीर मरीजों को हेलिकॉप्टर से अस्पताल में एयर लिफ्ट करने की कवायद शुरू की गई है। इसे लेकर एमडीएम हॉस्पिटल के अधीक्षक डॉ. विकास राजपुरोहित ने सरकार को प्रस्ताव भेजा है। प्रस्ताव में मथुरादास माथुर हॉस्पिटल में एक हिस्से पर हेलिकॉप्टर लैंडिंग जोन बनाने का सुझाव दिया गया है। इसमें बड़ी दुर्घटनाओं और गंभीर मरीज को तुरंत एयर लिफ्ट कर अस्पताल लाकर इलाज शुरू करने को लेकर बताया गया है।

दरअसल जैसलमेर में हुए बस हादसे के घायलों को सड़क मार्ग के जरिए जोधपुर के सरकारी हॉस्पिटल लाया गया था। यदि एयर लिफ्ट की सुविधा होती तो कई मरीजों को समय से पहले हॉस्पिटल लाया जा सकता था। इससे समय पर इलाज मिलने से उनकी जान बच सकती थी। इसके अलावा सडक़ दुर्घटनाओं की स्थिति में घायलों को जोधपुर तक लाने में लंबा समय भी लग जाता है।

ऐसे में यदि सरकार की ओर से प्रस्ताव को मंजूरी मिलती है और काम शुरू होता है तो दुर्घटना की स्थिति में मरीजों को जल्द इलाज मिलने की उम्मीद जागेगी। इससे घायलों के बचने की उम्मीदें बढ़ जाएगी।

अस्पताल अधीक्षक डॉ. विकास राजपुरोहित ने बताया कि यह प्रस्ताव उच्च अधिकारियों के निर्देशों पर तैयार किया गया है और जल्द मंजूरी मिलने की संभावना है।

डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. बीएस जोधा इस प्रोजेक्ट की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। हेलीपैड को अस्पताल की छत पर या टॉवर परियोजना से जोडऩे की योजना है।

पी.एन.बी. एटीएम में अन्य मशीनरी लगाकर रुपए निकाले

जोधपुर, (कासं)। शहर के चौपासनी हाउसिंग बोर्ड स्थित एक टावर के नजदीक आई पंजाब नैशनल बैंक के एटीएम से छेड़छाड़ किए जाने का प्रकरण सामने आया है। शातिर युवकों ने एटीएम मशीनरी से छेड़छाड़ कर अन्य उपकरण फिट कर दिया और ग्राहकों के पैसे निकाल लिए। पूरा घटनाक्रम सीसीटीवी फुटेज में नजर आया है। मामला 25 सितंबर का है, मगर शाखा प्रबंधक अभिनंदन लूणावत की तरफ से प्रतापनगर थाने में अब रिपोर्ट दी गई है।

रिपोर्ट में लूणावत ने बताया कि वे चौपासनी हाउसिंग बोर्ड स्थित विनोद टावर के पास पंजाब नैशनल बैंक में शाखा प्रबंधक के तौर लगे है। शाखा के ग्राहक नवीन मेहरा द्वारा एक शिकायत मिली थी। उन्होंने 25 सितंबर 25 को शाखा पर लगे एटीएम से 1005 पर 7000 रुपए निकाले मगर उनका खाता डेबिट हो गया, लेकिन एटीएम से पैसे नहीं निकले।

इस शिकायत पर एटीएम मशीन के कमरें में लगे सीसीटीवी कैमरा में रिकॉर्डेड फुटेज के अवलोकन किया गया। तब यह जानकारी प्राप्त हुई कि उस को रात करीबन 9 बजे 2 अज्ञात व्यक्ति उस एटीएम रूम में आए और उनके द्वारा एटीएम मशीन में कोई अन्य उपकरण एटीएम मशीन पर लगा कर चले गए और बाद में रात लगभग 09 बजकर 43 मिनट तथा 11 बजकर 49 मिनट पर यह दोनों पुन: उसी एटीएम पर वापस आए और इनके द्वारा जो पहले उपकरण लगाया गया था उसकी मदद से ग्राहकों के एटीएम में फंसे रुपये निकाल लिए और चले गए।

शातिरों द्वारा की गई कारस्तानी से यह भी पता लगा कि एटीएम मशीन से छेड़छाड़ कर अन्य उपकरण लगा दिया गया। ग्रााहक के पैसे एटीएम मशीन में फंस जाते और फिर वे मौका लगने पर आते रूपए निकाल कर ले गए। प्रतापनगर पुलिस फुटेज से बदमाशों की पहचान के साथ तलाश में जुटी है।

केंद्रीय कारागार में मिले दो मोबाइल फोन

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर केंद्रीय कारागार में जेल प्रशासन के सर्च अभियान में बैरिक संख्या एक की दीवार के पास नाली में दो मोबाइल मिले। संभवत: किसी बंदी या कैदी ने मोबाइल नाली में डाल दिए होंगे।

रातानाडा थानाधिकारी दिनेश लखावत ने बताया कि जोधपुर जेल प्रशासन की तरफ से 6 नवंबर को जेल में सर्च अभियान चलाया गया। तब जेल के वार्ड नंबर 11 की बैरिक संख्या 1 में दीवार के पास नाली में दो मोबाइल नजर आने पर जब्त किए गए। संदेह है कि किसी बंदी या कैदी ने उक्त मोबाइल को नाली फेंक दिए। जेल प्रशासन की तरफ से रिपोर्ट दी गई।

गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम जारी

बाड़मेर,(नि.सं.)। बाड़मेर जिले में निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम जारी है।

इसके तहत शुक्रवार को उप जिला निर्वाचन अधिकारी राजेन्द्रसिंह चांदावत, बाड़मेर उपखंड अधिकारी यशार्थ शेखर, शिव उपखंड अधिकारी यक्ष चौधरी समेत विभिन्न प्रशासनिक अधिकारियों ने विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में संबंधित बीएलओ की ओर से गणना प्रपत्रों के वितरण एवं संग्रहण कार्य का निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने बीएलओ के घर-घर विजिट, गणना प्रपत्र वितरण एवं बीएलओ एप में मतदाताओं की मैपिंग की स्थिति का जायजा भी लिया।

कोठा के विद्यालय में शिक्षा व स्वच्छता पर जोर

राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय कोठा में अतिथियों ने सुविधाजनक पोर्टा केबिन उपलब्ध करवाकर विद्यार्थियों को स्कूल बैग व पानी की बोतलें वितरित की। फोटो-राष्ट्रदूत

जैसलमेर, (नि.सं.)। फतेहगढ़ तहसील के कोठा गांव के स्थानीय समुदायों के सर्वांगीण विकास, बच्चों की शिक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को सशक्त करते हुए सेरेंटिका रिन्यूएबल्स ने राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, कोठा में सेरेंटिका की पहल 'विकास' के तहत अत्याधुनिक पोर्टा केबिन और स्वच्छता सुविधा परिसर (शौचालय परिसर) का निर्माण कर विद्यालय के आधुनिकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

विद्यालय में वर्तमान में 150 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। हाल ही में विद्यालय की मुख्य इमारत खराब स्थिति में होने के कारण सरकारी अधिकारियों द्वारा सील कर दी गई थी जिससे शिक्षण कार्य बाधित हो गया था और विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही थी।

ऐसी परिस्थिति में सेरेंटिका रिन्यूएबल्स ने तुरंत पहल करते हुए विद्यालय परिसर में सुरक्षित, स्वच्छ और सुविधाजनक पोर्टा केबिन उपलब्ध कराए, ताकि बच्चों की शिक्षा निर्बाध रूप से जारी रह सके।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ, जिसमें अतिथियों के साथ विद्यालय के विद्यार्थियों ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। विद्यार्थियों द्वारा स्वागत गीत भी प्रस्तुत किया गया, जिसने समारोह में उत्साह और उल्लास का वातावरण बना दिया। इसके पश्चात अतिथियों ने फीता काटकर नवनिर्मित पोर्टा केबिन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को स्कूल बैग और पानी की बोतलें भी वितरित की गईं।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि बिग्यान परीजा (चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर सेरेन्टिका रिन्यूएबल्स), विशिष्ट अतिथि सलिल काले (भूमि अधिग्रहण प्रमुख), मुकेशकुमार (परियोजना प्रमुख अधिकारी), कर्नल विक्रम अयंगर (उद्यम सेवा प्रमुख), रिया कटारिया (सीएसआर प्रमुख), परीक्षित त्रिपाठी (निर्माण प्रमुख, रेज़ पावर) खम्माराम (एस.एच.ओ, झिनझिनयाली), बाबूराम (एस. एच. ओ, सांगड़), दातार सिंह (सरपंच), सुमेरसिंह (पूर्व प्रधान) सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

पाली में सांसद खेल महोत्सव

पाली, (नि.सं.)। सांसद खेल महोत्सव 2025 के तहत क्लस्टर की खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन श्रीमती चीमाबाई संचेती राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, मिल क्षेत्र, पाली में किया जा रहा है।

प्रधानाचार्य जयनारायण कड़ेचा ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खेलो भारत स्वस्थ भारत केविजन को साकार करने हेतु प्रात: 10 बजे क्लस्टर प्रतियोगिता का उद्घाटन कार्यक्रम के अतिथि पूर्व उपसभापति मूलसिंह भाटी, विधानसभा संयोजक सांसद खेल कूद प्रतियोगिता त्रिलोक चौधरी एवं प्रताप मंडल संयोजक अजय वैष्णव थे। पूर्व उपसभापति भाटी ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा की खेल हमारे जीवन का हिस्सा है। उन्होंने खेलों का महत्व एव मोबाइल के दुरुपयोग के बारे में बताया। सांसद खेलकूद के विधानसभा संयोजक चौधरी ने भी खिलाड़ियो को सच्ची खेल भावना से खेलने एव सांसद खेलकूद प्रतियोगिता के बारे में बताया। विद्यालय के शारीरिक शिक्षक प्रकाश शर्मा ने बताया कि आज खो-खो खेल के मैच का आयोजन किया गया जिसमे मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी दिलीप करमचंदानी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया एव शुभकामनाएं दी। प्रतियोगिता को विधिवत संपन्न करवाने हेतु विभाग द्वारा नियुक्त शारीरिक शिक्षक विक्रम सिंह, उपेन्द्र सिंह, नागपाल सिंह, किशोर चौधरी, अभिषेक जैतावत, देवी सिंह, लिपिका सरकार, विजय चौधरी, गुरप्रीत सिंह, मानवेन्द्र सिंह, देवी पटेल नियंत्रण कक्ष में नियुक्त रवीन्द्र कुमार जब्बर सिंह एव राकेश पंवार का सहयोग रहा।

आर्य वीर दिल्ली से जालोर लौटे

जालोर, (कासं)। दिल्ली में आयोजित हुए अन्तर्राष्ट्रीय महासम्मेलन मे जालोर के आर्यो ने सहभागिता निभाकर लोट आये है।

आर्य वीर दल के महामंत्री शिवदत्त आर्य ने बताया कि पिछले दिनों दिल्ली में हुए अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन में आर्य समाज जालोर का प्रतिनिधि मण्डल आर्य समाज के प्रधान दलपत सिंह आर्य व आर्य समाज लालपोल के प्रधान विनोद आर्य के नैतृत्व में शाखा नायक कन्हैयालाल मिश्रा, चंद्रशेखर शर्मा, छगननाथ गोस्वामी, निष्ठा जैन, चारु, डिम्पल, करीना, निशा, रेणुका, मनीषा, नैना, उर्मिला, अनुष्का, वैशाली, मानसी, सुनीता, वर्षा, कमलेश, तुषार, पियूष, आर्यन, कार्तिक वैष्णव, कार्तिक लोहार, हिमांशु, मनीष, गिरीश, ऋषभ, विनोद, रणसिंह, हितेश, विकास व सागर आर्य ने दिल्ली जाकर महासम्मेलन के विभिन्न योगसत्र, व्यायाम सत्र, यज्ञ हवन सत्र, आर्य वीर वीरांगना सत्र, गुरू कुल सत्र, कवि सम्मेलन आदि विभिन्न सत्रों और कार्यक्रम में सहभागिता निभाई। उन्होंने ने बताया कि प्रतिनिधि मण्डल ने सायं काल 11111 कुण्डीय हवन यज्ञ में यजमान बनकर आहुतियां प्रदान की। द्वितीय दिवस सवेरे आसन प्राणायाम, आठ बजे विशाल यज्ञ में व दोपहर मे प्रधानमंत्री की जनसभा में रहे। रात्रि आर्य वीर वीरांगना दल के व्यायाम प्रदर्शन में दर्शक बनकर भाग लिया। तृतीय दिवस प्रात: योग व्यायाम सत्र एवं 8 बजे यज्ञ में भाग लेकर आहुतियां प्रदान की।

प्रभात फेरी सहित कई कार्यक्रम होंगे

बाड़मेर, (नि.सं.)। राष्ट्र गीत 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में देशभक्ति, स्वदेशी एवं राष्ट्रीय एकता की भावना सुदृढ़ करने के लिए रविवार को बाड़मेर जिला मुख्यालय सहित जिले में विभिन्न स्थानों पर कई कार्यक्रम होंगे।

जिला कलेक्टर टीना डाबी ने बताया कि इन कार्यक्रमों के तहत रविवार को सुबह 8 बजे अहिंसा सर्किल से शहीद स्मारक (सिणधरी चौराहा) तक प्रभात फेरी से देशभक्ति, स्वदेशी एवं राष्ट्रीय एकता की मजबूती का संदेश दिया जाएगा। इसके बाद शहीद स्मारक पर श्रद्धांजलि एवं पुष्पांजलि कार्यक्रम होगा। अहिंसा सर्किल से मल्लीनाथ सर्किल तक बाईक रैली का आयोजन किया जाएगा।

कार्यालय नगर परिषद् जैसलमेर (राज). 345001
क्रमांक/भूमि/2025-26/2179 दिनांक-07/11/25
-: प्रसारित नोटिस उजरदारी :-
01 श्री जय जगाणी पुत्र श्री अशोक जगाणी जाति ब्राहमण निवासी फ्लेट नं. डी 102 एस.आर. नम्बर 284/7 एरोपोलीस पुणे सिटी महाराष्ट्र 02. श्रीमती रोमा जगाणी पत्नि श्री जय जगाणी जाति ब्राहमण निवासी फ्लेट नं. डी 102 एस.आर. नम्बर 284/7 [illegible] जाति ब्राहमण निवासी नवखुणिया गांधी कॉलोनी जैसलमेर से जरिये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र से क्रय किया गया है उक्त भूखण्ड का नांमान्तरण 01 श्री जय जगाणी पुत्र श्री अशोक जगाणी जाति ब्राहमण निवासी फलेट न डी 102 एस.आर नम्बर 284/7 एरोपोलीस पुणे सिटी महाराष्ट्र 02. श्रीमती रोमा जगाणी पत्नि श्री जय जगाणी जाति ब्राहमण निवासी फलेट न. डी 102 एस.आर नम्बर 284/7 एरोपोलीस पुणे सिटी महाराष्ट्र द्वारा अपने नाम से दर्ज करवाना चाहते है । अत:इस सम्बन्ध मे किसी व्यक्ति/ पार्टी को कोई उजर ऐतराज हो तो वह इस कार्यालय में 7 दिवस के भीतर पेश करे अन्यथा बाद म्याद कोई उजर ऐतराज मान्य नही होगा तथा नामान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी । सूचित रहे
आयुक्त, नगर परिषद जैसलमेर

सिविल सेवा अपीलेट अधिकरण की स्थाई पीठ को लेकर हाईकोर्ट सख्त

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान उच्च न्यायालय के वरिष्ठ न्यायाधीश डॉ. पीएस भाटी एवं न्यायाधीश अनुरूप सिंघी की खंडपीठ ने राज्य सरकार और राजस्थान सिविल सेवा अपीलेट अधिकरण के अध्यक्ष के प्रति कड़ा रुख अपनाते हुए उन्हें 10 नवम्बर को न्यायालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का आदेश दिया है।

न्यायालय ने यह आदेश 19 जुलाई 2022 को पारित अपने पूर्व आदेश की प्रभावी पालना नहीं होने और उसके बाद दिए गए निर्देशों की अनदेखी करने पर जारी किया है। खंडपीठ ने स्पष्ट किया कि जोधपुर में अधिकरण की स्थाई पीठ का वास्तविक रूप से क्रियान्वयन नहीं होना न्यायालय के आदेशों का तिरस्कार है। साथ ही कहा कि उनके खिलाफ अवमानना कार्यवाही उनके जवाबी स्पष्टीकरण पर निर्भर करेगी।

यह आदेश राजस्थान हाईकोर्ट एडवोकेट्स एसोसिएशन की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया गया।

याचिका पर बहस करते हुए अधिवक्ता अनिल भंडारी ने बताया कि न्यायालय ने न्याय आपके द्वार की भावना को साकार करने के लिए 19 जुलाई 2022 को राज्य सरकार को निर्देश दिए थे कि जोधपुर क्षेत्र के लगभग सात हजार लंबित प्रकरणों को देखते हुए यहां अधिकरण की स्थाई पीठ गठित की जाए तथा तब तक प्रति माह 8 कार्यदिवस न्यायिक कार्रवाई की जाए। भंडारी ने बताया कि राज्य सरकार ने आदेश की पालना में 4 मई 2023 को स्थाई पीठ की अधिसूचना जारी कर दी थी, साथ ही स्टाफ और सदस्यों की नियुक्ति भी कर दी गई। इसके बाद 12 सितम्बर 2023 को अधिकरण ने जोधपुर का क्षेत्राधिकार तय करते हुए जोधपुर, उदयपुर, बीकानेर, पाली और बांसवाड़ा संभाग के प्रकरणों की सुनवाई जोधपुर में करने का आदेश दिया था। उन्होंने कहा कि सात अक्टूबर 2023 को जोधपुर पीठ हेतु गैर-न्यायिक सदस्य की नियुक्ति भी हो गई थी, फिर भी स्थाई पीठ का वास्तविक संचालन शुरू नहीं हुआ।

खंडपीठ ने राज्य सरकार से जब जोधपुर पीठ के एक वर्ष के कार्य दिवसों की जानकारी मांगी, तो यह देखकर अदालत ने आश्चर्य और असंतोष व्यक्त किया कि पूरे एक वर्ष में केवल 64 दिन ही न्यायिक कार्यवाही हुई। अधिवक्ता भंडारी ने कहा कि राज्य सरकार और अधिकरण अध्यक्ष, हाईकोर्ट के आदेशों की पालना में कोई रुचि नहीं दिखा रहे हैं।

वहीं, राज्य की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता महावीर बिश्नोई ने जनहित याचिका पर अंतिम सुनवाई की मांग की, लेकिन पीठ के समक्ष अधिकरण के क्रियान्वयन पर कोई स्पष्ट उत्तर नहीं दे सके। खंडपीठ ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा ढाई वर्ष पूर्व अधिसूचना जारी करने के बावजूद यदि आदेशों की वास्तविक पालना नहीं हुई है, तो यह न्यायालय के आदेशों का स्पष्ट तिरस्कार है। अत: न्यायालय ने राज्य के प्रमुख विधि सचिव और अधिकरण अध्यक्ष को व्यक्तिगत रूप से पेश होकर स्पष्टीकरण देने का आदेश दिया है, जिससे यह तय किया जा सके कि उनके खिलाफ अवमानना की कार्यवाही की जाए या नहीं।

सम्मेलन हुआ

भीनमाल, (निसं)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत विधानसभा क्षेत्र स्तरीय सम्मेलनों के क्रम में शुक्रवार को भीनमाल में विधानसभा क्षेत्र सम्मेलन हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व केबिनेट मंत्री लक्ष्मीनारायण दवे रहे।

आम सूचना
सूचना पत्र
क्रमांक : दिनांक 06.11.2025
हर खास व आम को सूचित किया जाता है कि मेरे असील श्री प्रकाश भारती पुत्र श्री किस्तुभारती जाति गोस्वामी, निवासी - रेवदर के स्वामीत्व के रेवदर स्थित आवासीय मकान के सम्बंध में सर्वाधिकार पत्र दिनांक 29.06.2017, जो श्रीमति छगनीदेवी धर्मपत्नि शंकरलाल जाति - पुरोहित निवासी आमलारी के पास था, उसे मेरे असील ने निरस्त कर दिया है । सर्वाधिकारपत्र दिनांक 29.06.2017 का अब कोई अस्तित्व नही रहा है ।
नगेन्द्रकुमार मेडतिया,
अधिवक्ता, सिरोही ।

कार्यालय नगर परिषद जालोर (राजस्थान)
(अस्पताल चौराहा, जोधपुर रोड, जालोर -343001)
Tel. (02973) 222270 E-mail : mbjalore24@yahoo.in
क्रमांक:- नपजा/राजस्व/2025/5327 दिनांक : 31/10/2025
॥ आपत्ति विज्ञप्ति ॥
श्री राहुल कुमार सांखला पुत्र श्री चम्पालालजी, जाति - माली, निवासी - सरदार पटेल मार्ग, जालोर ने एक भुखण्ड / मकान के उपविभाजन हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है । उक्त भुखण्ड जालोर की आबादी भुमि शान्ति नगर के खसरा नम्बर -2154, जालोर में आया हुआ है जिसका पट्टा कार्यालय उपखण्ड अधिकारी (कृ.भू.रुपा) जालोर द्वारा जरिये पट्टा सं.- 998, दिनांक 19.06.1990 को श्री बाबुलाल पुत्र जेरुपजी के नाम से जारी किया गया है । अत: श्री राहुल कुमार सांखला पुत्र श्री चम्पालालजी का आवासीय प्लॉट का क्षेत्रफल 1240 वर्गफीट का अपने नाम से उपविभाजन चाहा गया है उक्त आवासीय प्लॉट पडौस एवं चतुर्सीमा निम्न प्रकार है -
उत्तर :- रास्ता, यह भुजा 31 फीट है ।
दक्षिण :- रास्ता, यह भुजा 31 फीट है ।
पूर्व :- बुधगिरी का आवासीय प्लॉट, यह भुजा 40 फीट है ।
पश्चिम :- रमेश मेवाडा आवासीय प्लॉट, यह भुजा 40 फीट है।
अत: सर्वसाधारण को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि इस संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो उक्त सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस की अवधि में अपनी लिखित आपत्ति मय दस्तावेज साक्ष्य सहित निम्नहस्ताक्षकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है । निर्धारित समयावधि के पश्चात प्रस्तुत आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी। इस प्रकरण से संबंधित प्रार्थना पत्र व संलग्न दस्तावेजों का अवलोकन किसी भी कार्य दिवस को कार्यालय समय के दौरान इस कार्यालय के राजस्व अनुभाग में आकर किया जा सकेगा ।
अवगत रहें। आयुक्त
नगर परिषद, जालोर

मैट इस टीम का एक अहम सदस्य और हमारे तेज गेंदबाजी आक्रमण का सबसे अनुभवी अगुआ है, इसलिए वनडे और टेस्ट मैचों के लिए उनका टीम में वापस आना बहुत अच्छा होगा। - रॉब वाल्टर

न्यूजीलैंड के मुख्य कोच, मैट हेनरी की वापसी को लेकर बोलेते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

जहानारा आलम

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने तेज गेंदबाज जहानारा आलम द्वारा लगाए गए आरोपों की जांच करने के लिए एक कमेटी गठित करने का फ़ैसला किया है। जहानारा ने यह आरोप लगाया है कि 2022 वनडे विश्व कप के दौरान एक पूर्व चयनकर्ता का बर्ताव उनके साथ ठीक नहीं था। बोर्ड ने समिति को यह स्पष्ट आदेश दिया है कि वह 15 कार्यदिवसों के अंदर अपनी पूरी जांच रिपोर्ट और सुझाव सौंप दे। बीसीबी ने कहा है कि जांच कमिटी के रिपोर्ट के आधार पर उचित कार्रवाई की जाएगी। बीसीबी ने अपने बयान में कहा, ''बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड मीडिया में आई रिपोर्ट्स को लेकर चिंतित है।

क्या आप जानते हैं ?... भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने पहला टेस्ट क्रिकेट मैच 31 अक्तूबर 1976 को बैंगलोर में वेस्टइंडीज महिला क्रिकेट टीम के खिलाफ खेला था जबकि पहला एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय 1 जनवरी 1978 को कलकत्ता में।

आईसीसी बैठक में पहुंचे पीसीबी के अध्यक्ष मोहसिन

दुबई, 7 नवंबर। सभी तरह की अटकलों को विराम देते हुए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की आज हो रही बैठक में हिस्सा लेने पहुंचे। एशिया कप में विजेता भारतीय टीम को ट्रॉफी नहीं सौंपने के मुद्दे के बीच आज मोहसिन नकवी दुबई में स्थित आईसीसी के मुख्यालय पहुंचे। नकवी हाल ही में आईसीसी बैठक से दूर रहे हैं, जिसमें जुलाई में सिंगापुर में हुई सालाना कॉन्फ्रेंस भी शामिल है। इसलिए इस बार भी उनके आने को लेकर संदेह था। पीसीबी के प्रमुख पर हाल ही में भारत द्वारा जीती गई एशिया कप ट्रॉफी अपने पास रखने का आरोप है। वह आज अपराह्न आखिरी मिनट में आईसीसी की बैठक में पहुंचे। ऐसा माना जा रहा है कि बैठक में अनसुलझे मुद्दे पर चर्चा चल रही थी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि जब तक यह ट्रॉफी भारतीय टीम को नहीं दी जाती, तब तक वह चुप नहीं बैठेगा। आज शाम इसको लेकर गंभीर चर्चा होने की उम्मीद है।

अंतर्राष्ट्रीय वुशू खिलाड़ी मुकेश चौधरी, जहान्वी मेहरा व नीतिका बंसल का हुआ सम्मान

जयपुर, 7 नवम्बर। राष्ट्रगीत वन्देमातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में राजस्थान सरकार की ओर से आज दिनांक 07 नवम्बर 2025 को सवाई मानसिंह स्टेडियम, जयपुर पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम मे वुशू खिलाडियों को सम्मानित किया गया। हीरानंद कटारिया अध्यक्ष, राजस्थान वुशू संघ ने बताया कि माननीय श्रीमान भजनलाल शर्मा मुख्यमंत्री, राजस्थान सरकार व माननीय श्रीमान राज्यवर्धन सिंह राठोड खेलमंत्री, राजस्थान सरकार ने वुशू के अंतर्राष्ट्रीय खिलाडी मुकेश चौधरी को वर्ल्ड कप में स्वर्ण पदक, जहान्वी मेहरा को एशियन वुशू प्रतियोगिता में कांस्य पदक व नितिका बंसल को एशियन वुशू प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीत कर तिरंगे व देश का नाम रोशन करने पर सम्मानित किया गया।

ब्रिस्बेन में सीरीज कब्जाने उतरेगा भारत

ब्रिस्बेन, 7 नवंबर। शनिवार को गाबा में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सीरीज का आखिरी मैच धमाकेदार होने वाला है, जहां भारत 2-1 की मामूली बढ़त के साथ उतरेगा। दांव आसमान छू रहे हैं, और जहां ऑस्ट्रेलिया सीरीज बराबर करने के लिए पूरी ताकत झोंक देगा, वहीं भारत आत्मविश्वास के साथ इस निर्णायक मैच में सीरीज कब्जाने उतरेगा।

ऑस्ट्रेलिया के सामने एक कठिन चुनौती है। ट्रैविस हेड और जोश हेजलवुड की अनुपस्थिति में उनकी आक्रामक क्षमता कमज़ोर पड़ गई है। मिशेल मार्श को मार्कस स्टोइनिस, टिम डेविड और ग्लेन मैक्सवेल के साथ मिलकर भारत के खिलाफ आक्रमण की कमान संभालनी होगी।

गेंदबाज़ी में, नाथन एलिस और एडम जम्पा पर भारत की मजबूत लाइनअप को ध्वस्त करने की ज़िम्मेदारी होगी। गाबा में यह एक जानी-पहचानी कहानी है - घरेलू मैदान का फ़ायदा मायने रखता है, लेकिन भारत इस दौरे में किसी भी तरह का समझौता नहीं कर रहा है। इस बीच, भारत लय में है। अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा ने धमाकेदार प्रदर्शन किया है, जबकि शुभमन गिल और सूर्यकुमार यादव क्रीज पर संयम बनाए हुए हैं। वाशिंगटन सुंदर और जितेश शर्मा जैसे निचले क्रम के बल्लेबाज जरूरत पड़ने पर अपनी रणनीति बदल सकते हैं। जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह अगुआ बने हुए हैं और किसी भी साझेदारी को ध्वस्त करने में सक्षम हैं।

इतिहास बताता है कि गाबा लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम के पक्ष में है। पिछले पांच घरेलू टी20 मुकाबलों में सभी मैच बाद में बल्लेबाजी करने वाली टीम के नाम रहे हैं, और 180-190 के प्रतिस्पर्धी स्कोर के साथ, टॉस निर्णायक हो सकता है - खासकर जब बादल छाए हों और गरज के साथ बारिश हो सकती हो। उम्मीद है कि कप्तान नई गेंद का इस्तेमाल करेंगे।

अगर भारत पावरप्ले में अपनी क्षमता साबित कर सके और ऑस्ट्रेलियाई टीम को बैकफुट पर रख सके, तो उसके पास सीरीज़ 3-1 से अपने नाम करने का अच्छा मौका है। ऑस्ट्रेलिया को मैच में बने रहने के लिए शुरुआती सफलताओं और मार्श तथा डेविड के दमदार योगदान की जरूरत होगी।

दोनों टीमें जीत की भूखी हैं, ऐसे में प्रशंसक ब्रिस्बेन की रोशनी में एक रोमांचक टी20 मैच की उम्मीद कर सकते हैं। निर्णायक मैच एक साझेदारी, तेज गेंदबाजी या बाउंड्री की झड़ी पर निर्भर हो सकता है - और यही गाबा में क्रिकेट को इतना रोमांचक बनाता है।

टीमें - ऑस्ट्रेलिया: मिशेल मार्श, मैथ्यू शॉर्ट, जोश इंगलिस, टिम डेविड, जोश फिलिप, मार्कस स्टोइनिस, ग्लेन मैक्सवेल, बेन ड्वार्शुइस, जेवियर बार्टलेट, नाथन एलिस, एडम जम्पा, मिशेल ओवेन, मैथ्यू कुहनेमन, तनवीर संघा, महली बियर्डमैन।

भारत: अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, जितेश शर्मा, शिवम दुबे, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, संजू सैमसन, रिंकू सिंह, नितीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा।

प्रसिद्ध कृष्णा की अगुवाई में गेंदबाजों ने दिलाई भारत-ए को बढ़त

बेंगलुरु, 7 नवंबर। प्रसिद्ध कृष्णा (तीन विकेट), मोहम्मद सिराज और आकाश दीप (दो-दो विकेट) के बेहतरीन गेंदबाजी प्रदर्शन के दम पर भारत ए ने शुक्रवार को दूसरे अनौपचारिक टेस्ट मैच के दूसरे दिन दक्षिण अफ्रीका को पहली पारी में 221 के स्कोर पर समेटने के बाद स्टंप्स के समय पहली पारी में तीन विकेट पर 78 रन बना लिये है और उसकी कुल बढ़त 112 रनों की हो गई है। भारत ए के पहली पारी में 255 रन के स्कोर के जवाब में आज सुबह दक्षिण अफ्रीका ए बल्लेबाजी की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने मात्र आठ ओवर में 12 रन पर अपने तीन विकेट गंवा दिये। लेसेगो सेनोक्वाने (शून्य) और टेम्बा बावुमा (शून्य) को आकाश दीप ने, ज़ुबैर हम्ज़ा (आठ) को सिराज ने आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान मार्केस ऐकरमैन ने जॉर्डन हरमन के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। 26वें ओवर में प्रसिद्ध कृष्णा ने जॉर्डन हरमन (26) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद मार्केस ऐकरमैन को छोड़कर कोई भी दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज भारतीय गेंदबाजी आक्रमण का सामना अधिक देर तक नहीं कर सका। इस दौरान मार्केस ऐकरमैन ने अपना शतक पूरा किया। प्रीनेलान सुब्रायेन (20) रनआउट हुये। 48वें ओवर की तीसरी गेंद पर हर्ष दुबे ने मार्केस ऐकरमैन को आउट कर 221 के स्कोर पर दक्षिण अफ्रीका की पारी का अंत कर दिया। इसी के साथ भारत ए को 34 रनों की बढ़त मिल गई। मार्केस ऐकरमैन ने 118 गेंदों में 17 चौके और पांच छक्के लगाते हुए 134 रन बनाये। भारत ए के लिए प्रसिद्ध कृष्ण ने तीन विकेट लिये। मोहम्मद सिराज और आकाश दीप को दो-दो विकेट मिले। कुलदीप यादव और हर्ष दुबे ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इसके बाद दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी भारत ए की शुरुआत खराब रही और उसने दूसरे ही ओवर में अभिमन्यु ईश्वरन (शून्य) का विकेट गंवा दिया। उन्हें ओकुह्ले सेले ने पगबाधा आउट किया। भारत का दूसरा विकेट साई सुदर्शन (23) के रूप में गिरा। उन्हें टियान वैन वुरेन ने पगबाधा आउट किया। 23वें ओवर में ओकुह्ले सेले ने देवदत्त पड़िक्कल (24) को आउटकर भारत ए को तीसरा झटका दिया। दिन का खेल समाप्त होने के समय भारत ए ने तीन विकेट पर 78 रन बना लिये है और उसकी कुल बोत 112 रनों की हो गई है। केएल राहुल (नाबाद 26) और कुलदीप यादव बिना खाता खोले क्रीज पर मौजूद थे। दक्षिण अफ्रीका के लिए ओकुह्ले सेले ने दो विकेट लिये। टियान वैन वुरेन को एक विकेट मिला।

भारत ने हांगकांग सिक्सर्स में पाक को दो रन से हराया

हांगकांग, 7 नवंबर। रॉबिन उथप्पा (28), भरत चिप्ली (24) की शानदार बल्लेबाजी के दम पर भारत ने शुक्रवार को हांगकांग सिक्सर्स टूर्नामेंट 2025 के पूल सी के वर्षा बाधित मुकाबले में डकवर्थ-लुईस पद्धित से पाकिस्तान को दो रनों से शिकस्त दी। आज यहां पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह ओवर में चार विकेट पर 86 रन बनाए, जिसमें रॉबिन उथप्पा के 11 गेंदों में 28 रन और भरत चिप्ली के 13 गेंदों में 24 रनों का योगदान दिया। इसके अलावा कप्तान दिनेश कार्तिक ने छह गेंदों में नाबाद 17 रन बनाकर भारत को एक प्रतिस्पर्धी स्कोर तक पहुंचाया। वर्षा बाधित इस मैच में, भारत ने धैर्य बनाए रखते हुए करीबी जीत हासिल की। पाकिस्तान के लिए मोहम्मद शहजाद ने दो विकेट लिये। अब्दुल समद ने एक बल्लेबाज को आउट किया। पाकिस्तान की पारी की शुरुआत अच्छी रही और तीन ओवर के बाद जब उसका स्कोर एक विकेट पर 41 रन था, तभी भारी बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा। उसके बाद खेल नहीं हो सका और डीएलएस पद्धित के अनुसार पाकिस्तान को दो रन हार का सामना करना पड़ा।

धोनी आईपीएल 2026 में खेलेंगे : सीएसके

चेन्नई, 7 नवम्बर। एमएस धोनी का आईपीएल से संन्यास अभी बाकी है और भारत के इस महान क्रिकेटर का अगले सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए खेलना तय है। इस बात की पुष्टि खुद फ्रेंचाइजी की ओर से हुई है, सीईओ काशी विश्वनाथन ने क्रिकबज को बताया, ''यह सही है,'' जबकि जानकारी सामने आई है कि संजू सैमसन का व्यापार मुद्दा फिर से सीएसके की चर्चा का विषय बन गया है। विश्वनाथन, जो 2008 में फ्रेंचाइजी की स्थापना के बाद से ही इसके साथ जुड़े हुए हैं - बिल्कुल धोनी की तरह - ने हाल ही में एक युवा प्रशंसक को आगामी सीजन के लिए सीएसके के इस करिश्माई खिलाड़ी की उपलब्धता के बारे में बताया। शुक्रवार को, उन्होंने इस वेबसाइट से बात दोहराते हुए कहा, ''एमएस ने हमें बताया है कि वह अगले सीजन के लिए उपलब्ध रहेंगे।'' धोनी की तरह, विश्वनाथन भी पांच बार की चैंपियन टीम की रीढ़ रहे हैं और फ्रेंचाइजी के मालिक एन श्रीनिवासन के करीबी विश्वासपात्र भी हैं। हालाँकि पिछले कुछ वर्षों से धोनी (44) का आईपीएल में खेलना किसी भी सीजन से पहले एक बार-बार उठने वाला सवाल रहा है, लेकिन सीएसके के सीईओ की पुष्टि से कम से कम 2026 के संस्करण के लिए अटकलों पर विराम लग जाना चाहिए।

मैट हेनरी की न्यूज़ीलैंड टीम में वापसी

आकलैंड, 7 नवम्बर। मैट हेनरी वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए न्यूज़ीलैंड टीम में वापसी कर रहे हैं। हेनरी पिछले हफ़्ते पिंडली में खिंचाव के कारण इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी दो वनडे मैचों में नहीं खेल पाए थे और फिलहाल वनडे और उसके बाद होने वाली तीन मैचों की टेस्ट सीरीज की तैयारी के लिए रिहैबिलिटेशन प्रोग्राम से गुजर रहे हैं। इस बीच, 32 वर्षीय ब्लेयर टिकनर, जिन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे और तीसरे वनडे में लगातार प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार जीता था, टीम में अपनी जगह बरकरार रखते हैं। टिकनर ने दो मैचों में 12.25 की औसत से आठ विकेट लिए थे। उस सीरीज से पहले, टिकनर ने 2023 के बाद से न्यूज़ीलैंड के लिए कोई वनडे मैच नहीं खेला था। हालांकि, न्यूज़ीलैंड की चोटों की सूची लंबी होती जा रही है, मोहम्मद अब्बास (पसलियां), फिन एलन (पैर), लॉकी फर्ग्यूसन (हैमस्ट्रिंग), एडम मिल्ने (टखना), विल ओरूर्के (पीठ), ग्लेन फिलिप्स (ग्रोइन) और बेन सियर्स (हैमस्ट्रिंग) चोट के कारण उपलब्ध नहीं हैं। केन विलियमसन को चयन के लिए नहीं चुना गया क्योंकि वह 2 दिसंबर से शुरू होने वाली टेस्ट सीरीज की तैयारी शुरू कर रहे हैं।

राजधानी

हमारे शत्रु बाहरी नहीं हैं, इस बात को समझने की जरूरत है : राज्यसभा सांसद मीनाक्षी जैन

सांसद जैन ने जयपुर डायलॉग की ''शत्रुबोध'' थीम पर 10वीं तीन दिवसीय समिट के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। जानी-मानी इतिहासवेत्ता और राज्यसभा सांसद मीनाक्षी जैन ने कहा कि हमारे शत्रु बाहरी नहीं हैं, इस बात को समझने की जरूरत है। वे शुक्रवार को जयपुर के जवाहरलाल नेहरू मार्ग पर स्थित एक होटल में जयपुर डायलॉग की ''शत्रुबोध'' थीम पर 10वीं तीन दिवसीय समिट के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रही थीं।

सांसद मीनाक्षी जैन ने कहा कि इतिहासवेत्ताओं ने ईमानदारी से इतिहास लिखा लेकिन उसमें कुछ छुपाया नहीं गया। न ही इतिहास को तोड़ा-मरोड़ा गया। परंतु आजादी के बाद हमारे इतिहासवेत्ताओं को मार्क्सवादियों ने कम्युनल बताया और मूल इतिहास के सिलेबस को ही गायब कर दिया गया। देश के असली इतिहास को विपरीत इतिहास में बदल दिया गया और धीरे-धीरे दिल्ली विश्वविद्यालय जेएनयू और अलीगढ़ के सिलेबस से यह सब गायब हो गए। हमको यह समझना चाहिए कि भाई शत्रु कहां है हमारा इतिहास बिल्कुल विपरीत लिखा गया, हमें शत्रुओं का बोध होना चाहिए।

इससे पहले सांसद मीनाक्षी जैन ने दीप प्रज्वलित कर जयपुर डायलॉग समिट का शुभारंभ किया।

''शत्रुबोध'' थीम पर गुरूवार से शुरू हुए जयपुर डायलॉग समिट में चेयरपर्सन संजय दीक्षित व अन्य वक्ताओं ने चर्चा की।

- **जयपुर डायलॉग समिट में पहले दिन ''शिक्षा, भ्रष्टाचार और सिविक सेंस के सवाल'' उठे**

तीन दिवसीय समिट के पहले दिन मुख्य हॉल सहित अलग-अलग जगहों पर विभिन्न विषयों पर 14 सत्र आयोजित किए गए। जयपुर डायलॉग के चेयरपर्सन संजय दीक्षित की पुस्तक ''ऑल रिलीजंस आर नोट सेम'' के हिंदी संस्करण (सभी धर्म समान नहीं) का विमोचन भी किया गया।

प्रथम सत्र में ''भारत मस्ट नेम, एक्सपोज एंड कॉन्फ्रेंस इट्स सिविलाइजेशन एनीमीज'' विषय पर वरिष्ठ पत्रकार भाऊ तोरसेकर, अनुपम मिश्रा, ओमकार चौधरी, अभिषेक तिवारी और बाबा रामदास ने शत्रुओं की समय रहते पहचान करने और विकास की और फैलाए जा रहे नैरेटिव पर करारा प्रहार किया।

द्वितीय सत्र में दक्षिणी एशियाई देशों बांग्लादेश, नेपाल और श्रीलंका में जिओ पालिटिक्स तथा जेन जेड़ के विरोध-प्रदर्शन का जिक्र करते हुए कहा कि हमारे देश में भी विपक्ष की ओर से इस तरह के प्रयास किया जा रहे हैं, हमें शत्रुओं से सावधान रहना होगा। दोपहर बाद तीसरे सत्र में थिंक टैंक्स की ओर से शिक्षा के माध्यम से की जा रही भारत विरोधी गतिविधियों पर सांसद मीनाक्षी जैन, एस्थर धनराज, प्रोफेसर भारत गुप्त, आभास मालदहियार, नीलेश ओक और चिंतक कुंदन सिंह ने संबोधित किया। चौथे सत्र में ब्रेकिंग इंडिया फोर्सज, टुकड़े-टुकड़े गैंग, देश के आंतरिक शत्रु तथा नक्सली और इस्लामिस्ट नेटवर्क विषय पर संजय दीक्षित, नाजिया खान अभिजीत मित्रा अभिजीत चावाड़ा, पंकज सक्सेना और अविनाश धर्माधिकारी ने खुलकर देश विरोधी ताकतों और शत्रुओं का खुलासा किया।

''इन ब्यूरोक्रेसी होल्डिंग बैक मोदी एंड इंडिया'' ओपन माइक चैनल सेशन में अविनाश धर्माधिकारी, उदय माहिरकर, सेवियो रॉड्रिक्स, राहुल सूर और संजय दीक्षित ने चर्चा की।

चर्चा में भ्रष्टाचार पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि भ्रष्टाचार हमारे समाज में इस कदर व्याप्त है कि परिवार के लोग भी उसके लिए दबाव बनाते हैं। भ्रष्टाचार हमारे समाज, व्यवस्था और लोकतंत्र का कैंसर है। इसके समाधान का रास्ता शिक्षा से शुरु होता है।

लिहाजा शैक्षिक नीति निर्माण करने वाले अधिकारियों का चरित्र भी इतना मजबूत हो, कि वे नेशन फर्स्ट की भावना को जागृत कर पाएं। वक्ताओं ने बताया कि डीबीटी की शुरुआत मोदी सरकार ने बहुत अच्छी की, लेकिन सक्षम अधिकारियों की अनदेखी के कारण आदिवासी गांव में ये योजनाएं सही मायने में नहीं पहुंच पाई।

150 यूनिट प्रतिमाह नि:शुल्क बिजली योजना संचालन के लिए दिशा-निर्देश जारी

रूफ टॉप सोलर पर अब राज्य सरकार से मिलेगी 17 हजार रूपए की अतिरिक्त सब्सिडी

जयपुर(कासं)। राजस्थान डिस्कॉम्स ने 150 यूनिट प्रतिमाह नि:शुल्क बिजली योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विस्तृत संचालन दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। इस महत्वाकांक्षी योजना के माध्यम से मुख्यमंत्री नि:शुल्क बिजली योजना में पंजीकृत घरेलू उपभोक्ताओं को सौर ऊर्जा से प्रतिमाह 150 यूनिट नि:शुल्क बिजली उपलब्ध कराई जाएगी। प्रथम चरण में यह लाभ उन उपभोक्ताओं को मिलेगा, जिनके पास रूफ टॉप सोलर संयंत्र लगाने के लिए घर की छत उपलब्ध है। उल्लेखनीय है कि 13 अक्टूबर को पोर्टल के शुभारम्भ के बाद रूफ टॉप सोलर लगाने के लिए अब तक 1 लाख 66 हजार 355 से अधिक विद्युत उपभोक्ता अपनी सहमति दर्ज करा चुके हैं।

जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार उपभोक्ता रूफ टॉप सोलर संयंत्र लगवाकर संयंत्र की क्षमता के अनुसार पीएम सूर्यघर योजना में देय केन्द्रीय अनुदान (अधिकतम 78 हजार रूपए) प्राप्त करेंगे। न्यूनतम 1.1 किलोवाट के संयंत्र पर उन्हें राज्य सरकार द्वारा अतिरिक्त 17 हजार रूपए की सब्सिडी भी दी जाएगी, जो डिस्कॉम द्वारा सत्यापन के पश्चात प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के माध्यम से सीधे उपभोक्ता के बैंक खाते में भेजी जाएगी।

- **13 अक्टूबर को पोर्टल के शुभारम्भ के बाद रूफ टॉप सोलर लगाने के लिए अब तक 1 लाख 66 हजार 355 से अधिक विद्युत उपभोक्ता अपनी सहमति दर्ज करा चुके हैं।**

योजना में वही घरेलू उपभोक्ता अतिरिक्त राज्य सब्सिडी के लिए पात्र होंगे, जो पहले से मुख्यमंत्री नि:शुल्क बिजली योजना में पंजीकृत हैं तथा जिनके पास रूफ टॉप सोलर संयंत्र लगाने के लिए स्वयं की छत उपलब्ध है। ऐसे उपभोक्ताओं को राजस्थान डिस्कॉम की वेबसाइट तथा मोबाइल एप पर सहमति के लिए पंजीकरण कराना होगा। इसके बाद रूफ टॉप सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने के लिए उन्हें पीएम सूर्यघर योजना के राष्ट्रीय पोर्टल पर पंजीकरण करना होगा। आवश्यक दस्तावेज अपलोड कर एम्पेनल्ड वेंडर का चयन करना होगा। रूफ टॉप सोलर सिस्टम अपनी स्वामित्व वाली छत पर ही स्थापित कराना होगा। रूफ टॉप संयंत्र की आपूर्ति और स्थापना का कार्य पीएम सूर्यघर योजना में एम्पैनल्ड वेंडर द्वारा किया जाएगा। डिस्कॉम के संबंधित सहायक अभियंता द्वारा निरीक्षण कर रूफ टॉप संयंत्र स्थापित किए जाने का सत्यापन किया जाएगा।

'भारत में ''बंटोगे तो कटोगे'' का नारा अभी 1000 साल तक चल सकता है'

जयपुर। जयपुर डायलॉग के पहले दिन शुक्रवार को ''डू हिंदू इनफ्लुएंसर एक्चुअली अंडरस्टैंड सनातन (सेकुलर कथावाचक)'' सैशन हुआ। इस ओपन माइक सैशन में कार्तिक गौर, विनोद कुमार और अनुज भारद्वाज ने चर्चा की। वक्ताओं ने कहा कि ''बंटोगे तो कटोगे'' का नारा भारत में अभी और 1000 साल तक चल सकता है।

सोशल मीडिया, फिल्म मेकर, यूट्यूबर, इनफ्लुएंसर के माध्यम से जनमानस में पैठ बनाने वालों पर तंज कसते हुए कहा कि ये स्वयं को हिंदुइज्म बोलते हैं, जबकि वास्तव में हिंदुत्व है। यह क्रिस्टीनिज्म और इस्लामिज्म से अलग है। इनमें कथित पत्रकार और इतिहासकार भी शामिल है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग ज्योतिष के जरिए हिंदुत्व को गिरा रहे हैं। सिर्फ लोकप्रिय होने के लिए ज्योतिष और इतिहास की गलत व्याख्या कर रहे हैं। जबकि आंतरिक सुरक्षा को सर्वोपरि रखना चाहिए। हमें जागना और जागना होगा। स्वतंत्रता की अभिव्यक्ति लोकतंत्र में हमें फायदा दे रहा है या नुकसान यह सोचना होगा।

सैशन में प्रियांक कानूनगो और हर्ष ने चर्चा करते हुए कहा कि वामपंथी देशों ने सोशल मीडिया के जरिए लिव इन और पोर्न की लत लगाने का प्रयास किया है। ताकि विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को ध्वस्त किया जा सके। बालिकाओं के प्रति कम्युनल जेंडर क्राइम हो रहा है। यह तब है जबकि दूसरे देशों में 38 वर्ष के मुकाबले भारत में काम करने वालों की एवरेज आयु 29 वर्ष है। भारत में 90 करोड़ की युवा आबादी सर्वाधिक है। उन्होंने कहा कि सामाजिकता की लडाई लड़ने के लिए स्वयं के विचारधारा को विकसित करना होगा। सोशल मीडिया के सही उपयोग के लिए स्वदेशी प्लेटफार्म विकसित करने होंगे।

सांसद तिवाड़ी ने अशोक गहलोत के बयान पर पलटवार किया

सीकर/जयपुर। सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के वंदे मातरम् पर दिए गए बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि गहलोत जी इतिहास को तोड़-मरोड़ कर पेश कर रहे हैं, और राष्ट्रगीत को भी राजनीति के दायरे में घसीट रहे हैं।

तिवाड़ी ने कहा कि 'वंदे मातरम्' गीत देश के स्वतंत्रता सेनानियों में आज़ादी की चेतना जगा रहा था, यह गीत तभी से भारत के क्रांतिकारियों के लिए एक मंत्र और प्रेरणा का स्त्रोत बन गया। कांग्रेस के अधिवेशन में मौलाना अली, शौकत अली जैसे नेताओं ने इसका विरोध किया था। इसके बाद में वंदे मातरम् को धर्म से जोड़ने की कोशिश की गई, जो कि पूरी तरह गलत और दुर्भाग्यपूर्ण था। तिवाड़ी ने कहा कि 1875 में बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने वंदे मातरम् गीत की रचना की। 1882 में आनंदमठ में प्रकाशित हुआ, जिसमें इस गीत को प्रमुख स्थान मिला। 1905 बंग-भंग आंदोलन के समय यह गीत स्वदेशी आंदोलन का प्रेरणास्त्रोत बन गया। सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूरे देश में वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने पर यह आयोजन राष्ट्रभक्ति की भावना को जागृत करने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगर अशोक गहलोत और कांग्रेस सच में राष्ट्रभक्ति की भावना रखते हैं, तो उन्हें इस आयोजन में शामिल होकर देश के साथ खड़ा होना चाहिए था, न कि इससे दूरी बनानी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि भाजपा राष्ट्रवादी विचारधारा वाली पार्टी है और वंदे मातरम् गीत के प्रति उसकी आस्था श्रद्धा और राष्ट्रसेवा की भावना से जुड़ी है। भाजपा इस गीत को राजनीतिक नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता और प्रेरणा का प्रतीक मानती है। तिवाड़ी ने कहा कि वंदे मातरम् गीत भारत के हर नागरिक के दिल में बसता है। यह किसी पार्टी की नहीं, बल्कि पूरे देश की राष्ट्रभावना का प्रतीक है। भाजपा इस गीत के माध्यम से देशभर में राष्ट्रभक्ति और एकता का संदेश देती रहेगी।

- **वंदे मातरम् किसी दल की नहीं, देश की राष्ट्रभावना का प्रतीक : तिवाडी**

मुख्यमंत्री ने खरीफ फसल खराबे में कृषि अनुदान को दी स्वीकृति

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस वर्ष अतिवृष्टि से खरीफ फसल के नुकसान के संबंध में संवेदनशील निर्णय लिया है। जिसके तहत उन्होंने प्रभावित 6 जिलों के किसानों के लिए अनुदान वितरण की स्वीकृति दी है। निर्णय के अनुसार, प्रभावित किसानों को एसडीआरएफ से कृषि अनुदान वितरण करने की मंजूरी दी गई है। इसके लिए 6 जिलों की 40 तहसील के 2 हजार 961 गांवों को अभावग्रस्त घोषित करने के प्रस्ताव को अनुमोदित किया है। मुख्यमंत्री के इस संवेदनशील निर्णय से अजमेर, अलवर, झुंझुनूं, कोटा, पाली और बांसवाड़ा जिले के आठ लाख से अधिक किसानों को राहत मिलेगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को सवाई मानसिंह स्टेडियम में राष्ट्रगीत "वन्दे मातरम्" के 150 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

वंदे मातरम् ने हमारे स्वतंत्रता संग्राम को स्वर दिया- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने एसएमएस स्टेडियम में राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित किया

- **मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि यह समारोह केवल उत्सव नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय आंदोलन है, जिसका उद्देश्य युवा पीढ़ी को गीत की मूल क्रांतिकारी भावना से जोड़ना है।**

जयपुर, 7 नवम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हम सभी राष्ट्रीय चेतना के महान गीत "वन्दे मातरम्" के 150 वर्ष पूर्ण होने के साक्षी बन रहे हैं तथा अमर काव्य की वंदना कर रहे हैं। वन्दे मातरम् ने हमारे स्वतंत्रता संग्राम को स्वर दिया, जिसने करोड़ों भारतीयों के हृदय में राष्ट्रप्रेम की ज्वाला प्रज्ज्वलित की। उन्होंने कहा कि यह केवल एक गीत नहीं है बल्कि हमारी सामूहिक चेतना, हमारी आत्मा की पुकार तथा मातृभूमि के प्रति हमारी अनंत श्रद्धा का प्रतीक है। शर्मा शुक्रवार को सवाई मानसिंह स्टेडियम में राष्ट्रगीत वन्दे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम राष्ट्रगीत के 150 वर्षों का ऐतिहासिक उत्सव मना रहे हैं। युवा भारत के भविष्य हैं, राष्ट्र की आशा हैं और इस महान विरासत के संरक्षक हैं। उन्होंने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने आजाद हिंद फौज की अंतरिम सरकार की घोषणा के समय भी वन्दे मातरम् गाया था। क्रांतिकारी जब फांसी के तख्ते पर चढ़ ते थे तो उनके होठों पर भी वन्दे मातरम् होता था। अंग्रेज इस गीत से इतने भयभीत थे कि इसे सार्वजनिक रूप से गाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।

शर्मा ने कहा कि केन्द्र सरकार ने 1 अक्टूबर को वन्दे मातरम् के 150वें वर्ष के राष्ट्रव्यापी समारोह की स्वीकृति देकर ऐतिहासिक निर्णय लिया है। यह समारोह केवल उत्सव नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय आंदोलन है, जिसका उद्देश्य हमारे नागरिकों को, विशेषकर हमारी युवा पीढ़ी और विद्यार्थियों को इस गीत की मूल क्रांतिकारी भावना से जोड़ना है।

मुख्यमंत्री ने वन्दे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने पर एसएमएस स्टेडियम में राज्य स्तरीय प्रदर्शनी का अवलोकन किया, जिसमें 1857 की क्रांति व भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के नायकों के योगदान से संबंधित जानकारी एवं विकसित भारत से संबंधित पेंटिंग्स दिखाई गईं।

इसके पश्चात उन्होंने वन्दे मातरम् सैण्ड आर्ट को भी देखा। समारोह में शर्मा ने प्रदेश के उत्कृष्ट खिलाड़ियों को सम्मानित किया। इसके अतिरिक्त गायक पीयूष पंवार ने राष्ट्र भक्ति के गीतों की सुरमयी प्रस्तुति दी। साथ ही, ड्रोन से स्टेडियम में पुष्प वर्षा की गई। संपूर्ण कार्यक्रम में आमजन, प्रतिभागियों, स्कूली छात्र-छात्राओं एवं कलाकारों ने एक स्वर में भारत माता की जय और वन्दे मातरम् के जयकारों से पूरे आयोजन को जोश से भर दिया। राजस्थान के लोक कलाकारों ने वाद्ययंत्रों के माध्यम से विशेष प्रस्तुतियां दी। लोगों ने केसरिया साफा पहनकर एवं हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर राष्ट्र सेवा की भावना से ओतप्रोत होकर विकसित भारत के विजन को मजबूत बनाया। शर्मा ने सभी लोगों को आत्मनिर्भर भारत की शपथ भी दिलाई। मुख्यमंत्री ने जब आसमान में गुब्बारे छोड़े तो पूरा वातावरण राष्ट्रभक्ति की भावना से सराबोर हो उठा।

इस अवसर पर युवा मामले एवं खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़, गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़ म, राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी, सांसद व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, घनश्याम तिवाड़ी, राव राजेन्द्र सिंह, मंजू शर्मा तथा विधायकगण सहित वरिष्ठ अधिकारी एवं बड़ी संख्या में स्कूली छात्र-छात्राएं, युवा व आमजन उपस्थित थे।

ग्रेट ईस्टर्न रिटेल पर 51 हजार का हर्जाना

जयपुर, 7 नवंबर। जिला उपभोक्ता आयोग, जयपुर-द्वितीय ने सेवादोष के एक मामले में ग्रेट ईस्टर्न रिटेल पर 51 हजार रुपए का हर्जाना लगाया है। वहीं एसी इंस्टालेशन चार्ज की राशि 2145 रुपए व डिस्काउंट की बकाया राशि

- **जिला उपभोक्ता आयोग ने एक ग्राहक के परिवाद पर आदेश दिये।**

2000 रुपए परिवाद दायर करने की तारीख से 9 प्रतिशत ब्याज सहित परिवादी को देने का निर्देश दिया है। आयोग के अध्यक्ष ग्यारसीलाल मीणा व सदस्य सुप्रिया अग्रवाल ने यह आदेश रामप्रकाश कुमावत के परिवाद पर दिए।

परिवाद में कहा गया कि परिवादी ग्रेट ईस्टर्न रिटेल की स्कीम व छूट से प्रभावित होकर 22 मई 2025 को विपक्षी के यहां एक एसी खरीदने के लिए गया। परिवादी ने वोल्टास का 42 हजार रुपए का एसी पसंद किया तो विक्रेता ने उसे बताया कि एसी खरीदने पर डिलीवरी व इंस्टालेशन फ्री मिलेगा। वहीं, क्रेडिट कार्ड से खरीद पर 5 हजार रुपए का डिस्काउंट व एक्सटेंड वारंटी मिलने की बात भी कही। परिवाद में कहा गया कि विपक्ष विक्रेता का यह कृत्य सेवा दोष की परिभाषा में आता है। ऐसे में उसे मुआवजा और परिवाद खर्च के साथ-साथ अदा की गई राशि दिलाई जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए आयोग ने विक्रेता पर हर्जाना लगाया है।

चीन के युद्ध पोतों की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

टेक ऑफ सिस्टम, जहाज के विमानों को पारंपरिक "स्काई जंप" सिस्टम के बिना भी अधिक भार उठाने में सक्षम बनाता है। ऐसी प्रणाली केवल कुछ अमेरिकी विमानवाहक पोतों में ही मौजूद है। इसके अलावा, फुजियान में हथियार प्रणालियों और उच्च तकनीक वाले उपकरणों का एक विशाल भंडार है, जो इसे समुद्र में एक शक्तिशाली व दुर्जेय दुश्मन बनाता है।

दुनिया भर के मीडिया और रणनीतिक विशेषज्ञों ने इस नए पोत के शामिल होने पर गहराई से ध्यान दिया है और यह चर्चा शुरू हो गई है कि यह अमेरिका की नौसेना के लिए किस तरह की चुनौती पेश करेगा। संख्या के मामले में चीन की नौसेना कहीं आगे निकल चुकी है, हालांकि कई विशेषज्ञ मानते हैं कि तकनीकी और रणनीतिक क्षमता में अमेरिका अब भी चीन से आगे है।

जो बात अमेरिका के लिए चिंता का विषय है, वह भारत के लिए तीन गुना ज्यादा चिंताजनक है। चीन अब हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की मौजूदगी को परख रहा है। उसके जहाज अब नियमित रूप से हिंद महासागर में दिखाई देने लगे हैं, जो कि परंपरागत रूप से भारतीय नौसेना का प्रभाव क्षेत्र माना जाता है।

चीन ने अफ्रीका के पूर्वी तट पर अपनी मौजूदगी दर्ज कर ली है और उसका निगरानी क्षेत्र मलक्का जलडमरूमध्य (मलक्का स्ट्रेट्स) से लेकर दक्षिण चीन सागर तक फैल गया है। यह वही इलाका है, जो भारतीय नौसेना की प्रमुख रुचि का क्षेत्र है। कुछ दिन पहले ही भारतीय नौसेना के उप प्रमुख ने नौसेना के सामने मौजूद चुनौतियों और उसकी निगरानी क्षमताओं का विस्तृत विवरण दिया था।

लेकिन, निश्चित रुप से इस जहाज के लॉंच होने से अमेरिका के लिए चिंताएं और बढ़ गई हैं। पहले ही अमेरिका उस तेज़ रफ्तार से हैरान है, जिस गति से चीन ने अपनी नौसेना में नए जहाज जोड़े हैं।

संख्या के हिसाब से चीनी नौसेना अब अमेरिकी बेड़े से कम से कम 20 प्रतिशत बड़ी है। इसके अलावा, चीन के शिपयार्ड्स में नए जहाजों के निर्माण की क्षमता अमेरिका और अन्य देशों की तुलना में कहीं अधिक है।

यह नया पोत निकट भविष्य में प्रशांत महासागर के उन इलाकों में तैनात किया जाएगा, जहां हाल के महीनों में चीनी गश्ती जहाजों और अन्य देशों के जहाजों के बीच झड़पें बढ़ गई हैं। चीन लगातार अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्रों और वैश्विक समुद्री मार्गों के बड़े हिस्सों पर अपना "संप्रभु क्षेत्र" होने का दावा कर रहा है। इससे दक्षिण चीन सागर के आसपास के देशों के साथ गंभीर तनाव बढ़ रहा है।

चीन पूरे दक्षिण चीन सागर को अपना विशेष समुद्री क्षेत्र बता रहा है, जबकि इस सागर के तट पर कई अन्य देशों की सीमाएँ हैं और उनके अपने समुद्री अधिकार हैं। कुछ महीने पहले चीन का फिलीपींस से विवाद हुआ था और इंडोनेशिया व वियतनाम के साथ भी लगातार तनाव बना हुआ है।

इन हालात ने चीन को न केवल अपने पड़ोसी देशों से, बल्कि दुनिया भर के अन्य समुद्री देशों से भी टकराव की स्थिति में ला दिया है। हाल ही में हुई ऐसी ही एक मुठभेड़ में ऑस्ट्रेलिया ने शिकायत की कि चीनी जहाजों ने उनके पोतों के आसपास गैर -पेशेवर तरीके से पैंतरेबाजी की और चालक दल व अन्य लोगों की जान को खतरे में डाला। तथापि, मौजूदा समय में चीन इस क्षेत्र के अन्य लोगों की शिकायतों पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है।

शी जिनपिंग चीन के साम्राज्यवादी विचार को प्राथमिकता दे रहे हैं और अब इस पुराने साम्राज्य को उसके अधिकतम विस्तार तक फिर से स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं, जिसमें लगभग पूरा दक्षिण पूर्व एशिया, आसपास के समुद्री क्षेत्र और विशेषरुप से सिलीगुड़ी कॉरिडोर सहित, भारत का संपूर्ण उत्तर -पूर्वी क्षेत्र शामिल है।

ऐसे दृष्टिकोण के साथ, चीन का कई देशों से टकराव होना तय है, और भारत इससे अछूता नहीं रह सकता। भारत के लिए सबसे बड़ी चिंता का विषय यह है कि भविष्य में चीन के साथ किसी संभावित टकराव के लिए वह पूरी तैयारी करे।

भारत को ऐसे टकराव और आमने-सामने की टक्कर से बचने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करना चाहिए, जब तक कि वह आर्थिक विकास और सैन्य शक्ति के मामले में चीन के बराबर नहीं पहुँच जाता।

आरएएस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कार्मिक विभाग के साल 2008 के परिपत्र के तहत, निलंबन से बहाल होने पर अधिकारी पदोन्नति का अधिकारी होता है। इस परिपत्र के आधार पर दो आईएएस अफसरों को भी आपराधिक मामला लंबित होने के बावजूद पदोन्नति दी गई है। ऐसे में अपीलार्थी को पदोन्नति नहीं देना गलत है। दोनों पक्षों को सुनने के बाद, अदालत ने अपीलार्थी का लिफाफा खोलने के आदेश दिए हैं।

फीफा ट्रंप को शांति ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यह पुरस्कार उस समर्थन और सहयोग के बदले किये गये एक प्रतिदान के रुप में देखा जा सकता है।

ट्रम्प के लिए यह एक सुनहरा अवसर होगा। वाशिंगटन के कैनेडी सेंटर में एक भव्य समारोह, जहां वे, उनकी छवि में चार चांद लगाने वाले, इस "वैश्विक सम्मान" को प्राप्त करने वाले राजनेता के रूप में प्रस्तुत होंगे, वो भी ऐसे समय पर, जब वे देश में अपनी सत्ता मज़बूत करने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन फीफा के लिए इस कदम का औचित्य समझाना शायद बहुत मुश्किल होगा। कतर की मेज़बानी विवादों से लेकर प्रायोजन घोटालों तक, अपनी छवि चमकाने के इस संगठन के पिछले प्रयास अक्सर उल्टे पड़े हैं।

नोबेल पुरस्कार की महत्ता उसकी राजनीति से दूरी में निहित है। उसकी समितियों ने हमेशा सरकारों को चुनौती देते हुये, सोवियत असंतुष्टों चीनी कार्यकर्ताओं या युद्ध क्षेत्रों में काम करने वाले मानवीय संगठनों को सम्मानित किया है। लेकिन फीफा की संरचना ही ऐसी है कि वह इस तरह की निष्पक्षता का दावा नहीं कर सकता। इसके फैसले प्रसारण सौदों, राष्ट्रीय संघों और व्यावसायिक साझेदारों से प्रभावित होते हैं।

इस असंतुलन के कारण नोबेल और फीफा की तुलना अपने आप में ही अन्यायपूर्ण है, और यह नोबेल के साथ अन्याय भी है। खेल प्रशासन के गलियारों में पैदा हुआ पुरस्कार कभी भी उस पुरस्कार की नैतिक शक्ति का वाहक नहीं हो सकता, जिसकी जड़ें वैश्विक अंतरात्मा में पैठ चुकी हैं।

सच कहा जाए तो फुटबॉल ने दुनिया के बिखरे समाजों में मेल-मिलाप की भूमिका निभाई है। अफ्रीका के युद्धग्रस्त इलाकों से लेकर जॉर्डन के शरणार्थी शिविरों तक, इस खेल ने एकता और उम्मीद के पल दिए हैं। अगर फीफा ऐसी पहलों और प्रयासों - सामुदायिक कोचों, शरणार्थी खिलाड़ियों या खेल के माध्यम से शांति अभियानों - को सम्मानित करे, तो यह पुरस्कार सचमुच सार्थक बन सकता है। लेकिन अगर इसे किसी राजनीतिक दिग्गज को दिया गया, तो ध्यान शांति से हटकर प्रचार पर चला जाएगा।

जब इन्फेंटिनो 5 दिसंबर को विजेता की घोषणा करेंगे, तो उस घोषणा में जितना विजेता के बारे में बताएगा जायेगा, उतना ही फीफा के बारे में भी। अगर पुरस्कार ट्रम्प को मिला, तो यह साफ हो जायेगा कि कैसे शांति को भी एक तमाशा बनाया जा सकता है।

नोबेल शांति पुरस्कार भले ही पूर्ण न हो, पर यह अब भी नैतिकता का मानदंड बना हुआ है। फिलहाल, फीफा का यह नया पुरस्कार, कम से कम अभी के लिए, एक जनसंपर्क प्रयोग जैसा दिखता है, जिसे नैतिकता का जामा पहना दिया गया है।

शराबी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अधिकारी ने अपना पक्ष रखते हुए गिरफ्तार आरोपी को रिमांड पर भेजने के पक्ष रखा। तमाम जिरह सुनने के बाद डंपर चालक को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। इस प्रकरण में अगली सुनवाई 21 नवंबर को रखी गई है।

कोर्ट की कार्रवाही के दौरान ही चौमूं बार एसोसिशन ने बड़ा फैसला लेते हुए डंपर चालक कल्याण मीणा की ओर से किसी भी तरह की कोई पैरवी नहीं करने का निर्णय लिया।

'वंदे मातरम्' कांग्रेस की बैठकों का हमेशा हिस्सा रहा है- खड़गे

- **उन्होंने कहा कि आरएसएस की शाखाओं व बैठकों में यह गीत कभी नहीं गाया गया।**

नयी दिल्ली, 07 नवंबर। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने वंदे मातरम् गीत को राष्ट्र की सामूहिक आत्मा को जागृत करने वाला स्वतंत्रता संग्राम का उद्घोषक गीत बताते हुए, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) तथा भाजपा पर हमला किया और कहा कि राष्ट्रभक्ति का डंका पीटने वाले इस संगठन के लोगों ने अपनी शाखाओं में और बैठकों में इस गीत को कभी नहीं गाया।

खड़गे ने वंदे मातरम गीत की 150वीं वर्षगांठ पर शुक्रवार को एक सन्देश में कहा कि 1896 में कलकत्ता में कांग्रेस के अधिवेशन के दौरान, तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष रहमतुल्ला सयानी के नेतृत्व में, गुरुदेव रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने पहली बार सार्वजनिक रूप से वंदे मातरम् का गायन किया था और तब इस गीत ने स्वतंत्रता आंदोलन में नयी ऊर्जा भर दी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ब्रिटिश साम्राज्य की फूट डालो और राज करो नीति को समझती थी और उस समय अंग्रेजों की इस नीति के विरुद्ध वंदे मातरम् अटूट शक्ति का गीत बनकर उभरा, जिसने सभी भारतीयों को भारत माता की भक्ति में शक्ति के रूप में एक सूत्र में बांध दिया था। फिर 1905 के बंगाल विभाजन से लेकर स्वतंत्रता सेनानियों के अंतिम सांसों तक वंदे मातरम् की गूंज पूरे देश में सुनाई देने लगी। यह गीत लाला लाजपत राय के प्रकाशन का शीर्षक था, भीकाजी कामा के उस तिरंगे पर अंकित था जो उन्होंने जर्मनी में फहराया।

पूर्व विधायक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कि अपीलार्थी को जमानत मिलने के बाद उसने जुलूस निकालकर शक्ति प्रदर्शन किया था। हाईकोर्ट ने भी इस आधार पर केस को धौलपुर से जयपुर ट्रांसफर किया था। आरोपी मंत्री और तीन बार विधायक रह चुका है। ऐसे में इन जिलों में वह दबदबा रखता है। इसलिए अपील को खारिज किया जाए। दोनों पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने अपील को खारिज कर दिया है।

सरकार ने पुणे में विवादास्पद भूमि सौदे को रद्द कर दिया है- अजीत पवार

मुंबई, 07 नवंबर। पुणे के विवादित भूमि सौदे को लेकर उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने इस विवादास्पद लेनदेन को रद्द कर दिया है। विपक्षी दलों की तरफ से इस्तीफे की मांग और विवाद बढ़ ने के बीच शुक्रवार को अजीत पवार ने कहा, उनके बेटे पार्थ और उनके व्यावसायिक साझेदार ने पुणे में जमीन खरीदी। हालांकि, दोनों को इस बात की जानकारी नहीं थी कि पुणे में उनकी कंपनी जो जमीन खरीद रही है, वह सरकारी संपत्ति है।

विवाद के बीच, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मिलने पहुंचे पवार ने पत्रकारों को बताया कि सौदे की जांच के लिए सरकार ने समिति गठित की है। इसकी रिपोर्ट एक महीने के भीतर आ जाएगी। इससे पहले सरकार पुणे के इस जमीन सौदे से संबंधित दस्तावेजों का पंजीकरण रद्द कर चुकी है। अधिकारियों को संबंधित हलफनामा भी सौंपा जा चुका है। डिप्टी सीएम ने यह भी कहा कि इस सौदे में एक भी रुपये का लेन-देन नहीं हुआ है। पवार ने बताया, संबंधित जमीन सरकारी है। इसे बेचा नहीं जा सकता। पार्थ और उनके साझेदार दिग्विजय पाटिल को इस तथ्य की जानकारी नहीं थी। पंजीकरण कैसे हुआ? इसका जिम्मेदार कौन है? ऐसे तमाम सवालों का जवाब तलाशने के लिए अतिरिक्त मुख्य सचिव विकास खड़गे की अगुवाई में जांच समिति बनाई गई है। वह एक महीने में अपनी रिपोर्ट सौंप देंगे।

दलितों के लिये आरक्षित भूमि कौड़ियों के भाव मंत्री पुत्र को दी- राहुल गांधी

- **उन्होंने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र के इस मामले में प्रधानमंत्री चुप क्यों हैं**
- **राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि दलितों के लिये आरक्षित 1800 करोड़ रुपये की सरकारी भूमि मंत्री के बेटे की कम्पनी को 300 करोड़ रुपए में बेच दी गई।**

नयी दिल्ली, 07 नवंबर। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार को दलित विरोधी करार देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर हमला किया और कहा कि महाराष्ट्र के एक प्रभावशाली मंत्री के बेटे को दलितों के लिए आरक्षित सरकारी जमीन कौड़ियों के भाव बेच दी जाती है, लेकिन मोदी इस पर कुछ नहीं बोलते।

उन्होंने कहा कि इस जमीन की कीमत 1800 करोड़ रुपए से अधिक है, लेकिन राज्य सरकार के प्रभावशाली मंत्री के बेटे को कंपनी चलाने के लिए सरकार ने यह जमीन महज 300 करोड़ रुपए में बेच दी और स्टाम्प ड्यूटी में छूट भी दे दी। आश्चर्य की बात यह है कि खुद को दलितों का हितैषी बताने वाले प्रधानमंत्री मोदी इस बारे में मौन साधे हुये हैं। गांधी ने सोशल मीडिया एक्स पर शुक्रवार को एक पोस्ट में कहा कि महाराष्ट्र में दलितों के लिए आरक्षित 1800 करोड़ रुपए की सरकारी ज़मीन सिर्फ़ 300 करोड़ रुपए में मंत्री जी के बेटे की कंपनी को बेच दी गई है। ऊपर से स्टाम्प ड्यूटी भी हटा दी। मतलब एक तो लूट और उस पर कानूनी मुहर में भी छूट। उन्होंने ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से कहा कि वे लुटेरों की लूट पर मौन हैं, क्योंकि वे ही उनकी सरकार का आधार हैं। उन्होंने कहा "मोदी जी, आपकी चुप्पी बहुत कुछ कहती है - क्या आप इसीलिए खामोश हैं, क्योंकि आपकी सरकार उन्हीं लुटेरों पर टिकी है, जो दलितों और वंचितों का हक़ हड़पते हैं।"

तकनीकी खराबी के कारण दिल्ली से उड़ानों में देरी

नयी दिल्ली, 07 नवंबर। स्वचालित संदेश स्विचिंग सिस्टम (एएमएसएस) में तकनीकी खराबी आने के कारण राजधानी के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआईए) और उत्तर भारत के कई अन्य स्थानों पर उड़ानों में देरी हो रही है।

एएमएसएस एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) डेटा का समर्थन करता है। विमानन कंपनी इंडिगो ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, "एएमएसएस में तकनीकी समस्या के कारण, दिल्ली हवाई अड्डे और उत्तरी क्षेत्र के कुछ अन्य हवाई अड्डों पर सभी एयरलाइनों की उड़ानें इस समय देरी का सामना कर रही हैं।" भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण (एएआई) ने भी इस व्यवधान की पुष्टि की है।

मानेसर भूमि घोटाले में पूर्व मुख्यमंत्री हुड्डा की मुश्किलें बढ़ीं

पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने उनकी याचिका खारिज कर सीबीआई का रास्ता खोला

- **सीबीआई का आरोप है कि मानेसर के आसपास के गांवों में किसानों से सस्ते दाम से भूमि अधिग्रहित की गई। बाद में निजी बिल्डरों को रियायती दामों पर लाइसेंस जारी किये गये।**

चंडीगढ़ , 07 नवंबर। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेन्द्र सिंह हुड्डा को मानेसर भूमि घोटाला मामले में पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय से बड़ा झटका लगा है। अदालत ने शुक्रवार को सुनवाई के दौरान उनकी याचिका खारिज कर दी, जिससे पंचकूला स्थित केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की विशेष अदालत में अब आरोप तय करने की प्रक्रिया का रास्ता साफ हो गया है।

उच्च न्यायालय से राहत न मिलने के बाद, अब सीबीआई की विशेष अदालत हुड्डा और अन्य आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करेगी और मुकदमे की औपचारिक कार्यवाही शुरू होगी। सीबीआई पहले ही इस मामले में आरोप पत्र दाखिल कर चुकी है, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री सहित कई लोगों पर गंभीर अनियमितताओं के आरोप लगाए गए हैं। गौरतलब है कि 2007 में भूमि अधिग्रहण से जुड़ा यह मामला उच्चतम न्यायालय के आदेश पर सीबीआई को सौंपा गया था। शीर्ष अदालत ने तत्कालीन हुड्डा सरकार द्वारा अधिग्रहण प्रक्रिया रद्द करने के फैसले को दुर्भावनापूर्ण बताते हुए इसे धोखाधड़ी की श्रेणी में रखा था। अदालत ने सीबीआई को बिचौलियों द्वारा कमाए गए अवैध लाभ की जांच करने और सार्वजनिक धन की वसूली के निर्देश दिए थे। सीबीआई ने सितंबर 2015 में जांच शुरू की थी और 2018 में हुड्डा समेत 34 आरोपियों के खिलाफ लगभग 80,000 पन्नों का आरोप पत्र दाखिल किया था। एजेंसी ने आरोप लगाया कि गुरुग्राम जिले के मानेसर और आसपास के गांवों में किसानों से सस्ते दामों पर जमीन अधिग्रहित की गई और बाद में निजी बिल्डरों और रियल एस्टेट कंपनियों को रियायती दरों पर लाइसेंस जारी किए गए।

'उन्नीस सौ सैंतीस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मोदी पर पलटवार करते हुए कहा कि आरएसएस और भाजपा ने न तो यह गीत कभी गाया, न ही स्वतंत्रता संग्राम में भाग लिया। अक्टूबर 1937 में कांग्रेस ने गीत के केवल पहले दो पदों को अपनाने का फैसला किया था, जिनमें शेष पदों की तरह देवी-देवताओं का धार्मिक चित्रण नहीं था। बाकी पदों में भारत माता को हिंदू देवियों, दुर्गा, लक्ष्मी और सरस्वती के रूप में चित्रित किया गया था। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सी. आर. केशवन ने नेहरू द्वारा सुभाषचंद्र बोस को लिखे 1937 के पत्र का हवाला देते हुए कहा कि नेहरू ने लिखा था-यह गीत "मुसलमानों को नाराज़ कर सकता है"। केशवन का कहना था कि नेहरू का यह दृष्टिकोण एक "ऐतिहासिक भूल" थी, जिसने गीत के राष्ट्रीय प्रतीकवाद को कमजोर किया। "वंदे मातरम्" का विवाद पहले भी कई बार भड़क चुका है, खासकर राजस्थान और जम्मू-कश्मीर जैसे राज्यों में, जहां स्कूलों और मदरसों में इस गीत के गायन को अनिवार्य करने के सरकारी आदेशों का मुस्लिम संगठनों ने विरोध किया था। यह गीत पहली बार 1882 में बंकिमचंद्र चटर्जी के उपन्यास "आनंद मठ" में सामने आया था।

राजकॉम्प ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

खरीद व रखरखाव के लिए उदयपुर जिले का टेंडर एक फर्म को दिया गया। इस कंपनी ने डी.एस.ओ. के फर्जी साइन कर कार्य संपूर्णता का प्रमाण पत्र पेश कर सालों तक करोडों रुपए का भुगतान उठाया। आरटीआई में मिली जानकारी के अनुसार डी.एस.ओ. ने ऐसा कोई प्रमाण पत्र ही जारी नहीं किया था। इसी तरह टोंक में भी फर्जीवाड़ा कर भुगतान उठाया गया। याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता संस्था के सदस्य टीएन शर्मा ने एसीबी में इसकी कई बार शिकायत की, लेकिन एसीबी ने धारा 17-ए के तहत जांच की स्वीकृति के लिए मामला भेज दिया। जबकि नीतिगत निर्णय से जुड़े मामले में ही इस धारा के प्रावधान लागू होते हैं। मामले पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

अधिकतर देश के इकॉनमिस्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तो देख रहे हैं, लेकिन कोई स्थाई बदलाव नहीं।"

एसबीआई का अपना मजबूत प्रदर्शन, जो स्वस्थ ऋण वृद्धि और स्थिर परिसंपत्ति गुणवत्ता, (स्टेबल एसैट क्वालिटी) में परिलक्षित होता है, एक और चिंता को छुपाता है: ये है असुरक्षित ऋणों में तेजी से हो रही बढ़ोतरी। खुदरा और व्यक्तिगत ऋण में तेज वृद्धि को देखते हुए नियामक पहले ही संभावित जोखिमों पर चेतावनी दे चुके हैं। अगर रोजगार सृजन धीमा हुआ या ब्याज दरें अप्रत्याशित रूप से बढ़ीं, तो इससे परिवारों की वित्तीय स्थिति पर असर पड़ेगा और बैंकों को नए जोखिमों का सामना करना पड़ सकता है।

बाहरी मोर्चे पर भी माहौल चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। कमोडिटी बाज़ार अस्थिर हैं, तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव है और वैश्विक व्यापार अभी भी पूरी तरह स्थिर नहीं हुआ है। आईएमएफ की ताज़ा रिपोर्ट में कहा गया है कि विकसित देशों में वृद्धि असमान है, जबकि चीन की मंदी और व्यापारिक बदलावों का असर भारत जैसे उभरते देशों पर पड़ सकता है। शेट्टी ने इन जोखिमों को स्वीकार करते हुए कहा कि नीति निर्माताओं को अल्पकालिक प्रोत्साहन की बजाय स्थिरता और दीर्घकालिक टिकाऊ विकास पर ध्यान देना चाहिए। हालांकि आलोचकों का कहना है कि 2026 के आम चुनावों से पहले राजकोषीय अनुशासन और ढांचागत सुधारों की गति धीमी पड़ गई है।

हालांकि महंगाई में कमी आई है, लेकिन अभी भी आरामदायक स्तर से ऊपर बनी हुई है, खासकर खाद्य और सेवाओं के क्षेत्र में। मुख्य महंगाई के दबाव में कमी आई है, लेकिन आम परिवार अभी भी खाद्य वस्तुओं, बिजली और स्वास्थ्य सेवाओं की बढ़ी हुई कीमतों से परेशान हैं। आम भारतीयों के लिए अर्थव्यवस्था की मजबूती का मतलब कई बार बढ़ती लागत, और स्थिर वेतन से होता है, एक ऐसा अंतर जिसे केवल आंकड़ों से नहीं छिपाया जा सकता।

आईसीआरए की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर का कहना है, "भारत की विकास कहानी तुलनात्मक रूप से प्रभावशाली है, लेकिन इसके लाभ समान रूप से नहीं बंटे हैं। जब तक ग्रामीण मांग और वास्तविक वेतन में सुधार नहीं होता, तब तक जीडीपी के ऊंचे आंकड़े वास्तविक आर्थिक ताकत को पूरी तरह नहीं दिखा पाएंगे।"

शेट्टी ने दीर्घकालिक स्थिरता, हरित वित्त और जलवायु लचीलेपन की जरूरत पर जोर दिया, लेकिन यहां भी प्रगति असमान रही है। तमाम घोषणाओं के बावजूद भारत की हरित अर्थव्यवस्था में निवेश अभी भी सीमित है, और बैंकों ने नए ऋणों में से केवल 5 प्रतिशत से भी कम राशि पर्यावरणीय रूप से टिकाऊ क्षेत्रों को दी है।

शेट्टी का सतर्क आशावाद निराधार नहीं है, लेकिन यह कुछ अहम असंतुलनों को नजरअंदाज करता है। भारत की वृद्धि भले ही तुलनात्मक रूप से मजबूत हो, पर यह अभी व्यापक, समावेशी या झटकों से मुक्त नहीं है। एचएसबीसी की मुख्य भारत अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी के शब्दों में, भारत तेज़ दौड़ रहा है, लेकिन शायद अपनी ही विसंगतियों के बोझ से पूरी तरह आगे नहीं निकल पा रहा।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908